A Daily News Magazine
इंदौर
सोमवार, 11 अगस्त, 2025

सुबह सवेरे

इंदौर एवं भोपाल से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 10 अंक 302, नगर संस्करण, पृष्ठ 8, मूल्य रू. 2

subahsaverenews@gmail.com
facebook.com/subahsaverenews
www.subahsavere.news
twitter.com/subahsaverenews

सुप्रभात

वह लपट सरीखी नग्न
नाच रही है नुकीली चट्टानों पर
उसके पदाघात से पत्थर
पिघल कर बह रहा है

वह अकेली है
उनका नृत्य देखने वाला
उसके सिवा कोई नहीं है

वह नाच रही है मेरे दिमाग में भी
मैं बह रहा हूँ पिघलकर
मैं बदल जाने वाला हूँ? नाचती हुई
लपटों में

आग भर गयी है हृदय में
मेरा रोम- रोम भस्म होकर
अनंत नृत्य मुद्राओं में
बदल जाने वाला है किसी भी क्षण

वह वह नहीं रह गयी
मैं मैं नहीं रहूंगा।

- सुभाष राय

प्रसंगवश

ट्रंप के टैरिफ का असर: क्या बढ़ेंगी भारत की आर्थिक चुनौतियाँ?

पंकज श्रीवास्तव

डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारत पर लगाए गए नए टैरिफ़ ने आर्थिक हलचल तेज़ कर दी है। जानिए कि यह फैसला भारत की अर्थव्यवस्था, व्यापारिक संबंधों और वैश्विक स्थिति पर किस तरह का प्रभाव डाल सकता है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत पर 25 प्रतिशत टैरिफ को बढ़ाकर 50 प्रतिशत करने और सेकेंडरी सैंक्शन्स लगाने का संकेत दिया है। यह कदम भारत-अमेरिका संबंधों में एक नया मोड़ है, खासकर तब जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और ट्रंप की दोस्ती की तस्वीरें और 'हाउडी मोदी' जैसे आयोजनों की यादें अभी ताजा हैं। आखिर ट्रंप की नाराजगी का कारण क्या है? क्या यह भारत पर दबाव डालने की रणनीति है? और क्या भारत इस दबाव का जवाब देने के लिए चीन जैसे सहयोगी की ओर बढ़ेगा, या स्वदेशी नीतियों पर जोर देगा?

प्रधानमंत्री मोदी ने ट्रंप के साथ दोस्ती को मजबूत करने में कोई कसर नहीं छोड़ी। 'नमस्ते ट्रंप' और 'हाउडी मोदी' जैसे आयोजनों से लेकर ट्रंप के समर्थन में हवन तक, पीएम मोदी के नेतृत्व में भारत का माहौल पूरी तरह अमेरिका के पक्ष में बना हुआ था। लेकिन ट्रंप ने इन तमाम भंगिमाओं को दरकिनार करते हुए भारत पर कड़े टैरिफ लगा दिये। ट्रंप का आरोप है कि भारत रूस से तेल खरीदकर यूक्रेन युद्ध में रूस की 'युद्ध मशीन' को फंड कर रहा है। इसके अलावा, वे भारत के उच्च टैरिफ और व्यापार असंतुलन से भी नाराज हैं। ट्रंप का मानना है कि भारत का टैरिफ ढांचा दुनिया में सबसे ऊंचा है और यह अमेरिका के साथ 'निष्पक्ष व्यापार' में बाधा है। साथ ही, भारत की ब्रिक्स जैसे समूहों में हिस्सेदारी को वे 'अमेरिका-विरोधी' मानते हैं।

2024 में भारत और अमेरिका के बीच द्विपक्षीय व्यापार 132 अरब डॉलर का था। भारत ने अमेरिका को 86.5 अरब डॉलर का निर्यात किया, जबकि अमेरिका से 41 अरब डॉलर का आयात किया। इस व्यापार अधिशेष (45 अरब डॉलर) को ट्रंप कम करना चाहते हैं। नए टैरिफ की समयसीमा इस प्रकार है-

7 अगस्त 2025 से 25 प्रतिशत टैरिफ प्रभावी।

27 अगस्त 2025 से अतिरिक्त 25 प्रतिशत टैरिफ लागू।

अगर सामान 7 अगस्त तक शिप हो चुका है और 5 अक्टूबर तक अमेरिका पहुंचता है, तो उस पर नया टैरिफ लागू नहीं होगा।

टैरिफ़ प्रभावित क्षेत्र और अर्थव्यवस्था

50 प्रतिशत टैरिफ का असर भारत के प्रमुख निर्यात क्षेत्रों पर पड़ेगा।

टैक्सटाइल और ज्वैलरी: भारत अमेरिका को 11.88 अरब डॉलर का सोना, चांदी और हीरा निर्यात करता है। टैरिफ से ये सामान महंगे होंगे, जिससे निर्यात में 40-50 प्रतिशत की कमी आ सकती है।

फार्मा: 10.5 अरब डॉलर का फार्मा (दवाएं) निर्यात सुरक्षित है, लेकिन मांग घटने से मार्जिन प्रभावित हो सकता है।

ऑटो पार्ट्स और स्टील: 2.2 अरब डॉलर के निर्यात पर दबाव बढ़ेगा।

एमएसएमई और रोजगार: गुजरात, महाराष्ट्र और तमिलनाडु जैसे निर्यात हब में छोटे और मध्यम उद्यम सबसे ज्यादा प्रभावित होंगे।

अर्थव्यवस्था: विशेषज्ञों का अनुमान है कि इससे भारतीय अर्थव्यवस्था पर 0.4-0.8 प्रतिशत का नकारात्मक असर पड़ सकता है।

ट्रंप ने भारत पर सेकेंडरी सैंक्शन्स लगाने का संकेत दिया है। ये सैंक्शन्स उन देशों पर लगाए जाते हैं जो किसी प्रतिबंधित देश (जैसे रूस) के साथ व्यापार करते हैं। भारतीय बैंक या कंपनियां अमेरिकी वित्तीय प्रणाली से बाहर हो सकती हैं, जिससे भारत की वैश्विक व्यापार क्षमता प्रभावित होगी। ट्रंप का मानना है कि भारत रूस से सस्ता तेल खरीदकर मुनाफा कमा रहा है, जो केवल घरेलू जरूरतों तक सीमित नहीं है।

भारत के विकल्प: विशेषज्ञों का कहना है कि भारत को अब यूरोप, दक्षिण-पूर्व एशिया और अफ्रीका जैसे वैकल्पिक बाजार तलाशने होंगे। साथ ही, रुपये-रूबल पेमेंट सिस्टम को मजबूत कर अमेरिकी प्रतिबंधों का प्रभाव कम किया जा सकता है। लेकिन भारत की नीतियों में कुछ विरोधाभास दिखते हैं। एक ओर, भारत ने ब्रिक्स और शंघाई सहयोग संगठन (SCO) जैसे मंचों को कम महत्व दिया, दूसरी ओर, जी-7 और जी-20 जैसे विकसित देशों के मंचों पर ज्यादा ध्यान दिया गया।

SCO और भारत की बदलती नीति: SCO में भारत 2017 से पूर्ण सदस्य हैं, लेकिन पाकिस्तान और चीन की मौजूदगी के कारण भारत इसमें सहज नहीं रहा। हाल के वर्षों में मोदी की भागीदारी भी सीमित रही है-

2022 (समरकंद): मोदी ने व्यक्तिगत रूप से हिस्सा लिया।

2023 (नई दिल्ली): वर्चुअल सम्मेलन में हिस्सा लिया।

2024 (अस्ताना, इस्लामाबाद): मोदी ने हिस्सा नहीं लिया; विदेश मंत्री जयशंकर ने प्रतिनिधित्व किया।

2025 (तियानजिन, चीन): मोदी 31 अगस्त-1 सितंबर को SCO शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेंगे।

यह बदलाव दर्शाता है कि भारत अब भूराजनीतिक जरूरतों के चलते चीन की ओर झुक रहा है। हाल ही में, जब सीमा पर तनाव के बावजूद भारत का चीन से आयात 100 अरब डॉलर तक पहुंच गया, तब मोदी ने 'छोटी आंख वाले गणेश जी' जैसे तंज कसे थे। लेकिन अब वही चीन राहत की उम्मीद बन रहा है।

स्वदेशी भारत के स्वतंत्रता आंदोलन का मजबूत हथियार था। गांधीजी ने इसे अपनाकर ब्रिटिश कपड़ा मिलों को चुनौती दी थी। आजादी के बाद, नेहरू की मिश्रित अर्थव्यवस्था और 1991 के उदारीकरण ने भारत को वैश्विक बाजार से जोड़ा। लेकिन RSS ने स्वदेशी जागरण मंच (SJM) बनाकर विदेशी निवेश का विरोध किया। हालांकि, जब बीजेपी सत्ता में आई, तो विनिवेश मंत्रालय बनाकर सार्वजनिक उपक्रम बेचे गए। ट्रंप के टैरिफ के बाद स्वदेशी जागरण मंच फिर सक्रिय हुआ है, लेकिन सवाल यह है कि क्या यह केवल राजनीतिक हथियार है?

पंडित नेहरू की गुटनिरपेक्ष नीति ने भारत को शीत युद्ध में दोनों महाशक्तियों से अलग रखा। आज, जब वैश्विक ध्रुवीकरण बढ़ रहा है, गुटनिरपेक्षता फिर प्रासंगिक हो रही है। अमेरिका के दबाव का जवाब चीन के दबाव में जाना नहीं है। भारत को उत्पादन, रिसर्च और आत्मनिर्भरता पर जोर देना होगा। साथ ही, सांप्रदायिक राजनीति से बचकर एकजुटता बनानी होगी। भारत तभी वैश्विक मंच पर सिर उठाकर खड़ा हो सकता है, जब इसका हर नागरिक सशक्त हो।

ट्रंप के टैरिफ और सैंक्शन्स भारत के लिए चुनौती हैं, लेकिन अवसर भी। भारत को वैकल्पिक बाजार, क्षेत्रीय सहयोग और स्वदेशी नीतियों के जरिए इस दबाव का जवाब देना होगा। लेकिन इसके लिए नीतिगत स्पष्टता, आर्थिक सुधार और सामाजिक एकता जरूरी है। क्या भारत इस मौके को भुनाएगा, या फिर वैश्विक दबाव में झुकेगा? यह समय बताएगा।

(सत्य हिंदी में प्रकाशित लेख के संपादित अंश)

उपलब्धियों का परचम लहरा रहा है अपना देश

● पीएम मोदी का ट्रम्प को डेड इकोनॉमी कहने पर जवाब

कहा-भारत अब तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर

बेंगलुरु (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प को उनका नाम लिए बिना जवाब दिया। मोदी ने बेंगलुरु में कहा- भारत दुनिया की तेजी से बढ़ती इकोनॉमी है। हम 10 वें नंबर से टॉप 5 में आ गए हैं। जल्द ही टॉप 3 में आएंगे। ये ताकत रिफॉर्म, परफॉर्म और ट्रांसफॉर्म से मिली है। देश की उपलब्धियों का परचम आसमान में लहरा रहा है। दरअसल, अमेरिकी राष्ट्रपति ने 31 जुलाई को भारत पर 25 फीसदी टैरिफ लगाते हुए भारत और रूस को डेड इकोनॉमी बताया था। ट्रम्प ने कहा था- भारत और रूस अपनी अर्थव्यवस्था को साथ ले डूबें, मुझे क्या। इसके अलावा ऑपरेशन सिंदूर को लेकर पीएम मोदी ने कहा- भारतीय सैनिकों की आतंकियों और पाकिस्तान को घुटने में लाने की क्षमता को पूरी दुनिया ने देखा है। इसकी सफलता के पीछे हमारी टेक्नॉलॉजी और मेक इन इंडिया की ताकत है। इसमें बेंगलुरु के युवाओं का भी बहुत योगदान है। पीएम आज कर्नाटक के दौरे पर हैं। इस दौरान उन्होंने बेंगलुरु के केएसआर रेलवे स्टेशन पर 3 वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनों को हरी झंडी दिखाई। इनमें बेंगलुरु से बेलगावी, अमृतसर से श्री माता वैष्णो देवी कटरा और नागपुर (अजनी) से पुणे तक की ट्रेनें शामिल हैं। पीएम ने बेंगलुरु और राज्य के लिए कई विकास कार्यों का शुभारंभ और शिलान्यास भी किया। इन परियोजनाओं की कुल लागत 22 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा है। पीएम ने बेंगलुरु मेट्रो की यलो लाइन का भी उद्घाटन किया। जो आरवी रोड (रगिगुड्डा) से बोम्मसंद्रा तक जाएगी। यलो मेट्रो लाइन के आने लाखों लोगों को फायदा होगा।

यलो मेट्रो लाइन से मेट्रो नेटवर्क 96 किलोमीटर हो जाएगा

यलो मेट्रो लाइन की लंबाई 19.15 किलोमीटर है और इसमें 16 स्टेशन हैं। इस प्रोजेक्ट पर करीब 7,160 करोड़ रुपए खर्च हुए हैं। इन हाई-स्पीड ट्रेनों से यात्रियों को तेज, आरामदायक और आधुनिक सफर का अनुभव मिलेगा और यात्रा समय में बड़ी कमी

आएगी। यलो लाइन शुरू होने के बाद बेंगलुरु मेट्रो का कुल नेटवर्क 96 किलोमीटर से ज्यादा हो जाएगा, जिससे लाखों यात्रियों को फायदा मिलेगा। प्रधानमंत्री खुद इस मेट्रो में सफर भी करेंगे और आरवी रोड से इलेक्ट्रॉनिक सिटी तक की यात्रा करेंगे। पीएम मोदी बेंगलुरु मेट्रो फेज-3 का शिलान्यास भी करेंगे। इसकी लागत 15,610 करोड़ रुपए है। इसकी लंबाई 44 किलोमीटर से ज्यादा है। इसमें 31 स्टेशन है। यह प्रोजेक्ट शहर के रिहायशी, इंडस्ट्रियल, कारोबारी और शैक्षिक इलाकों को जोड़ेगा।

मध्यप्रदेश में हो रहा औद्योगिक विकास भारत को नई औद्योगिक ऊंचाइयों पर ले जाने में होगा सहायक : राजनाथ सिंह

रेल हब फॉर मैन्युफेक्चरिंग इकाई से बहेगी विकास और रोजगार की गंगोत्री : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल/रायसेन (नप्र)। केन्द्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा है कि भगवान श्रीमहाकाल के आशीर्वाद से मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश विकास के पथ पर आगे बढ़ रहा है। मध्यप्रदेश हो रहा औद्योगिक विकास भारत को नई औद्योगिक ऊंचाइयों पर ले जाने में सहायक होगा। सम्पूर्ण भारत मध्यप्रदेश को आशा और विश्वास से देख रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव तेजी से औद्योगिक विकास को गति दे रहे हैं, भविष्य में मध्यप्रदेश प्राकृतिक सौंदर्य के साथ औद्योगिक विकास के लिए भी पहचाना जाएगा। मध्यप्रदेश में रक्षा क्षेत्र के विकास के लिए पूर्ण क्षमता, संसाधन और सभी आवश्यक विशेषताएं विद्यमान हैं। यहां 1800 करोड़ रुपए के निवेश से आरंभ हो रहे रेल कोच निर्माण केंद्र से 5 हजार से अधिक लोगों को रोजगार मिलेगा और आसपास के क्षेत्र का भी विकास होगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने वर्तमान केंद्रीय मंत्री तथा पूर्व मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान की विरासत को आगे बढ़ाने का काम किया है। जहां नेतृत्व शानदार हो वहां विकास भी तेजी से होता है। मध्यप्रदेश, देश में मॉडर्न प्रदेश के रूप में जाना जाएगा।

हमने धर्म नहीं कर्म देखकर भारत की आत्मा पर प्रहार करने वालों को मारा

केन्द्रीय रक्षा मंत्री श्री सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में भारत आत्मनिर्भर बन कर ही दम लेगा। उन्होंने पहलगाम में आतंकवादियों द्वारा निर्दोष नागरिकों की हत्या के संबंध में कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी ने आतंकियों को मुंह तोड़ जवाब दिया। हमने धर्म नहीं कर्म देखकर भारत की आत्मा पर प्रहार करने वालों को मारा है। प्रधानमंत्री श्री मोदी का संकल्प है कि जो हमें छेड़ेगा हम उसे छोड़ेंगे नहीं। राजनाथ सिंह ने कहा कि कुछ लोग ऐसे हैं जो भारत के विकास से खुश नहीं हैं। उन्हें यह अच्छा नहीं लग रहा। सबके बॉस तो हम हैं। भारत इतनी तेजी से कैसे आगे बढ़ रहा है? वे कोशिश कर रहे हैं कि भारत में, भारतीयों के हाथों से बनी चीजें उन देशों में बनी चीजों से ज्यादा महंगी हो जाएं। केन्द्रीय रक्षा मंत्री श्री सिंह विकास की नई पहचान - स्वदेशी अभियान के अंतर्गत भोपाल जिले की सीमा पर रायसेन जिले के ग्राम उमरिया में 1800 करोड़ रुपए की लागत से स्थापित होने वाली अत्याधुनिक रेल कोच निर्माण इकाई का भूमि-पूजन कर संबोधित कर रहे थे।

परियोजना से पूरे प्रदेश के लिए औद्योगिक विकास के खुलेंगे नए द्वार : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि भारत अर्थ मूवर्स लिमिटेड की रोलिंग स्टॉक फैक्ट्री प्रदेश के विकास को नई दिशा और गति प्रदान करेगी। इससे विकास और रोजगार की गंगौत्री बहेगी। इस परियोजना से भोपाल, रायसेन, सीहोर और विदिशा ही नहीं, पूरे प्रदेश के लिए औद्योगिक विकास के नए द्वार खुलेंगे। कुल 148 एकड़ में बनने वाली बीईएमएल (भारत अर्थ मूवर्स लिमिटेड) की यह इकाई हाई-वे, रेल और हवाई मार्ग से सीधे जुड़ेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि रायसेन प्रदेश का एकमात्र ऐसा जिला है जहां एक ओर सांची की आध्यात्मिकता है, वहीं भीमबेटका हमें अपनी विरासत पर गर्व करने का आधार प्रदान करती है।

लोगों की अलग सूची प्रकाशित करने के लिए हम बाध्य नहीं

● बिहार एसआईआर पर सुप्रीम कोर्ट में चुनाव आयोग का हलफनामा

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट में बिहार के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) से संबंधित मामले में चुनाव आयोग ने अदालत को बताया है कि जो तय नियम है उसके तहत वह ड्राफ्ट मतदाता सूची में शामिल न किए गए व्यक्तियों की अलग सूची प्रकाशित करने के लिए बाध्य नहीं है। चुनाव आयोग ने आगे कहा कि नियम में यह अनिवार्य नहीं है कि ड्राफ्ट सूची में किसी व्यक्ति को शामिल न करने के कारण बताए जाएं। आयोग ने यह भी कहा कि उसने राजनीतिक दलों को बूथ-स्तर पर उन व्यक्तियों की सूची दी है जिनके नामांकन प्रपत्र किसी कारण से प्राप्त नहीं हुए, और उनसे उन व्यक्तियों तक पहुंचने में सहयोग मांगा। सुप्रीम कोर्ट ने इसको लेकर आयोग की ओर से जवाब दाखिल किया गया है और मामले की सुनवाई 12 अगस्त को होने वाली है। आयोग ने यह भी बताया कि प्रारूप सूची प्रकाशित होने के बाद, राजनीतिक दलों को ऐसे मतदाताओं के नामों की अपडेट सूची दी गई जो प्रारूप सूची में शामिल नहीं थे, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि उन व्यक्तियों तक पहुंचने का हर प्रयास हो और कोई भी पात्र मतदाता छूट न जाए।

चार खामियां दूर करके फिर लागू होगी पीएम इंटर्नशिप योजना

● न्यूनतम उम्र 18 साल होगी, स्टाइपेंड बढ़ेगा, इंटर्नशिप अवधि 6 महीने से बढ़कर एक साल

नई दिल्ली (एजेंसी)। पीएम इंटर्नशिप योजना के पहले दो राउंड के नतीजे निराशाजनक रहे। इसके बाद केंद्र सरकार ने शीर्ष संस्थाओं से अध्ययन कराया। इसमें कंपनी की लोकेशन, एज लिमिट जैसी चार खामियां सामने आईं। कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय ने इन खामियों को दूर करके योजना को लागू करने का रोड मैप बनाया है। नए प्लान को पीएम कार्यालय को सौंप जाएगा और 2026-27 में 10 हजार करोड़ रुपए से

अधिक बजट के साथ स्कीम लागू होगी। फिलहाल इसका बजट 380 करोड़ रुपए है। वहीं इंटर्न की न्यूनतम उम्र सीमा 21 से घटाकर 18 साल होगी। स्टाइपेंड भी बढ़ेगा। इंटर्नशिप अवधि 6 माह से एक साल हो सकती है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने 2024-25 बजट भाषण में योजना की घोषणा की थी।

घर पर बच्चों को तंग तो नहीं किया जा रहा

● रखी जा रही नजर, केरल के स्कूलों में अनोखी पहल, 'सुरक्षा मित्रम' की शुरुआत

अलप्पुझा (एजेंसी)। केरल के स्कूलों में एक अनोखी पहल की जा रही है। इसके तहत इस बात पर नजर रखी जाएगी कि स्कूल में पढ़ने वाले बच्चों को उनके घर पर परेशान तो नहीं किया जा रहा। इसके लिए 'सुरक्षा मित्रम' योजना की घोषणा की गई है। केरल के सामान्य शिक्षा मंत्री वी शिवनकुट्टी ने इसकी जानकारी दी। यहां के तटीय जिले में चौथी कक्षा की एक लड़की के साथ उसके पिता और सौतेली मां द्वारा कथित दुर्व्यवहार की घटना के बाद यह कदम उठाया गया है। लड़की से मिलने और उससे बातचीत करने के बाद, शिवनकुट्टी ने

एक संवाददाता सम्मेलन में इस बात पर जोर दिया कि बच्चों के खिलाफ हिंसा किसी भी परिस्थिति में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि सरकार इस मुद्दे को बहुत गंभीरता से ले रही है और बच्चे के लिए सभी आवश्यक सुरक्षा और सहायता सुनिश्चित करेगी। सामान्य शिक्षा विभाग द्वारा तैयार की गई विशेष कार्य योजना का जोर दुर्व्यवहार से पीड़ित बच्चों की पहचान करने और उन्हें उचित सुरक्षा प्रदान करने पर है। इस पहल के तहत, केरल के सभी विद्यालयों में एक 'सहायता पेटी' लगायी जाएगी जहां छात्र अपनी समस्याएं बता सकेंगे।

भोपाल का तापमान
अधिकतम 35°c न्यूनतम 30°c

सुबह सवेरे

इंदौर ■ सोमवार, 11 अगस्त 2025

जो अग्नि हमें गर्मी देती है, हमें नष्ट भी कर सकती है; यह अग्नि का दोष नहीं है।
चाणक्य नीति

न हमें, न दुश्मन को पता था अगला कदम क्या होगा

● आर्मी चीफ द्विवेदी ने कहा-हम सिर्फ शतरंज खेल रहे थे ● कहा-ऑपरेशन सिंदूर पर सरकार ने हमें दिया था फ्रीहैंड

चेन्नई (एजेंसी)। भारत के थल सेनाध्यक्ष जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने कहा, ऑपरेशन सिंदूर के दौरान सरकार ने हमें फ्री हैंड दिया था। ऑपरेशन में हम चेस खेल रहे थे। हमें नहीं पता था दुश्मन की अगली चाल क्या होगी और हम क्या करने वाले हैं। उन्होंने कहा- हम शतरंज की चालें चल रहे थे और वह (दुश्मन) भी शतरंज खेल रहा था। कहीं हम उन्हें शह और मात दे रहे थे तो कहीं हम अपनी जान गंवाने के जोखिम पर भी हार मान रहे थे, लेकिन यही तो जिंदगी है। जनरल द्विवेदी ने कहा कि इसे ग्रे जोन कहा जाता है। इसका मतलब है कि हम पारंपरिक ऑपरेशन नहीं कर रहे हैं। 4 अगस्त को आईआईटी मद्रास में 'अग्निशोध'- इंडियन आर्मी रिसर्च सेल के उद्घाटन के दौरान उन्होंने यह बात कही थी। उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर-आतंकवाद के खिलाफ भारत की लड़ाई में एक नया अध्याय पर भी संबोधित किया। उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर को सुनियोजित, खुफिया-आधारित ऑपरेशन बताया, जो एक सैद्धांतिक बदलाव को दर्शाता है। जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने कहा- 25 अप्रैल को हमने उत्तरी कमान का दौरा किया। यहां ऑपरेशन की प्लानिंग की, जिसमें हमने 9 में से 7 आतंकी ठिकानों को नष्ट किया, इसमें कई आतंकी भी मारे गए। उन्होंने कहा कि

29 अप्रैल को पीएम मोदी से मुलाकात की। यह महत्वपूर्ण है कि कैसे एक छोटा सा नाम 'ऑपरेशन सिंदूर' पूरे देश को जोड़ता है। यह एक ऐसी बात है जिसने पूरे देश को प्रेरित किया। यही कारण है कि पूरा देश कह रहा था कि आपने इसे क्यों रोक दिया। यह सवाल पूछा जा रहा था और इसका भरपूर जवाब दिया गया है। 'अग्निशोध'- इंडियन आर्मी रिसर्च सेल डिफेंस टेक्नोलॉजी में बड़ा कदम है। इसका मोटिव सैन्य कर्मियों को एडिटिव मैन्युफैक्चरिंग, साइबर सिक्योरिटी, क्वांटम कंप्यूटिंग, वायरलेस कम्युनिकेशन और अनमैन्ड सिस्टम जैसे एरिया में कुशल बनाना है। जिससे टेक्नॉलॉजी की योग्यता रखने वाली फोर्स बनाई जा सके। शनिवार को ही बेंगलुरु में कार्यक्रम के दौरान एयर फोर्स चीफ एपी सिंह ने कहा था- ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान के 5 लड़ाकू विमान गिराए गए थे। इसके अलावा एक सर्विलांस एयरक्राफ्ट को लगभग 300 किलोमीटर की दूरी से भी मार गिराया। यह सतह से हवा में टारगेट हिटिंग का अभी तक का रिकॉर्ड है। उन्होंने कहा था कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान हमारे एयर डिफेंस सिस्टम ने शानदार काम किया, पाकिस्तान हमारा एयर डिफेंस सिस्टम नहीं भेद पाया। हाल ही में खरीदे गए एस-400 सिस्टम गेम-चेंजर रहे हैं।

अब बिहार डिप्टी सीएम के भी दो वोटर-कार्ड सामने आए

● तेजस्वी बोले-या तो चुनाव आयोग ने किया फर्जीवाड़ा या विजय सिन्हा फर्जी हैं

पटना (एजेंसी)। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव के बाद अब डिप्टी सीएम विजय सिन्हा के भी दो ईपिक नंबर मिले हैं। मतदाता सूची में विजय सिन्हा का लखीसराय और पटना के बांकीपुर विधानसभा के नाम से ईपिक नंबर दर्ज है। हालांकि, डिप्टी सीएम ने 2020 के एफिडेविट में अपनी उम्र-54 और एड्रेस-एजीबिशन रोड, स्थित पुष्प बिहार अपार्टमेंट के बगल में मां भवानी शारदालय, पटना बताया था। ये एड्रेस दोनों ही वोटर आईडी कार्ड पर नहीं है। इसे लेकर नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने रविवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस की। तेजस्वी ने कहा- विजय कुमार सिन्हा का दो ईपिक नंबर है। वो भी दो विधानसभा क्षेत्रों में, जिनमें उम्र भी अलग अलग है। तेजस्वी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस ने दौरान ऑफिशियल वेबसाइट पर दोनों ईपिक को ऑनलाइन चेक कर दिखाया। प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान बिजली चली गई। इस पर तेजस्वी ने कहा, ये वही मुख्यमंत्री जी का बिजली फ्री है क्या। तेजस्वी यादव ने कहा, जो हम लोग एसआईआर को लेकर आरोप यही न लगा रहे हैं। या तो विजय सिन्हा ने दो जगह जाकर साइन किया होगा। या तो चुनाव आयोग ने फर्जीवाड़ा किया है या तो बिहार का डिप्टी सीएम फर्जी हैं। उन्होंने आगे कहा, चुनाव आयोग यह ठीक नहीं कर रहा है।

निवेश मित्र नीतियों से हुई मप्र के निर्यात में 6 प्रतिशत की बढ़ोतरी

अब तक का सबसे ज्यादा 66,218 करोड़ रुपए का हुआ निर्यात

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश ने वित्तीय वर्ष 2024-25 में निर्यात में अपनी रैंकिंग में सुधार करते हुए अब तक का सबसे ज्यादा 66,218 करोड़ रुपए का निर्यात किया है। निर्यात में 6 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है जो फार्मास्यूटिकल, इंजीनियरिंग गुड्स और सोया उत्पादों में निर्यात बढ़ने के फलस्वरूप हुई है। फेडरेशन ऑफ इंडियन एक्सपोर्ट ऑर्गेनाइजेशन की ताजा रिपोर्ट के अनुसार मर्केडाइज एक्सपोर्ट में 66,218 करोड़ रुपए का योगदान है जबकि स्पेशल इकोनामिक जोन में सूचना प्रौद्योगिकी कंपनियों ने राज्य के एक्सपोर्ट पोर्टफोलियो में 4038 करोड़ रुपए का योगदान दिया है। इन क्षेत्रों में आर्थिक विकास बढ़ने के कारण राष्ट्रीय स्तर पर निर्यात में मध्यप्रदेश की रैंकिंग 15 से 11 हो गई है।

रिपोर्ट के अनुसार फार्मास्यूटिकल, इंजीनियरिंग गुड्स और सोया आधारित कृषि उत्पाद मिलाकर मध्यप्रदेश ने विश्व बाजार के प्रतिमानों के अनुसार निर्यात रैंकिंग में बढ़ोतरी की है। निवेश मित्र औद्योगिक विकास की नीतियों, औद्योगीकरण का बढ़ता आधार मध्यप्रदेश का निर्यात बढ़ने के प्रमुख कारण है। इसके अलावा निर्यात को प्रोत्साहित करने वाली अधोसंरचना में बढ़ोतरी होना और अंतर्राष्ट्रीय बाजारों का मध्यप्रदेश की ओर आकर्षित होने को भी प्रमुख है।

पिछले साल तक फार्मास्यूटिकल, एनिमल फीड, मशीनरी, एल्यूमिनियम और टेक्सटाइल पांच ऐसे निर्यात सेक्टर थे जो प्रथम पांच निर्यातकों में शामिल थे। मुख्य रूप से बांग्लादेश, फ्रांस, यूएई और नीदरलैंड में मध्यप्रदेश का निर्यात का बड़ा मार्केट मिला है। फार्मास्यूटिकल और मशीनरी के निर्यात में मध्यप्रदेश के लिए सबसे बड़ा मार्केट यूएस है।

मध्यप्रदेश से वर्ष 2024-25 में 11,968 करोड़ रुपए के फार्मास्यूटिकल्स, 6062 रुपए के एनिमल फीड, 4795 करोड़ रुपए के एल्युमिनियम, 4656 रुपए का निर्यात और 5497 रुपए की मशीनरी का निर्यात हुआ। पिछले छह वर्षों से मध्यप्रदेश का निर्यात लगातार बढ़ रहा है। वर्ष 2019-20 में 37,692 करोड़ रुपए, 2020-21 में 47,959 करोड़ रुपए, 2021-22 में 58,407 करोड़ रुपए, 2022-23 में 65,878 करोड़ रुपए, 2023-24 में 65,255 करोड़ रुपए और 2024-25 में 66,218 करोड़ रुपए का निर्यात मध्यप्रदेश से हुआ। इसमें स्पेशल इकोनामिक जोन से हुए निर्यात के आंकड़े भी शामिल है।

धार जिला निर्यात में प्रथम है। यहां से 17,830 करोड़ रुपए का निर्यात हुआ जबकि इंदौर से 13,500 करोड़ रुपए का निर्यात हुआ। यहां से फार्मास्यूटिकल, ऑटोमेटिक और फूड प्रोसेसिंग सेक्टर से निर्यात हुआ। उज्जैन ने भी अपना पिछला रिकॉर्ड तोड़ते हुए 2,288 करोड़ रुपए का निर्यात किया, जिसमें इंडस्ट्रियल, कृषि आधारित उत्पाद और खाद्य प्रसंस्करण उत्पाद शामिल हैं।

अब काशी में दुकानों-मकानों और मजार पर चला बुलडोजर

● तीन थानों की पुलिस, आरएएफ समेत 500 जवान रहे तैनात, घर गिरता देख महिला बेहोश

वाराणसी (एजेंसी)। वाराणसी में पुलिस लाइन से कचहरी रोड पर अतिक्रमण हटाया गया। 3 थानों की पुलिस और रैफ की टीम तैनात रही। दंगा नियंत्रण वाहन को भी बुलाया गया। इस दौरान करीब 500 जवान तैनात रहे। अतिक्रमण अभियान करीब साढ़े 3 घंटे तक चला। रविवार सुबह साढ़े 11 बजे से

अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई शुरू हुई। सबसे पहले जेसीबी से कचनार शहीद मजार की दीवार तोड़ी गई। इसके बाद दुकानों को तोड़ा गई। इस दौरान कई दुकानों में सामान भी था। दायम खान मस्जिद की आड़ में अतिक्रमण करके 6 से अधिक दुकानें बनाई गई थीं। उनको भी जेसीबी से ढहा दिया गया। वहीं, पक्की बाजार में मकान टूटता देख महिला के आंसू छलक उठे। महिला बेहोश होकर वहां गिरने लगी। तभी पुलिसकर्मियों ने पकड़ लिया।

अमेरिका से तनाव के बीच मिडिल ईस्ट से आई 'गुड न्यूज'

● भारत और ओमान के बीच बहुत जल्द हो सकती है ट्रेड डील

नई दिल्ली (एजेंसी)। जहां एक तरफ भारत और अमेरिका की ट्रेड डील पर सस्पेंस बना हुआ है, तो वहीं मिडिल ईस्ट से भारत के लिए एक अच्छी खबर सामने आई है। भारत और ओमान के बीच जल्द ही ट्रेड डील साइन हो सकती है। दोनों देशों के बीच इसे लेकर बातचीत पूरी हो चुकी है। भारत के वाणिज्य और उद्योग राज्य मंत्री जितिन प्रसाद ने राज्यसभा में बताया कि

भारत-ओमान के बीच ट्रेड डील पर बातचीत 2023 में शुरू हुई थी, जो अब पूरी हो चुकी है। दरअसल कांग्रेस नेता हेबी माथेर हिशाम ने भारत की ट्रेड डील पर संसद में सवाल पूछा था, जिसके जवाब में केंद्रीय मंत्री जितिन ने बताया कि भारत और ओमान के बीच ट्रेड डील जल्द ही साइन हो सकती है। भारत और ओमान की दोस्ती काफी पुरानी है। दोनों देश एक-दूसरे के रणनीतिक साझेदार हैं। हमारे बीच 1955 से कूटनीतिक रिश्ते हैं। हालांकि, केंद्रीय मंत्री ने अपने जवाब में ट्रेड डील साइन करने की तारीख का जिक्र नहीं किया।

कपिल शर्मा के कैफे पर फायरिंग को लेकर कनाडा सरकार सख्त

● लॉरेंस गैंग को आतंकी संगठन घोषित करने की मांग

जालंधर (एजेंसी)। कॉमेडियन कपिल शर्मा के कनाडा के सरे में स्थित रेस्टोरेंट पर हुई फायरिंग के बाद भारतीय मूल के कुख्यात लॉरेंस गैंग को कनाडा में आतंकी संगठन घोषित करने की मांग जोर पकड़ गई है। कनाडा के नेताओं ने गैंग पर कार्रवाई की मांग उठाई है। कनाडा की अपराध नियंत्रण मंत्री रूबी सहोता ने इस

पर कहा है कि सरकार इस पर गंभीरता से विचार कर रही है कनाडा में हाल के महीनों में हुई कई हत्याओं और फिरौती मांगने को लेकर भारत के गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई गैंग का नाम आया है। वारदातों के बाद सोशल मीडिया पर खुलेआम जिम्मेदारी लेने वाले इस गैंग का आतंक कनाडाई नेताओं को भी चिंतित कर रहा है। मांग उठ रही है कि इसे आतंकवादी संगठन घोषित किया जाए। भारत के सबसे बड़े कॉमेडियन कपिल शर्मा के कनाडा के सरे में स्थित रेस्टोरेंट पर हुई फायरिंग के बाद ये मांग तेज हो गई है। ब्रिटिश कोलंबिया के प्रीमियर डेविड एबी ने यह मांग की है।

सत्ता वाले कुछ राज्यों ने बढ़ाई भाजपा की चिंता

● बिहार चुनाव के बाद लिए जाएंगे कई बड़े फैसले

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी में संगठन चुनावों में हो रही देरी का असर राज्यों पर पड़ने लगा है। खासकर पार्टी की सत्ता वाले राज्यों से आ रही अंदरूनी रिपोर्ट अच्छी नहीं है। पार्टी को अपनी सत्ता वाले राज्यों से विभिन्न स्तरों पर जो आकलन मिल रहा है, वहां पर सरकारों व संगठन के बीच तो दिक्कत है ही, जनता पर भी पकड़ कमजोर पड़ रही है। राज्यों के कई नेता भी केंद्रीय नेताओं से अलग-अलग मुलाकातों में अपना फीडबैक दे रहे हैं। भाजपा के अधिकांश राज्यों के संगठन चुनाव पूरे होने के बाद भी राष्ट्रीय स्तर पर चुनाव नहीं हो सके हैं। इसका असर राज्यों पर भी पड़ने लगा है, वहां संगठन स्तर पर शिथिलता आने लगी है। जिन राज्यों में सरकारें हैं वहां पर भी समन्वय की समस्याएं उभरने लगी है। सूत्रों के अनुसार, पार्टी विभिन्न स्तरों पर राज्यों से रिपोर्ट हासिल करती है। संगठन स्तर पर पार्टी अध्यक्ष हर महीने महासचिवों के साथ बैठक में इस पर विचार करते हैं। इसके अलावा, राज्य के विभिन्न नेताओं से मिलने वाली जानकारी और कुछ एजेंसियों से मिलने वाला फीडबैक भी अहम होता है। सूत्रों के अनुसार, पार्टी की सत्ता वाले राज्यों में से कुछ में सब कुछ ठीक नहीं चल रहा है।

बाल मुनि ने 12 मिनट 7 सेकंड में दोहराए 100 सवाल

इन्हीं सवालों को पूछने में श्रद्धालुओं को लगे 2 घंटे 7 मिनट, गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में नाम दर्ज

इंदौर (नप्र)। इंदौर में रविवार को 13 वर्षीय मुनिराज विजयचंद्र सागर ने श्रद्धालुओं के सवालों के जवाब दिए। उनसे करीब 100 सवाल पूछे गए। उन्होंने सभी सवालों को याद रखा और 100 सवाल पूरे होने के बाद उनका एक-एक कर क्रम के अनुसार जवाब दिया। उन्होंने उल्टे क्रम के साथ ही रेंडम क्रम भी उन्हीं सवालों को दोहराया जो लोगों ने उनसे पूछे थे।

यहां पर गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड के सदस्य भी मौजूद रहे। जिन्होंने पूरे आयोजन को देखा और आयोजन की समाप्ति पर बाल मुनि को गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड दिया गया। इसके साथ ही बाल मुनि को बाल शतावधानी उपाधी से विभूषित किया गया।

श्रद्धालुओं ने उनसे पूछा कि भगवान मल्लिनाथ का जन्म कहां हुआ। शंखेश्वर तीर्थ कहां पर स्थित है? पंच पारावर्तन क्या है? जैसे कई सवाल पूछे। इन सवालों के साथ नदियों, पर्वतों, राज्यों, राजधानियों सहित गणित के सवाल भी इसमें शामिल थे। इन सभी सवालों को सुन कर उन्होंने याद रखा और 100 सवाल पूरे होने के बाद इन्हीं सवालों को दोहराया।

बता दें कि बाल मुनि से 100 सवाल पूछने में करीब 2 घंटे 7 मिनट का समय लगा। जबकि उन्हें दोहराने और जवाब देने में 12 मिनट 7 सेकंड का समय लगा। यह आयोजन रेसकोर्स रोड स्थित अभय प्रशाल स्टेडियम में सुबह 9 बजे से शुरू हुआ था। जिसमें बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। थे।

लोगों को दिए नोटबुक और पेन- आयोजन की शुरुआत दीप प्रज्वलन के

साथ हुई। यहां आने वाले सभी लोगों को एक नोटबुक एवं पेन सहित एक किट दी, ताकि वे बाल मुनि से पूछे जाने वाले सवालों को क्रमवार नोट कर लें और जब वे उत्तर दें तो सही या गलत जवाब का मिलान कर सकें।

जब बाल मुनि ने सवालों के जवाब दिए तो वहां मौजूद लोगों ने अपनी नोटबुक में चेक भी किया। हर एक सवाल सही निकलने पर वहां मौजूद दर्शक चौक गए और तालियों और जयकारों से पूरा हॉल गूंज उठा। इधर, आयोजन के दौरान एक महिला की तबीयत बिगड़ गई, जिन्हें तुरंत उपचार दिया गया।

10 साल की उम्र में ली दीक्षा- बाल मुनि विजयचंद्र सागर का जन्म कोटा (राजस्थान) में हुआ है और उनके परिवारजनों का कहना है कि उन्होंने जब से बोलना सीखा, तब से पहला शब्द दीक्षा बोला और मात्र 8 वर्ष की आयु में उन्होंने अपने गुरु का हाथ पकड़ लिया। उनकी शिक्षा कर्नाटक के मैसूर में हुई और दस वर्ष की उम्र में उन्होंने दीक्षा ग्रहण की। इतनी कम उम्र से ही उनकी दिलचस्पी जिनशासन के प्रति लगातार बढ़ती रही। तिलकेश्वर पार्श्वनाथ तीर्थ धार्मिक पारमार्थिक सार्वजनिक न्यास एवं सरस्वती साधना

रिसर्च फाउंडेशन अहमदाबाद के संयुक्त तत्वाधान में प.पू. जैनाचार्य नयचंद्र सागर सूरीश्वर म.सा. की पावन निश्रा में 29 शिष्य इन दिनों चातुर्मास के लिए तिलक नगर उपाश्रय इंदौर में विराजमान हैं। इनमें से 12 शिष्य ऐसे हैं, जो नियमित रूप से गणिवर्य डॉ. अजीतचंद्र सागर म.सा. की प्रेरणा से शतावधान एवं सहस्त्रावधान का प्रशिक्षण लेकर अब इतने सक्षम और कुशाग्र बन गए हैं कि इनमें से अधिकांश शिष्य 100 से लेकर एक हजार बातों या सवालों को अपने स्मृति पटल में अंकित कर उन्हें उसी समय, तमाम व्यवधानों के बावजूद दोहरा सकते हैं।

बोडोलैंड में सहयोगियों के बीच दुविधा में बीजेपी

● विधानसभा से पहले आखिरी चुनाव का है सवाल

गुवाहाटी (एजेंसी)। असम के बोडोलैंड छठी अनुसूची क्षेत्र में भारतीय जनता पार्टी ऊहापोह की स्थिति में नजर आ रही है। इस दुविधा की वजह सितंबर में होने वाला संभावित परिषद चुनाव है। इन चुनावों के लिए पार्टी पहले ही घोषणा कर चुकी है कि वह आगामी चुनाव अकेले दम लड़ेगी। भाजपा के साथ दिक्कत यह है कि वह वर्तमान में क्षेत्रीय पार्टी यूनाइटेड पीपुल्स पार्टी

लिबरल के साथ परिषद में गठबंधन में है और इस समय पर परिषद में यूपीपीएल ही बढ़त में है। इसके अलावा परिषद में विपक्ष में बैठी बोडोलैंड पीपुल्स फ्रंट असम विधानसभा में एनडीए सरकार की सहयोगी है। अब सत्ता का समीकरण इस कदर बदला है कि भाजपा के अकेले चुनाव लड़ने की घोषणा करने के बाद यूपीपीएल और बीडीएफ आपस में गठबंधन करने के लिए बातचीत कर रही है। गौरतलब है कि असम में अगले साल विधानसभा चुनाव होने हैं। उन चुनावों से पहले बोडोलैंड प्रादेशिक क्षेत्र की 40 सीटों पर होने वाला यह चुनाव आखिरी है।

वृंदावन में मचेगी धूम: शुरू हो गई जन्माष्टमी की तैयारी

● कृष्णा जन्माष्टमी तक लगभग 60 लाख भक्त पहुंचेंगे वृंदावन ● शहर के 750 से ज्यादा होटल-धर्मशाला एडवांस में हुए बुक ● 450 करोड़ की सिर्फ कान्हा की पोशाक बिकेंगी, काम है जारी

मथुरा (एजेंसी)। 16 अगस्त को कृष्ण जन्माष्टमी है। अगले 6 दिनों में करीब 60 लाख भक्त वृंदावन और मथुरा पहुंचेंगे। शहर के 750 से ज्यादा होटल-धर्मशाला एडवांस में बुक हैं। जन्माष्टमी से पहले वृंदावन में तैयार श्रीकृष्ण की पोशाकों की अचानक डिमांड हाई हो गई है। जन्माष्टमी पर 450 करोड़

रुपए की पोशाकों के कारोबार का अनुमान है। ये पोशाक दो तरह से बिक रही हैं- पहला- जो भक्त वृंदावन-मथुरा पहुंच रहे हैं, वो यहां की दुकानों पर मौजूद पोशाक को खरीद रहे हैं। दूसरा- पूरे भारत ही नहीं, कनाडा, रूस, स्पेन, इटली, फ्रांस, बेल्जियम, जापान और चीन से भी ऑनलाइन ऑर्डर आ रहे हैं। कोरियर से श्रीकृष्ण की पोशाक भेजी जा रही हैं। मथुरा-वृंदावन में 200 से ज्यादा कारखाने ऐसे हैं, जिनमें लड्डू गोपाल की पोशाक तैयार की जाती है। पोशाक भी एक से बढ़कर एक। इनकी कई वैराइटी हैं, जोकि मौसम के हिसाब से तय होती हैं। अलग-अलग पोशाक बनाने वाले कारखानों के मालिकों से बात करके समझा आया कि जरी जरदोजी वाली पोशाक सबसे ज्यादा लोग खरीद रहे हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि लोग अब अपने लड्डू गोपाल को सजा संवारा हुआ देखना चाहते हैं। कारीगर खालिद कहते हैं- 16 अगस्त को घर-घर में श्रीकृष्ण जन्म लेंगे। हर कोई यही चाहता है कि उनके कान्हा जी अच्छे दिखें। अब लोग फैशन के हिसाब से पोशाक तय करते हैं।

विश्वगुरु बनना है तो इम्पोर्ट कम, एक्सपोर्ट बढ़ाना होगा

● गडकरी बोले-दुनिया झुकती है, बस झुकाने वाला चाहिए

गडकरी बोले-हम कई समस्याओं का सामना कर रहे हैं

नागपुर (एजेंसी)। केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने कहा है कि देश में अभी जिन विषयों पर चर्चा हो रही, मैं उनका नाम नहीं लेना चाहता। विश्व में हम अनेक तरह की समस्याओं का सामना कर रहे हैं, लेकिन मुझे लगता है कि दुनिया झुकती है, बस झुकाने वाला चाहिए। गडकरी शनिवार को नागपुर में स्थित विश्वेश्वरैया नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी के कार्यक्रम में शामिल हुए थे। गडकरी ने ये भी कहा- सबसे बड़ी राष्ट्रभक्ति यह हो सकती है कि हम इम्पोर्ट को कम करें और एक्सपोर्ट को बढ़ाएं। विश्वगुरु बनने के लिए यह जरूरी है। उन्होंने बताया कि दुनिया की सभी समस्याओं का उपाय साइंस, टेक्नोलॉजी और नॉलेज है। अगर हम

नॉलेज और पावर का इस्तेमाल करेंगे तो दुनिया के सामने झुकना नहीं पड़ेगा। केंद्रीय मंत्री गडकरी ने ये बातें अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के भारत पर 25 फीसदी एक्स्ट्रा टैरिफ लगाने के ऐलान के 3 दिन बाद कहीं हैं।

5 लाख वाहनों में नहीं लगी हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट

ऐसे वाहन मालिक नहीं करा पाएंगे पीयूसी, फिटनेस और अन्य जरूरी काम

भोपाल (नप्र)। भोपाल में पिछले 15 साल में करीब 19 लाख गाड़ियां पंजीकृत हुई हैं। इनमें से करीब 5 लाख वाहनों में अब तक हाई सिक्योरिटी रजिस्ट्रेशन प्लेट (एचएसआरपी) नहीं लगी है। परिवहन विभाग ने स्पष्ट कर दिया है कि बिना एचएसआरपी नंबर प्लेट वाले वाहन मालिक अब कोई भी परिवहन संबंधी महत्वपूर्ण कार्य नहीं करा पाएंगे। सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के बाद विभाग ने इस अभियान को प्राथमिकता में रखते हुए 3 महीने में पूरा करने का लक्ष्य तय किया है।

जानकारी के अनुसार, 2019 के बाद भोपाल में लगभग 5 लाख नई गाड़ियां रजिस्टर्ड हुई हैं। इनमें से अधिकांश वाहनों में एचएसआरपी लग चुकी है, लेकिन अब भी करीब 22 हजार गाड़ियों में यह नंबर प्लेट लगना बाकी है। इन गाड़ियों के मालिकों को जल्द ही नोटिस या संदेश भेजकर सूचित किया जाएगा।

एचएसआरपी क्यों जरूरी है- परिवहन विभाग का कहना है कि एचएसआरपी नंबर प्लेट हाई-क्वालिटी, टेम्पर-प्रूफ होती है और इसमें एक यूनिक लेजर-कोड होता है, जिससे चोरी या फर्जी नंबर प्लेट लगाने जैसी घटनाओं पर रोक लगती है। साथ ही यह सड़क पर लगे कैमरों से वाहन की सही पहचान में मदद करती है, जिससे ट्रैफिक नियमों का पालन और अपराध नियंत्रण आसान हो जाता है।

हर जिले में गठित होंगे विशेष दल- भोपाल में जिला परिवहन अधिकारी की निगरानी में विशेष टीम गठित की जाएगी, जो अधिकृत डीलरों के माध्यम से एनआईसी वाहन पोर्टल पर डेटा अपडेट कराएगी। गाड़ियों के मालिकों को कॉल, एसएमएस और सोशल मीडिया के जरिए अभियान की जानकारी दी जाएगी।

वाहन मालिकों के लिए जरूरी संदेश- भोपाल आरटीओ जितेंद्र शर्मा ने बताया आपका वाहन भोपाल में रजिस्टर्ड है और उसमें अब तक एचएसआरपी नहीं लगी है, तो देरी न करें। अधिकृत डीलर या परिवहन कार्यालय में जाकर तुरंत नंबर प्लेट लगवाएं। वर्ना आने वाले समय में पीयूसी, फिटनेस सर्टिफिकेट, आरसी बदलाव, परमिट नवीनीकरण और अन्य सेवाएं ठप हो जाएंगी। यह प्रक्रिया आसान है और ऑनलाइन बुकिंग के बाद तय समय पर नंबर प्लेट लगाई जा सकती है।

दिसंबर से भोपाल-लखनऊ और भोपाल-पटना रूट पर दौड़ेगी वंदे भारत

स्लीपर और चेयरकार के साथ चलेंगी ये ट्रेनें; रेल मंडल कर रहा तैयारी

भोपाल (नप्र)। भोपाल से लखनऊ और पटना के लिए वंदे भारत ट्रेनों का इंतजार कर रहे यात्रियों के लिए राहत भरी खबर है। रेलवे की योजना के अनुसार, दिसंबर 2025 तक इन दोनों रूटों पर वंदे भारत ट्रेनें शुरू की जा सकती हैं। भोपाल रेल मंडल के वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक (सीनियर डीसीएम) सौरभ कटारिया ने बताया कि इन दोनों ट्रेनों की तैयारी लगभग पूरी हो चुकी है, सिर्फ अंतिम स्वीकृति का इंतजार है। जैसे ही निर्देश मिलेंगे, संचालन प्रारंभ कर दिया जाएगा।

चेयरकार और एग्जीक्यूटिव क्लास का विकल्प- भोपाल से लखनऊ के लिए प्रस्तावित वंदे भारत ट्रेन में यात्रियों को चेयरकार और एग्जीक्यूटिव क्लास दोनों का विकल्प मिलेगा। यह ट्रेन आठ कोचों की होगी और पूरी तरह से डे-रन सेवा पर आधारित रहेगी। यह हाईस्पीड ट्रेन राजधानी भोपाल से उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ तक का सफर करीब 8 से 9 घंटे में पूरा करेगी।

भोपाल-पटना वंदे भारत-फर्स्ट, सेकेंड, थर्ड एसी में बर्थ मिलेगी- स्लीपर कोच में सफर का नया अनुभव भोपाल से पटना के बीच चलने वाली वंदे भारत ट्रेन एक नई सुविधा लेकर आएगी। यह भारत की उन शुरुआती वंदे भारत ट्रेनों में से होगी। जिनमें स्लीपर कोच की सुविधा उपलब्ध रहेगी। ट्रेन में फर्स्ट एसी, सेकेंड एसी और थर्ड एसी, तीनों श्रेणियों की बर्थ रहेंगी। कुल 20 कोच की इस ट्रेन में लंबी दूरी की यात्रा करने वाले यात्रियों को बेहतर सुविधा और तेज रफ्तार का अनुभव मिलेगा।

लंबे समय से चल रही थी तैयारी- रेलवे अधिकारियों के अनुसार, इन दोनों रूटों पर वंदे भारत चलाने की योजना लंबे समय से विचाराधीन थी। रीजनल लेवल पर प्रस्ताव पास हो चुके हैं और अब केवल रेलवे बोर्ड की स्वीकृति शेष है। ट्रेन के संचालन की संभावित तारीखें दिसंबर 2025 के अंत तक रखी गई हैं। बता दें कि पटना के लिए हर दिन कोई डायरेक्ट ट्रेन नहीं है। अहमदाबाद-पनवेल, वापी-दानापुर स्पेशल, अगरतला साप्ताहिक फेस्टिवल स्पेशल, आरकेएमपी-सहरसा साप्ताहिक स्पेशल, इंदौर-पनवेल जैसी 10 ट्रेनें चलती हैं। इनमें भी सालभर वेटिंग रहती है।

यात्रियों को मिलेगा बड़ा लाभ- भोपाल से लखनऊ और पटना के लिए तेज और आरामदायक सफर की सुविधा शुरू होने से यात्रियों को अन्य शहरों में कनेक्टिविटी के लिए अब लंबा इंतजार नहीं करना पड़ेगा। साथ ही वंदे भारत की हाईस्पीड तकनीक, मॉडर्न सुविधाएं और समय की बचत से यात्रियों को विशेष लाभ मिलेगा।

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष पटवारी बोले- एमपी में चुनाव चोरी का खुलासा करेंगे

एक्स पर लिखा- साजिशों को बेनकाब करना जरूरी

भोपाल (नप्र)। मध्य प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने कहा है कि चुनाव आयोग की निष्पक्षता अब संदेह के घेरे में है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने वोट चोरी के तथ्यों के साथ आयोग की कार्यशैली पर सवाल खड़े किए हैं। पटवारी ने बताया कि 13 अगस्त को मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी 2023 के विधानसभा चुनाव में हुई कथित 'चुनाव चोरी' का खुलासा करेगी।

पटवारी ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर लिखा- देशवासियों, कांग्रेस परिवार के साथियों, लोकतंत्र और संविधान को खत्म करने की खुली दुर्भावना रखने वालों की साजिशों को बेनकाब करना अब जरूरी हो गया है। बुधवार, 13 अगस्त को मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी, विधानसभा चुनाव 2023 में हुई चुनाव चोरी का खुलासा करेगी। इससे पहले रविवार को कांग्रेस कार्यालय में मीडिया विभाग के अध्यक्ष मुकेश नायक ने राहुल गांधी की उस प्रेस कॉन्फ्रेंस का सीधा प्रसारण दिखाया, जिसमें उन्होंने वोट चोरी के गंभीर आरोप लगाए थे। राहुल गांधी ने कहा कि जब वह मध्य प्रदेश में यात्रा पर थे, तब लोगों में भाजपा सरकार के खिलाफ जबरदस्त आक्रोश देखा गया था, लेकिन चुनाव परिणाम इसके उलट आए, जिससे साफ होता है कि वोट चोरी हुई है। अब इस मुद्दे पर कांग्रेस नेता कमलनाथ, जीतू पटवारी और उमंग सिंघार भी खुलकर चुनाव आयोग की कार्यशैली पर सवाल उठा रहे हैं।

देशभक्ति और फिटनेस का संगम

भोपाल में हुई 'राइड फॉर प्राइड' साइकिल रैली, 500 से अधिक राइडर्स ने लिया भाग

भोपाल (नप्र)। स्वतंत्रता दिवस मौके पर भोपाल में रविवार को देशभक्ति और फिटनेस का अनोखा संगम देखने को मिला। स्पोर्ट प्रमोटर कल्चरल ग्रुप (एसपीसीजी),डीएटीसीसी जिला पुरातत्व पर्यटन सांस्कृतिक परिषद भोपाल, खेल एवं युवक कल्याण विभाग, मध्यप्रदेश पर्यटन बोर्ड, जिला प्रशासन भोपाल, ग्लोबल स्किल यूनिवर्सिटी भोपाल, भोजपुर क्लब तथा शहर के विभिन्न साइकिल ग्रुप्स के संयुक्त तत्वावधान में 'राइड फॉर प्राइड घर-घर तिरंगा, मेरी

शान तिरंगा' साइकिल रैली का आयोजन हुआ।

भोपाल के ऐतिहासिक भोजपुर क्लब से सुबह यह रैली जोरदार उत्साह के साथ प्रारंभ हुई और बोर्ड क्लब पर जाकर संपन्न हुई। रैली में शहर के लगभग 500 से अधिक साइकिल राइडर्स ने भाग लिया। शुरुआत में सभी प्रतिभागियों ने जुंबा की थाप पर कदम थिरकाए और 'रंग दे बसंती चोला' व 'ये देश है वीर जवानों का'जैसे जोशीले देशभक्ति गीतों पर नृत्य किया।

रैली के प्रारंभ से पहले भोपाल के सभी साइकिल राइडर ग्रुप्स का मंच पर सम्मान किया है। इस अवसर पर ग्लोबल स्किल्स यूनिवर्सिटी भोपाल से अमिताभ पांडेय, भोजपुर क्लब के अध्यक्ष संजय गुप्ता, जिला पुरातत्व पर्यटन सांस्कृतिक परिषद के सचिव संदीप श्रीवास्तव, सूरज बागजई, कार्यक्रम प्रभारी मुकेश शर्मा सहित विभिन्न ग्रुप्स के सदस्य और अतिथि मौजूद रहे। सभी अतिथियों एवं सहयोगियों को स्मृति चिन्ह भेंट किए गए।

बहन से राखी बंधवाने आए भाई की करंट से मौत

भोपाल में हाईटेंशन लाइन से झुलसा; खबर सुनकर सदमे में दादी की भी गई जान

भोपाल (नप्र)। भोपाल में बहन के घर राखी बंधवाने आया भाई हाईटेंशन लाइन की चपेट में आ गया। गंभीर रूप से झुलसने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई। युवक की मौत की खबर सुनकर रायसेन में उसकी दादी की भी जान चली गई। घटना गांधी नगर प्रताप वार्ड की है। मृतक युवक का नाम सुभाष सेन (20) पुत्र रघुवीर सिंह सेन है। वह मूल रूप से नूरगंज रायसेन जिले का रहने वाला था। भोपाल के नरेला शंकरी में अपने मामा के घर बीते दो सालों से रह रहा था। मामा के साथ ही एक सैलून में काम करता था। युवक के जीजा विक्की ने बताया कि साला सुभाष शनिवार की रात करीब साढ़े सात बजे राखी बंधवाने हमारे घर आया था। पत्नी निधि ने उसे राखी बांधी। इसके बाद खाना खाने के लिए रोक लिया। वह मेरे साथ बैठकर पहली मंजिल स्थित कमरे में बात कर रहा था।

उज्जैन में 28वां भुजरिया महापर्व मनाया

भगवान महाकाल-गोगादेवजी का होगा मिलन ; शोभायात्रा और मेले में शामिल होने देशभर से पहुंचे श्रद्धालु

उज्जैन (नप्र)। उज्जैन में 28वें भुजरिया पर्व का आयोजन रविवार को किया। इस अवसर पर भगवान जाहरवीर गोगादेवजी की छड़ियों (निशान) का दो दिवसीय मेला से शुरू हो गया है। देश भर से गोगादेवजी की छड़ियां वाल्मीकि धाम पहुंच चुकी थी।

रविवार को श्री महाकालेश्वर मंदिर परिसर में भगवान महाकाल और गोगादेवजी का मिलन हुआ। इसके बाद निशान की शोभा यात्रा निकाली जाएगी। मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, राजस्थान सहित अन्य राज्यों से गोगादेवजी के श्रद्धालु, अखाड़े, गायन दल और संतगण इस महापर्व में शामिल होने उज्जैन आए थे।

शाम को महाकालेश्वर मंदिर परिसर में देशभर से आई छड़ियां एकत्रित होंगी। राज्यसभा सांसद और श्री क्षेत्र वाल्मीकि धाम पीठाधीश्वर, राष्ट्रीय संत बालयोगी उमेशनाथ महाराज द्वारा छड़ियों का पूजन कर भगवान महाकाल और गोगादेवजी का मिलन कराया। इस अवसर पर कई संत, विधायक और राजनीतिक संगठनों के पदाधिकारी उपस्थित रहेंगे।

शोभायात्रा महाकालेश्वर मंदिर से शुरू होकर पटनी बाजार, गोपाल मंदिर ढाबा रोड़, दानी गेट, अनंत पेठ, जूना सोगारिया, गोंसा दरवाजा, वाल्मीकि चौराहा और बड़नगर रिंग रोड़ होते हुए श्री क्षेत्र वाल्मीकि धाम पहुंचेगी। मार्ग में विभिन्न धार्मिक, सामाजिक, खेल और राजनीतिक संगठनों द्वारा मंच लगाकर छड़ियों का पूजन-अर्चन किया जाएगा। साथ ही उस्ताद और खलिफाओं का सम्मान भी किया जाएगा। वाल्मीकि धाम पहुंचने पर शोभायात्रा मेले के रूप में परिवर्तित हो जाएगी। रात में वहां गोगा गायन का आयोजन होगा।

7 महीने में तीसरी बार संघ प्रमुख भागवत इंदौर में

सामाजिक सद्भाव बैठक में हुए शामिल, 180 समाजों के प्रमुखों के साथ चर्चा

इंदौर (नप्र)। इंदौर में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख डॉ. मोहन भागवत दौरे पर है। वे यहां सामाजिक सद्भाव बैठक और एक कैंसर केयर सेंटर के उद्घाटन कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे थे।

सुबह वे ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर में आयोजित सामाजिक सद्भाव बैठक में पहुंचे, जहां इंदौर-उज्जैन संभाग के 180 समाजों के प्रमुखों से संवाद किया जा रहा है।

इस बैठक में देश और समाज में परिवर्तन से जुड़े अलग-अलग विषयों पर भागवत समाज प्रमुखों के साथ अनुभव साझा कर रहे हैं। वे उनकी परेशानियों, समाधान, अपेक्षाओं और सामाजिक उत्थान से जुड़े संभावित परिवर्तनों के अलावा राष्ट्रीय, सामाजिक और स्थानीय मुद्दों पर भी चर्चा कर रहे हैं।

शाम 5 बजे तक चलने वाली इस बैठक में डॉ. मोहन भागवत विभिन्न संवाद सत्रों में शामिल हुए। संघ के शताब्दी वर्ष के अवसर पर वे पंच परिवर्तन के अंतर्गत स्वदेशी जीवनशैली, कुटुंब प्रबोधन, पर्यावरण संरक्षण, नागरिक अनुशासन और समरसता जैसे विषयों पर भी विचार रखा। संघ प्रमुख ने शताब्दी वर्ष 2 अक्टूबर के लिए कार्यक्रमों पर चर्चा की। इसमें पंच परिवर्तन/लक्ष्य इसके लिए पांच कार्यक्रम तय किए गए हैं।

क्या है पंच परिवर्तन या लक्ष्य- पहला है स्वदेशी की भावना को बढ़ावा देना। दूसरा है नागरिक कर्तव्यों का पालन, तीसरा- सामाजिक समरसता, चौथा - पर्यावरण संरक्षण के प्रति लोगों को जागरूक करना और पांचवां है परिवार प्रबोधन (संघ के स्वयंसेवक परिवारों से मिलकर उन्हें अपने कार्यों की जानकारी देंगे।) इसमें नए और पुराने दोनों तरह स्वयं सेवक शामिल होंगे।

इस दौरान पांच तरह के कार्यक्रम होंगे- दो अक्टूबर स्थापना दिवस के दिन नए व पुराने स्वयं सेवक गणवेश में एकत्र होंगे। जहां 100 या 100 से अधिक संख्या होगी वहां पथ संचलन भी होगा। यह कार्यक्रम शहर की छोटी बस्तियों के स्तर पर और गांव में पंचायत के स्तर पर होंगे।

घर-घर संपर्क कर संघ के स्थापना के उद्देश्यों के साथ पर्यावरण और सामाजिक समरसता से जुड़ी जानकारी देंगे।

तीसरा- शहर की छोटी बस्ती व पंचायत के स्तर पर हिन्दू सद्भाव मिलन आयोजित किया जाएगा। यह पूरी सादगी के साथ करेंगे।

चौथा- ब्लॉक स्तर पर समाज के प्रभावी लोगों जाति के प्रमुख लोगों, ब्लॉक के प्रमुख धार्मिक व्यक्तियों की सद्भाव बैठक होगी।

जिले स्तर के बुद्धिजिवियों, प्रभावशाली लोगों की बैठक होगी। इसमें किसी तरह का आडंबर नहीं होगा। इन बैठकों में पंच परिवर्तन के लक्ष्यों को प्राप्त कैसे करें, इस पर चर्चा होगी

बता दें कि गुरुजी जन्म शताब्दी वर्ष 2006 से पूरे देश में स्वयंसेवकों और जाति-समाज प्रमुखों द्वारा इस तरह की बैठकें जिला और तहसील स्तर पर आयोजित की जाती रही हैं। हालांकि, यह पहला मौका है जब प्रांत स्तर पर सामाजिक सद्भाव बैठक इंदौर में आयोजित हो रही है। इसके बाद वह शाम 5 से 7 बजे तक श्री गुरुजी सेवा न्यास द्वारा आयोजित कैंसर केयर सेंटर कार्यक्रम में उपस्थित रहेंगे। इस साल 7 महीने के बीच इंदौर में मोहन भागवत का यह तीसरा दौरा है।

पीएम जनमन योजना में जनजातीय बसाहटों में बढ़ी आधारभूत सुविधाएं

सहरिया, बैगा, भारिया परिवारों को मिल रहा योजनाओं का सीधा लाभ

भोपाल (नप्र)। जनजातीय बसाहटों को आधारभूत सुविधाओं से संपन्न बनाने और जनजातीय परिवारों में खुशियां लाने के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के विजन को साकार करते हुए मध्यप्रदेश ने पीएम जनमन योजना में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है।

प्रदेश में पीएम जनमन योजना में 5800 जनजातीय बसाहटों में रह रहे 2 लाख 62 हजार से ज्यादा सहरिया, बैगा और भारिया परिवारों को विभिन्न विभागों की योजनाओं का सीधा लाभ मिला है। आधार कार्ड, जनधन बैंक खाता, आयुष्मान भारत, जाति प्रमाण पत्र, किसान क्रेडिट कार्ड, पीएम किसान सम्मान निधि, राशन कार्ड देने में 100 प्रतिशत उपलब्धि हासिल की है। वे हितग्राहीमूलक योजनाओं का लाभ लेने में इन दस्तावेज का उपयोग कर रहे हैं।

प्रधानमंत्री आवास, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, बहुउद्देशीय केंद्र, हर घर नल से जल, हर घर बिजली, सबको पोषण, सबको स्वास्थ्य, सबको शिक्षा, गांव-गांव मोबाइल नेटवर्क, वन धन विकास केंद्र बनाने जैसी परिवर्तनकारी योजनाओं को इन बसाहटों में क्रियान्वित किया जा रहा है। इसकी जिम्मेदारी योजनाओं से संबंधित विभागों को दी गई है। इन योजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी आई है। जनजातीय परिवारों को आवास सुविधा उपलब्ध कराने में शिवपुरी जिला न सिर्फ मध्यप्रदेश बल्कि पूरे देश में आगे है। यहां 16 हजार से ज्यादा आवास बन चुके हैं। शहडोल में 10711, श्योपुर 7639, उमरिया में 6410, छिंदवाड़ा में

5479 मंडला में 5446 आवास बने हैं। अन्य जिलों में विभिन्न स्तरों पर तेजी से काम चल रहा है।

सड़क सुविधा- प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना में 1570 बसाहटों में 2265 किमी सड़कें बनाने का लक्ष्य है। राष्ट्रीय ग्रामीण अधोसंरचना विकास ऐजेंसी को 269 किमी की 117 सड़कें बनाने का प्रस्ताव भेजा गया है। हाल में 739 किमी लंबाई की 377 सड़कों की स्वीकृति मिल गई है। इनके निर्माण के लिये टेंडर की प्रक्रिया चल रही है।

इसके अलावा 17 जिलों में 125 बहुउद्देशीय केंद्रों के निर्माण का काम चल रहा है। सबसे ज्यादा 33 शिवपुरी और 24 श्योपुर में बन रहे हैं।

हर घर नल से जल

हर घर नल से जल पहुंचाने के लिए 4843 बसाहटों में रह रहे 12 लाख 30 हजार घरों में नल से जल पहुंचाने का लक्ष्य है। अब तक 8,43,258 घरों में नल से जल पहुंच रहा है। शेष घरों में दिसंबर माह तक पहुंच जाएगा।

सबको स्वास्थ्य

सबको स्वास्थ्य सुविधाएं देने के उद्देश्य से 3132 गांवों में स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई गई हैं और 1268 में मोबाइल मेडिकल यूनिट संचालित हैं। इस प्रकार 4400 गांवों में स्वास्थ्य सेवाएं पहुंच गई हैं। मोबाइल मेडिकल यूनिट के माध्यम से अब तक 4 लाख से अधिक रोगियों का परीक्षण किया गया है। विशेष रूप से टीबी और सिकल सेल की जांच की गई है। करीब 27000 रोगियों की फिजियोथैरेपी कराई गई।

विद्युत सुविधा

जनजातीय परिवारों को ग्रिड के माध्यम से हर घर बिजली देने में 24,800 घरों में विद्युत सुविधा उपलब्ध करा दी गई है। दुर्गम क्षेत्रों में आफग्रिड के माध्यम से नवकरणीय ऊर्जा विभाग के सहयोग से 11 जरूरतमंद जिलों के 2060 गांवों में विद्युत सुविधा देने का काम तेजी से चल रहा है।

सभी बसाहटों में पोषण देने के लिए 704 आंगनबाड़ी केंद्र स्वीकृत किए गए हैं। इनमें 628 बन गये हैं और शेष अगले दो महीनों में बन जायेंगे। इसके अलावा 76 नये आंगनवाड़ी केन्द्र खोलने का भी प्रस्ताव है। इन केन्द्रों में बच्चों के पोषण का स्तर लगातार मॉनिटर किया जा रहा है।

सबको शिक्षा

सबको शिक्षा सुविधा देने के लिए जिन जनजातीय बसाहटों के पास प्राथमिक शाला की सुविधा दी जा रही है। वर्तमान में 16 जिलों में 106 छात्रावास स्वीकृत किए गये हैं।

मोबाइल सुविधाओं को सुदृढ़ बनाते हुए 15 जिला में उपयुक्त स्थान पर 4जी मोबाइल नेटवर्क दिया जा रहा है। टावर के लिये स्थान चिन्हित कर लिये गये हैं। इसके अलावा वन एवं तकनीकी शिक्षा विभागों द्वारा 11 जिलों में 83 वन-धन विकास केंद्र स्वीकृत किए गए हैं। इससे 5000 जनजातीय हितग्राही जुड़े हैं। सभी को उद्यमिता जागरूकता कार्यक्रम और उद्यमिता विकास कार्यक्रम के अंतर्गत वन-विकास केंद्र का बिजनेस प्लान बनाने में प्रशिक्षण दिया गया है।

लोक निर्माण से लोक कल्याण, 'पर्यावरण से समन्वय' पर विशेष संगोष्ठी-सह प्रशिक्षण कार्यशाला 11 अगस्त को,मुख्यमंत्री डॉ. यादव होंगे शामिल

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव लोक निर्माण विभाग के ध्येय 'लोक निर्माण से लोक कल्याण' को साकार करने की दिशा में 11 अगस्त को भोपाल स्थित रवींद्र भवन में 'पर्यावरण से समन्वय' विषय पर एक दिवसीय संगोष्ठी-सह प्रशिक्षण कार्यशाला का शुभारंभ करेंगे। कार्यशाला में अखिल भारतीय संयोजक पर्यावरण संरक्षण गतिविधि श्री गोपाल आर्य, लोक निर्माण मंत्री श्री राकेश सिंह और भास्कराचार्य संस्थान के महानिदेशक श्री टी.पी. सिंह सहित अनेक विशिष्ट अतिथि शामिल होंगे। कार्यशाला में उद्घाटन-सत्र, मुख्य अतिथियों के संबोधन, तकनीकी सत्र और विशेष प्रशिक्षण सत्र का आयोजन होगा। इस अवसर पर पर्यावरण-अनुकूल निर्माण तकनीकों की प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी, जिसमें नवीनतम और टिकाऊ तकनीकों का प्रदर्शन किया जाएगा। यह ऐतिहासिक आयोजन प्रदेश के लगभग 1500 अभियंताओं को एक मंच पर एकत्र करेगा, जिससे वे हरित और टिकाऊ निर्माण के नए आयामों से परिचित होंगे। संगोष्ठी का मुख्य उद्देश्य अभियंताओं को पर्यावरण संरक्षण के प्रति अधिक संवेदनशील बनाना और उनकी तकनीकी दक्षता को बढ़ाना है। इस दौरान भास्कराचार्य राष्ट्रीय अंतरिक्ष उपयोग एवं भू-सूचना विज्ञान संस्थान,गांधीनगर के विशेषज्ञ पीएम गतिशक्ति योजना के अंतर्गत डिटेल्ड प्रोजेक्ट रिपोर्ट निर्माण और जीआईएस पोर्टल पर सड़कों व पुलों की भौगोलिक मैपिंग पर विशेष प्रशिक्षण देंगे। इस तकनीकी ज्ञान से विभागीय परियोजनाओं की गुणवत्ता, पारदर्शिता और प्रभावशीलता में और वृद्धि होगी। यह कार्यशाला केवल तकनीकी कौशल विकास तक सीमित नहीं है, बल्कि यह पर्यावरण संरक्षण को विभागीय योजनाओं के केंद्र में लाने का ठोस प्रयास भी है। इससे प्रदेश में हरित, टिकाऊ और जिम्मेदार बुनियादी ढांचे के निर्माण को नई दिशा मिलेगी और 'लोक निर्माण से लोक कल्याण' की परिकल्पना को मजबूती मिलेगी।

संपादकीय

खुलासों से उठते सवाल

भारतीय सेना के वरिष्ठ अधिकारी 'ऑपरेशन सिंदूर' को लेकर सेना की कार्रवाई को लेकर जो खुलासे सार्वजनिक रूप से एक के बाद एक करते जा रहे हैं, उनसे कई सवाल जनमानस में उठ रहे हैं। मसलन जो बाते अब कहीं जा रहीं है, वह तभी क्यों नहीं कही गई, जब पाकिस्तान हम पर लगातार झूठे आरोप लगा रहा था, दूसरे संसद में 'ऑपरेशन सिंदूर' को लेकर हुई मेराथन बहस के बाद सरकारी जवाब में दी गई जानकारी में भी इन खुलासों का स्पष्ट उल्लेख नहीं था। तीसरा, ये कि ऑपरेशन सिंदूर के तीन महीने बाद इन खुलासों का क्या मतलब है? ताजा चौंकाने वाला मामला देश के वायुसेनाध्यक्ष एयर चीफ़ मार्शल एपी सिंह का दावा है कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय सेना ने पाकिस्तान के पांच लड़ाकू विमानों और एक बड़े विमान को मार गिराया था। साथ ही पहलगाम हमले के बाद छह-सात मई की दरमियानी रात पाकिस्तान और पीओके के आंतकी कैम्पो को निशाना बनाया गया। बेंगलुरू में 16वें एयर चीफ़ मार्शल एलएम कात्रे लेक्चर कार्यक्रम के दौरान एयर चीफ़ मार्शल एपी सिंह ने कहा कि भारतीय वायु सेना द्वारा नष्ट बड़ा विमान ईएलआईएनटी या एईडब्ल्यूएंडसी हो सकता है। इस विमान को 'ज़मीन से हवा में 300 किलोमीटर की दूरी पर निशाना बनाया गया था' और 'एक तरीक़े से यह अब तक का सबसे बड़ा ज़मीन से हवा में मार करने का रिकॉर्ड है। हमने बड़े पैमाने पर उनके एयर डिफ़ेंस सिस्टम का नुक़सान किया। रूस से ख़रीदे गए एयर डिफ़ेंस सिस्टम एस-400 को 'गेम चेंजर' साबित हुए। हालांकि उस वक्त पाकिस्तान ने भी भारत के साथ सीमित संघर्ष में भारत के 'पांच लड़ाकू विमान गिराने' का दावा किया था, जिसे भारत ने सिरे से ख़ारिज कर दिया था। लेकिन भारतीय वायु सेना कुछ आला अफसरों ने 'कुछ' भारतीय विमानों को 'खोने' की बात परोक्ष रूप से स्वीकारी थी। ये थे सीडीएस जनरल अनिल चौहान और इंडोनेशिया में भारतीय डिफ़ेंस अताशे। यद्यपि बाद में भारतीय दूतावास ने बयान जारी कर कहा कि डिफ़ेंस अताशे कैप्टन शिवकुमार के बयान को संदर्भ से बाहर का बताया गया था। एयर चीफ ने साफ कहा कि ऑपरेशन सिंदूर की सफलता का एक 'प्रमुख कारण राजनीतिक इच्छाशक्ति का होना' था। हम पर किसी तरह की पाबंदी नहीं लगाई गई थी। गौरतलब है कि विगत 31 मई को भारत के चीफ़ ऑफ़ डिफ़ेंस स्टाफ़ जनरल अनिल चौहान से जब भारतीय विमानों के मार गिराने के पाकिस्तान के दावे के बारे में पूछा गया तो उनका कहना था, 'ये बिल्कुल ग़लत है। महत्वपूर्ण है, यह है कि जेट क्यों गिरे और इसके बाद हमने क्या किया। इस बीच वायुसेनाध्यक्ष के खुलासे से पाकिस्तान भड़क गया है। पाकिस्तानी रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने सोशल मीडिया पर कहा कि भारतीय वायु सेना प्रमुख के यह दावे को गलत बताते हुए कहा कि भारतीय सेना के अफसरों को राजनीति की नाकामियों का जिम्मेदार ठहराया जा रहा है। पाकिस्तानी नेता ने कहा कि कई स्वतंत्र जांचकर्ताओं ने माना है कि कई भारतीय विमान खोए गए हैं। अगर सच का पता लगाना है, तो दोनों देशों को अपने विमान भंडार को स्वतंत्र जांच के लिए खोल देना चाहिए, लेकिन भारत ऐसा करेगा, इस पर उन्हें शक है। उधर विपक्षी कांग्रेस के महासचिव जयराम रमेश ने एयर चीफ मार्शल के बयान पर प्रश्नचिन्ह लगाते हुए कहा कि 'एयर चीफ़ मार्शल अमर प्रीत सिंह के नए खुलासे के बाद, यह सब और भी अधिक चौंकाने वाला हो जाता है कि प्रधानमंत्री ने 10 मई की शाम को अचानक ऑपरेशन सिंदूर क्यों रोक दिया। प्रधानमंत्री पर दबाव कहाँ से आया और उन्हें इतनी जल्दी क्यों झुकना पड़ा?'

समाजवाद यानी समता के साथ संपन्नता

नजरिया

रघु ठाकुर

लेखक लोहियावादी चिंतक हैं।

दरअसल भारत में कांग्रेस पार्टी की सरकार ने 1 जनवरी 95 को वैश्वीकरण के कुख्यात समझौते डब्ल्यूटीओ के मसौदे पर हस्ताक्षर किये थे और उसके बाद से देश की लगभग सभी बड़ी संसदीय विरोधी पार्टियाँ भी डब्ल्यूटीओ के पालन के मंत्र का जाप करती रही है, चाहे वह प्रधानमंत्री स्व. अटलबिहारी वाजपेयी रहे हों, श्री देवगोड़ा हों, स्व. गुजराज हों, स्व. डॉ मनमोहन सिंह हों या वर्तमान प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी हों। इस वैश्वीकरण के समझौते के बाद देश में इन सभी सरकारी व गैर सरकारी दलों ने विदेशी पूँजी निवेश को ही अपना आदर्श लक्ष्य माना है।

समाजवादी विचारधारा को लेकर सदैव कई प्रकार के संशय और आरोप लगाए जाते रहे हैं। यद्यपि आजादी के कई वर्षों के बाद स्व. जवाहरलाल नेहरू ने समाजवादी ढंग की समाज रचना का उल्लेख कांग्रेस पार्टी के अवाड़ी अधिवेशन में एक प्रस्ताव में कराया था और वह भी इनकी लाचारी थी, क्योंकि उसके पूर्व वे समाजवाद का मजाक उड़ाकर कहते रहते थे कि पाँच उंगलियां बराबर नहीं होती। तब डॉ. लोहिया ने उनका उत्तर दिया था कि यद्यपि पाँच उंगलियां बराबर नहीं होती परंतु इनके बीच का जो फर्क है वह फर्क मुश्किल से एक बनाम डेढ़ है। जबकि उस समय उद्योगपतियों की बात तो छोड़ो प्रधानमंत्री के दफ्तर पर 25000 रुपया रोज खर्च होता था और उस समय देश के आम आदमी की आमदनी डॉ लोहिया के अनुसार तीन आने और सरकार के अनुसार 15 आने प्रति व्यक्ति प्रतिदिन थी। कांग्रेस के इस अवाड़ी अधिवेशन में भी सोशलिस्ट पैटर्न आफ सोसाइटी का प्रस्ताव तब किया गया जब समाजवादी विचारधारा और समाजवादी पार्टी देश में तेजी से फैल रही थी तथा इस कारण से यह जवाहरलाल नेहरू जी के लिये एक मजबूरी बन गई थी।

उस समय भी कुछ लोग यह आरोप समाजवादी विचारधारा पर लगाते थे कि समाजवादी देश को गरीब बनाकर रखना चाहते हैं या समाजवाद गरीबी का दर्शन है और तब भी समाजवादियों ने यह उत्तर दिया था कि समाजवाद गरीबी का दर्शन नहीं है बल्कि (ब्रेड एंड वर्टय का दर्शन है,) याने खाते पीते समाज बनाने का दर्शन है। 9 जुलाई 25 के दैनिक भास्कर के दिल्ली संस्करण में श्री हरिवंशजी का एक लेख्य गरीबी समाजवाद नहीं है आर्थिक संपन्नता जरूरी है शीर्षक से छपा है। चूँकि यह लेख श्री हरिवंश सिंह जी का है, जो राज्यसभा के उपसभापति तो हैं ही हमारे पुराने समाजवादी साथी व मित्र भी हैं इसलिये उनके इस लेख की भावना जो भी रही हो परंतु समाजवाद की विचारधारा के विरोधी इसे अपने हथियार के रूप में इस्तेमाल कर सकते हैं। इस लेख में उन्होंने फरवरी में इन्वेस्ट केरल ग्लोबल समिट का संघर्ष को लेकर लिखा है कि इस समिट में राजनीति के तीन ध्रुव भा.क.पा.,कांग्रेस व एन.डी.ए. एक मंच पर थे। जहाँ केरल सरकार ने देशी, विदेशी निवेशकों को न्यौता था उनके अनुसार इसका संदेश साफ था कि पूँजी व उद्योगपतियों का स्वागत है आर्थिक सुधारों व प्रगति को सर्वोच्च प्राथमिकता होगी। उन्होंने मुख्यमंत्री को उद्धरित करते हुए लिखा है कि श्केरल ने नौकरशाही ढाँचे की सफाई की है निवेशक फ्रेंडली बनने के लिये बड़े बदलाव किये हैं। इस समिट में श्री नितिन गडकरी जी ने कहा कि 3 लाख करोड़ की सड़क योजनायें केरल में पूरी होगी। उन्होंने इस अवसर पर 31 नई परियोजनाओं की सौगात भी दी। हरिवंशजी के अनुसार विपक्षी कांग्रेसी नेता वीडी सत्तीशन ने कहा कि राजनैतिक विवादों से परे हमारा सामूहिक लक्ष्य ये है कि केरल आर्थिक समृद्धि व औद्योगिक श्रेष्ठता का पर्याय बने। विपक्ष ने नई संस्कृति शुरू की है, हम सरकार को पूरा समर्थन दे रहे हैं, सरकार से अनुरोध है कि जब आप विपक्ष में हों तो यही संस्कृति अपनायें। केरल में जो नई औद्योगिक नीति बनी है उसके अनुसार 2023 में केरल में लगभग 3 लाख एमएसएमई यूनिटस ने लगभग 250 करोड़ की पूँजी जुटाई (33.2 मिलियन डॉलर) देश का पहला टेक्नो पार्क 180 मिलियन डॉलर याने लगभग 1500 करोड़ और डिजिटल साइंस पार्क भी लगभग इतनी ही राशि से सरकार ने बनाया है। श्री हरिवंश जी ने यह निष्कर्ष निकाला है कि साम्यवादी केरल ने पूँजीवादी निवेश उद्यमिता का महत्व अब हड़ताल, आंदोलन, अनावश्यक यूनियनबाजी के अनुभवों के बाद समझा है। चीन ने अपनी यात्रा के 29 वर्षों के बाद 1978 में ही माना था कि गरीबी समाजवाद नहीं है। संपन्न होना गौरवपूर्ण है। चीन के तत्कालीन मुखिया डेंग जियाओपिंग के इस कथन के साथ यह भी कि आर्थिक ताकत ही मुल्कों का भविष्य तय करेगी। श्री हरिवंश जी के मुताबिक साम्यवादियों ने बदले वक्त की नब्ज पहचान ली है।

दरअसल भारत में कांग्रेस पार्टी की सरकार ने 1 जनवरी 95 को वैश्वीकरण के कुख्यात समझौते डब्ल्यूटीओ के मसौदे पर हस्ताक्षर किये थे और उसके बाद से देश की लगभग सभी बड़ी संसदीय विरोधी पार्टियाँ भी डब्ल्यूटीओ के पालन के मंत्र का जाप करती रही है, चाहे वह प्रधानमंत्री स्व.अटलबिहारी वाजपेयी रहे हों, श्री देवगोड़ा हों, स्व. गुजराज हों, स्व. डॉ मनमोहन सिंह हों या वर्तमान प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी हों। इस वैश्वीकरण के समझौते के बाद देश में इन सभी सरकारी व गैर सरकारी दलों ने विदेशी पूँजी निवेश को ही अपना आदर्श लक्ष्य माना है।

परंतु क्या पिछले 30 वर्षों में देश में गरीबी वास्तव में घटी है, अगर घटी है तो श्री हरिवंश जी को यह उत्तर भी देना चाहिये कि वर्तमान सरकार जिसके वे अप्रत्यक्ष हिस्से है, पिछले 11 वर्षों से 85 करोड़ लोगों को 5 किलो अनाज पेट भरने के लिये क्यों दे रही है और देश की लगभग 65 प्रतिशत आबादी इसके लिये लाचार क्यों है? देश की करोड़ों मातायें, बहिनें महीने के 1000 या 1500 रुपये लाड़ली बहिन योजना के तहत लेने को लाचार क्यों हैं?

निश्चित ही चीन ने श्री डेंग जियाओपिंग के कार्यकाल में पूँजीवादी रास्ता चुना है और अपने इस रास्ते के बचाव के लिये बाजार समाजवाद शब्द का प्रयोग किया है। परंतु वस्तुस्थिति यह है कि आज चीन में निजी पूँजी के बड़े-बड़े टापू खड़े हो चुके हैं और पूँजीवाद ने साम्यवादी विचार को जड़ों से उखाड़ दिया है। इतना ही साम्यवाद चीन या रूस में बचा है कि वहाँ साम्यवादी पार्टी की सत्ता है और दोनों जगह वह निरंकुश तानाशाही का पर्याय है। चीन दुनिया की एक बड़ी आर्थिक शक्ति है परंतु इसका बड़ा कारण चीन का सस्ता और लाचार श्रमिक हैं। सर्वहारा की तानाशाही के नाम पर चीन के करोड़ों लोग कम मजदूरी पर और अधिक समय तक काम करने को लाचार हैं। वे न हड़ताल कर सकते हैं, न मांग कर सकते हैं और न विरोध कर सकते हैं। क्योंकि इन सबका या लोकतंत्र का उत्तर चीन में केवल गोली है। तियानमेन चौक पर सैकड़ों छात्रों की नृशंस हत्या को कैसे भुलाया जा सकता है।

केरल के 3 लाख स्टार्टअप के पूँजी निवेश में औसतन प्रति स्टार्टअप योगदान लगभग 10000 रुपया प्रति स्टार्टअप है, यह कौन सा बड़ा पूँजी निवेश है जिससे श्री हरिवंश जी प्रभावित हैं? वैसे भी केरल अपने आरंभ से ही एक शिक्षित और संपन्न प्रदेश रहा है, जहां शत-प्रतिशत शिक्षा का लक्ष्य दशकों पहले ही पा लिया गया था और केरल की बड़ी आबादी आज लगभग पूरी दुनिया में (विदेशों में) फैली है, जो प्रतिवर्ष लाखों रुपये विदेश से कमाकर अपने घरों को भेजते हैं। केरल की स्थिति यह है कि खेती पर काम करने वाले मजदूर पिछले 10 वर्षों से अधिक से मणिपुर, नागालेंड आदि प्रदेशों से आकर काम कर रहे हैं क्योंकि केरल के विदेशी रिश्तेदारों के द्वारा भेजे गये धन के कारण अब वहाँ के लोग हाथ से काम नहीं करना चाहते। केरल का बड़ा इलाका समुद्र तट से जुड़ा है और माल वाहक पानी के जहाजों का लंबे समय से वहाँ काम रहा है, इसके कारण वहाँ बड़े-बड़े बंदरगाह हैं।

समाजवाद का मतलब गरीबी कभी भी नहीं था बल्कि गरीबी को मिटाकर संपन्नता लाने का था और संपन्नता के साथ-साथ समानता। संपन्नता दो प्रकार की हो सकती है, एक-अमीरी के चंद टापू को बनाने वाली और दूसरे समानता के साथ संपन्नता। संपन्नता 140 करोड़ के चीन में हैं पर कितने लोगों की है। वस्तुस्थिति यह है कि जिस प्रकार अमेरिका में हजार दो हजार खरबपति हैं जिनके पास अमेरिका की संपत्ति का दो तिहाई से अधिक हिस्सा है और अब यही स्थिति चीन और रूस की है कि वहाँ भी कुछ सैकड़ा खरबपति हैं, बकाया सारे देश की आबादी सामान्य जीवन जी रही है। भारत देश की 140 करोड़ आबादी संपन्न बने यह समाजवाद भी चाहता है परंतु करोड़ों की लाश पर चंद अमीर अरब खरब पति बनें यह समाजवाद नहीं चाहता।

श्री हरिवंश जी ने एक प्रकार से हड़ताल, आंदोलन और यूनियन के गठन को गैर जरूरी तथा संपन्नता के रास्ते के खिलाफ बताया है। उनका यह कथन एक प्रकार से भारतीय संविधान के उस महत्वपूर्ण खंड को ही नकारता है जिसकी शपथ लेकर उन्होंने राज्यसभा का स्थान लिया था। संविधान ने शांतिपूर्ण तरीके से आंदोलन, हड़ताल और इसके लिये यूनियन के गठन को एक वैधानिक रास्ते के रूप में मान्यता दी है। यह लोकतंत्र की बुनियाद भी है, अगर लोकतंत्र में अपनी बात को कहने का अधिकार न हो, शांतिपूर्ण सविनय अवज्ञा और प्रतिकार का अधिकार न हो, अपनी राय अभिव्यक्त करने का अधिकार न हो तो लोकतंत्र नहीं बचेगा। मुझे लगता है कि श्री हरिवंश जी ने भावावेश में यह पंक्तियाँ लिखी हैं। महात्मा गांधी और डॉ. लोहिया ने तो सिविल नाफ़रमानी को जनतंत्र का मूल आधार बताया था। श्री हरिवंश जी ने स्वरू चन्द्रशेखर जी पर एक अच्छी पुस्तक लिखी है। श्री चन्द्रशेखर उनके आदर्श रहे हैं, परंतु श्री चन्द्रशेखर जी ने भी कभी भी शांतिपूर्ण हड़ताल आंदोलन व यूनियन बनाने का विरोध नहीं किया।

यह स्थापना इसलिये भी चिंताजनक है कि अगर यह मान लिया जायेगा कि हड़ताल,यूनियन और मजदूर आंदोलन विकास के अवरोध हैं तो किसी दिन यह तर्क विपक्ष के राजनैतिक दलों की जरूरत पर भी प्रश्न चिन्ह खड़े करेगा, कि देश में इनकी आवश्यकता क्या है? चीन व रूस में तो एक ही दल है और कोई यह भी कह सकता है कि चीन व रूस का विकास केवल एक दलीय तानाशाही प्रणाली से हो रहा है। इसलिये भारत देश के विकास के लिये एक दलीय तानाशाही होना चाहिये।

रोटी बनाम आजादी, याने रोटी बनाम लोकतंत्र की बहस 19वीं सदी के आरंभ से दुनिया में साम्यवादियों ने शुरू की थी और विकल्प रखा था कि रोटी चाहिए या आजादी। इसका उत्तर डा लोहिया ने दियाा था कि हमें रोटी व आजादी दोनों चाहिए तथा दोनों साथ मिल सकते हैं। आज श्री हरवंश जी ने उसी विचार पर नया रूप प्रस्तुत किया है कि संपन्नता चाहिये या लोकतंत्र और मैं कहना चाहता हूँ कि संपन्नता व लोकतंत्र तथा समता और संपन्नता दोनों साथ-साथ चाहिये तथा इसे साथ-साथ हासिल भी किया जा सकता है,

बनाई गई थी भगवा आतंकवाद की कहानी

मालेगांव मामला

अवधेश कुमार

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

एनआईए विशेष न्यायालय द्वारा मालेगांव द्वितीय विस्फोट पर दिए गए फैसले के बाद तत्काल टिप्पणी के लिए शब्द तलाशना कठिन है। विश्व में कोई देश नहीं होगा जहां स्थानीय पुलिस को आतंकवादी हमले के पीछे की साजिशें के सच की गंध होने के बावजूद राजनीति के लिए नई कहानी गढ़े जाएं ,निर्दोष लोगों को गिरफ्तार कर व्यापक दुष्प्रचार हो तथा उन्हें सजा दिलाने के लिए नकली गवाह, फर्जी सबूत यहां तक कि जांच अधिकारी तक पैदा कर दिया जाए। आतंकवादी हमला देश पर हमला माना जाता है और उनसे संघर्ष के लिए सभी राजनीतिक दलों अधिकारियों और आम लोगों को एकजुट होकर दोषियों के विरुद्ध टूट पड़ने की आवश्यकता होती है। न्यायालय ने सातों आरोपियों के विरुद्ध किसी तरह के सबूत न मिलने पर बरी कर दिया। जिन निर्दोष लोगों की जिंदगी नष्ट हो गई तथा संगठनों की छवि पर कालिख पोती गई उनके साथ न्याय कैसे हैगा। जमीयत उलेमा ए हिंद इसके विरुद्ध उच्च न्यायालय जाएगा। हालांकि जिन लोगों ने पूरे मामले पर दृष्टि रखी थी उनके लिए यही फैसला अपेक्षित था। उन्हें पता था कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, भाजपा तथा कुछ हिंदू संगठनों को आतंकवादी गतिविधियों में संलिप्त साबित करने के लिए हिंदू आतंकवाद, भगवा आतंकवाद जैसे शब्द कहे गए और निर्दोष लोग आरोपी बनाए गए। जरा सोचिए, 2008 से 2025 तक इन आरोपियों को किन-किन अवस्थाओं से गुजरना पड़ा होगा। साध्वी प्रज्ञा सिंह ठाकुर को तो भाजपा ने 2019 में भगवा आतंकवाद ,हिंदू आतंकवाद, संघी आतंकवाद के विरुद्ध स्वयं को देश का सबसे बड़ा झंडाबरदार साबित करने वाले दिग्विजय सिंह के विरुद्ध लोकसभा चुनाव लड़ाकर संसद बना दिया था। अन्य ऐसे सौभाग्यशाली साबित नहीं हुए। लेफ्टिनेंट कर्नल प्रसाद पुरोहित को 2008 से ही निलंबन में जीवन गुजारना पड़ा। इन सबको आरंभ में महाराष्ट्र आतंक निरोधी दस्ता या एटीएस और फिर एन आई एन ए ने जैसी यंत्रणाएं दी , नदी थर्ड डिग्री का इस्तेमाल किया उसकी उसके विवरण से ही कलेजा कहां पर जाता है।

न्यायालय ने कहा है कि इन लोगों पर लगे आरोपों की पुष्टि के सबूत नहीं है। 29 सितंबर, 2008 को मालेगांव के भिखू चौक पर हुए विस्फोट में जिस मोटरसाइकिल के प्रज्ञा ठाकुर के होने की बात की गई उसके नंबर नकली थे तो चेचिस और इंजन तक के नंबर गायब कर दिए गए थे। कर्नल प्रसाद पुरोहित ने विस्फोट के लिए कश्मीर से आरडीएक्स लाकर अपने घर में बम बनाया इसके कोई चिन्ह नहीं थे। हां, न्यायालय ने आदेश दिया है कि सुधाकर चतुर्वेदी के घर में विस्फोटक किसने रखा इसकी जांच की जाए। भोपाल और एक अन्य बैठक में सबके शामिल होने और विस्फोट करने की योजना का इसमें जिक्र है किंतु वहां ऐसी बातचीत के भी प्रमाण नहीं है। अगर मेजर रमेश उपाध्याय या किसी ने हिंदू राष्ट्र बनाने की बात की तो इसके आधार पर वे आतंकवादी नहीं माने जा सकते। न्यायालय में एक समय मेजर रमेश उपाध्याय ने चीखकर कहा कि मैं फौजी हूं, आतंकवादी नहीं हो सकता। उनकी कोई सुनने वाला नहीं था। फॉरेंसिक जांच की सामग्री में जालसाजी हुई। उपयुक्त पंचनामा नहीं, कोई फिंगर प्रिंट नहीं। 323 गवाह आए जो केंद्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार बनने के बाद 34 गवाहों ने स्वीकार किया कि उनसे झूठी गवाही दिलवा कर दस्तखत करवाए गए। कल्पना करिए जिस राजनीतिक नेतृत्व और सुरक्षा अधिकारियों के जिम्मे देश की सुरक्षा का दायित्व हो षड्यंत्र कर आतंकवाद के मामले में लोगों को फसाने में सत्ता का दुरुपयोग करने लगें तो उन्हें क्या कहा जाएग?

तत्कालीन महाराष्ट्र एटीएस के प्रमुख हेमंत करकरे अब दिवंगत हो चुके हैं। जब साध्वी प्रज्ञा ठाकुर ने उनको राक्षस कहकर टॉर्चर कि आप बीती सुनाई तो नेताओं, पत्रकारों, एक्टिविस्टों आदि के प्रभावी वर्ग ने विरोध किया। स्वर्गीय करकरे की दिग्विजय सिंह के साथ बातचीत का लंबा ऑडियो वायरल हो गया। तत्काल महाराष्ट्र पुलिस के एक अधिकारी महबूब मोहव्वर ने कहा है कि उन्हें संघ प्रमुख डॉ मोहन भागवत को पकड़ने के लिए कहा गया और इससे इनकार करने पर उनके साथ बुरा बर्ताव किया। उन्होंने तत्कालीन एटीएस प्रमुख परमवीर सिंह पर आरोप लगाया कि जब उन्हें पता चला कि मुझे पूरे षडयंत्र की जानकारी है तो आरोप लगाकर फंसाया और निलंबित करवा दिया। निलंबन में उनकी सेवानिवृत्ति हो गई और उन्हें केवल 10 हजार पेंशन मिलता है। उनका बयान न्यायालय की रिकॉर्ड में अंकित है। हालांकि पहले के उनके कुछ आप जांच पर सच साबित नहीं हुए। ऐसे कई बयान हैं जिनसे पता चला है कि संघ, उससे जुड़े संगठनों और भाजपा नेताओं तक के नाम लेने के लिएआरोपियों और गवाहों पर दबाव डाले गए। ऐसी धमकियां दी गई ताकि उनके सामने कोई चारा न बचे। पुलिस के अंदर जिनने भी साथ नहीं दिया वे परेशान किए गए। सोचिए केंद्र में सरकार नहीं बदलती तो क्या होता?

तब आधे दशक के आतंकवाद पर हुए विमर्श को याद करिए। पत्र पत्रिकाओं में आलेखों, रिपोर्टों, टीवी डिबेटों, एनजीओ, अन्य संगठनों की विचार गोष्ठियों यहां तक कि संसद के अंदर भी आतंकवाद पर हिंदू संगठनों को लांछित करने का लगातार अभियान चला। इसी अभियान की एक परिणति 26 नवंबर, 2008 के भयानक मुंबई विस्फोटों को भी हिंदुओं का षड्यंत्र साबित करने की शर्मनाक कोशिश हुई। मुंबई हमला आरएसएस की साजिश नामक पुस्तक के मुंबई विमोचन में दिग्विजय सिंह भी थे और उनके भाषण के वीडियो देख लीजिए। तत्कालीन महाराष्ट्र पुलिस प्रमुख राकेश मारिया ने अपने संस्मरण में लिखा है कि अगर अजमल कसाब जिंदा नहीं पकड़ा जाता तो जिस तरह सभी आतंकवादियों ने हाथों में कलावा बांध रखे थे उसे भी हिंदू आतंकवादियों का ही षड्यंत्र साबित कर दिया जाता। जिन पापियों ने षड्यंत्र रचा उन्होंने वास्तव में सीमा पर आतंक के षडयंत्र रचने वालों को भी साहस दे दिया कि हमला कर हिंदू संगठनों पर इसके आरोप मढ़वा सकते हैं। पाकिस्तान ने संयुक्त राष्ट्र संघ तक में हिंदू आतंकवाद विषय को उठाया। अगर यह साबित हो जाता तो भारत का आतंकवाद विरोधी संघर्ष वैश्विक स्तर पर विफल रहता। आज देश की क्या स्थिति होती इसकी कल्पना से भय पैदा होता है। जिस साहस के साथ भारत पश्चिमी देशों को आईना दिखाता है कि आतंकवाद पर दोहरा रवैया नहीं चलेगा पाकिस्तान को घेर पता है वह संभव ही नहीं रहता। भारत का सिर्फ शर्म से झुका रहता है। इसके साथ इसका लाभ भी में देश में आतंकवाद के विरुद्ध सुरक्षा एजेंसियों ने कैसी भूमिका अपनी होगी? सच कह तो केंद्र से लेकर अनेक राज्यों तक के आतंकवादी विरोधी ढांचे की विचारधारा बदल गई।

इन तथ्यों को देखिए और निष्कर्ष निकालिए। इन चारों विस्फोटों के अपराधी आज तक बाहर हैं और पता नहीं वे क्या-क्या कर रहे होंगे। स्वाभाविक ही किसी भारतीय की पहली प्रतिक्रिया यही होगी कि जो इन षडयंत्रों के पीछे थे उन सबको कानून के तहत कठोर सजा दिलवाई जानी चाहिए। नेताओं से लेकर सुरक्षा व प्रशासनिक अधिकारियों तथा एक्टिविस्टों तक को न्याय के दायरे में खड़ा किया जाना आवश्यक है ताकि भविष्य में कोई देश की सुरक्षा के साथ ऐसा घृणित षड्यंत्र नहीं कर सके।

रक्षा बंधन : अटूट प्रेम की डोर

अभिव्यक्ति

अदिति सिंह

लेखक स्तंभकार हैं।

राखी, सिर्फ एक धागा नहीं होता, बल्कि एक ऐसा एहसास होता है जिसमें बचपन की शरारतें, साथ खेले गए खेल, मीठे झगड़े और अनगिनत यादें बसी होती हैं। यह एक ऐसा पर्व है जो भाई-बहन के रिश्ते की गहराई को दर्शाता है। एक ऐसा रिश्ता जिसमें अधिकार भी है, प्रेम भी है, तकरार भी है और सबसे ज़्यादा है एक-दूसरे के लिए हमेशा खड़े रहने का वादा।

रक्षाबंधन का अर्थ है 'रक्षा का बंधन', लेकिन यह बंधन केवल भाई द्वारा बहन की रक्षा करने तक सीमित नहीं है। समय के साथ इस बंधन ने एक नया रूप लिया है। अब यह पर्व भाई-बहन दोनों के लिए एक-दूसरे की भावनाओं, सपनों और आत्मसम्मान की रक्षा करने का प्रतीक बन गया है।

जब एक बहन अपने भाई की कलाई पर राखी बांधती है, तो वह न केवल उसकी लंबी उम्र की कामना करती है, बल्कि अपने बचपन के हर उस पल को भी दोबारा जी लेती है, जब वह भाई उसके लिए दीवार बनकर खड़ा हुआ था। और वही भाई, उस धागे को बंधवाते समय, उस बहन की मुस्कान, उसकी चिंता, उसकी परवाह और उसके बलिदानों को महसूस करता है।

रक्षाबंधन के दिन का वो सवेरा कुछ अलग ही होता है। घर में हलवा, पूरी और मिठाइयों की खुशबू के साथ बहनें पूजा की थाली सजाती हैं। थाली में दीपक, अक्षत, रोली और राखी रखी जाती है। जैसे ही बहन भाई को तिलक लगाकर राखी बांधती है और मिठाई खिलाती है, घर का वातावरण प्रेम, विश्वास और आशीर्वाद से भर जाता है।

लेकिन हर रिश्ता सिर्फ खुशियों से नहीं बनता, उसमें कई बार दूरियाँ भी आती हैं। आज जब कई भाई-बहन नौकरी, पढ़ाई या अन्य कारणों से अलग-अलग शहरों में रहते हैं, तब राखी का यह पर्व और भी भावनात्मक हो जाता है। डाक से भेजी गई राखियाँ, वीडियो कॉल पर की गई पूजा, और यादों में डूबे हुए चेहरे ये सब आज के रक्षाबंधन की सच्चाई हैं।

कुछ बहनों को ये सौभाग्य नहीं मिल पाता कि वे अपने भाई को राखी बांध सकें,किसी की कलाई अब खाली रह गई है, क्योंकि वह भाई अब इस दुनिया में नहीं रहा। तो कहीं कुछ भाइयों की आँखें राह देखती हैं, कि काश उनकी बिछड़ी बहन एक बार फिर उनके दरवाज़े पर आ जाए। ऐसे लोगों के लिए रक्षाबंधन सिर्फ एक त्यौहार नहीं, बल्कि एक अधूरी कहानी की कसक है।

लेकिन रक्षाबंधन सिर्फ खून के रिश्तों तक ही सीमित नहीं है। इस दिन कई लड़कियाँ उन लोगों को भी राखी बांधती हैं जो उनके लिए किसी सगे भाई से कम नहीं। यह पर्व हमें प्रेम और सुरक्षा सिखाता है।

सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए उमेश त्रिवेदी द्वारा श्री सिद्धीविनायक प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 26-बी, देशबंधु परिसर, प्रेस कॉम्पलेक्स, जोन-1, एम.पी.नगर, भोपाल, म.प्र. से मुद्रित एवं 662, साई कृपा कॉलोनी, बॉम्बे हॉस्पिटल के सामने, इंदौर से प्रकाशित।

प्रधान संपादक
उमेश त्रिवेदी
कार्यकारी प्रधान संपादक
अजय बोकिल
संपादक (मध्यप्रदेश)
विनोद तिवारी
स्थानीय संपादक
हेमंत पाल
प्रबंध संपादक
रमेश रंजन त्रिपाठी

(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा)
RNI No. MPHIN/ 2015/ 66040,
Mobile No.: 09893032101
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

किस्सा कोताह में इस बार जंग तलब बादशाह

व्यंग्य

शांतिलाल जैन

लेखक व्यंग्यकार हैं।

हाँ तो हाज़िरीन, आगे हम आपको सुनाने जा रहे हैं किस्सा एक जंग तलब बादशाह का. खून के प्यासे हाकिम का. इंसानी गोश्त के तलबगार निज़ाम का. किस्सा यूरोप से भगाई गई कौम के मुल्क का है. किस्सा मध्य पूर्व के एक मुल्क में से काट कर बनाए गए मुल्क का है. नया नया मुल्क, नया नया निज़ाम. बरस सौ का भी अभी नहीं हुआ था. हजारों सालों की दुनिया में सौ से कम बरस का मुल्क!! नया ही तो कहाया. मुल्क नया नया भले हो मगर कहर ढ़हाने में कोई उसका कोई सानी नहीं. ये किस्सा उसी नए मुल्क के हालिया निज़ाम की भूख का है. भूख इंसानी गोश्त की, प्यास इंसानी लहू की, तलब नस्लकशी की, ख्वाहिश निज़ाम के विस्तार की, पर्देदारी नेशनलिज्म की, आड़ मुल्क बचाने जैसी बेबुनियाद दलीलों की. असली मकसद तख़्त-ओ-ताज़ बचाने का. जो नस्ल नाज़ियों की नस्लकशी का शिकार होकर यहाँ आई थी, हाकिम की अगुआई में वही अब नस्लकशी पर उतर आई थी.

तो हाज़िरीन, ये किस्सा भूख से दम तोड़ते बेगुनाह मासूम बच्चों का भी है, किस्सा रेत खाकर भूख मिटाते बच्चों का भी है. किस्सा बमबारी में मारे गए अम्मी-अब्बू को ढूंढते बच्चों का भी है. किस्सा इलाज़ के अभाव में दम तोड़ती जनानियों, बुजुर्गवारों का भी है, किस्सा खाने का सामान जुटाने की कतार में लगे बेगुनाहों पर गोलीबारी का भी है, किस्सा अस्पताल में इलाज कराते मरीजों पर होते हमलों का भी है, किस्सा हज़ारों के मारे जाने का भी है, किस्सा लाखों के विकलांग होते जाने का भी है, किस्सा जमींदोज़ कर दी गई बस्तियों के लापता बाशिंदों का भी है.

सच कहूं तो किस्सा हाकिम की जंग-तलबी बढ़ते जाने का ही है. हाकिम फौज को क़त्ल-ओ-ग़ारत-गिरी में मसरूफ़ रखता. जंग की भूख तृप्त होकर भी अतृप्त होती जाती, खूँ की प्यास ऐसी कि हाकिम जितना पीता उतनी बढ़ती जाती. उसकी बर्बरता हाल की तमाम यादों में दर्ज किसी भी घटना से कहीं अधिक क्रूर नज़र आती.

तो हाज़िरीन, नस्लकशी के लिए उसने कुछ नए हथियार इस्तेमाल किए. उसने रसद नागरिकों तक पहुँचने पर रोक लगा दी, बिजली पानी की सप्लाय काट दी. लाखों को बेघर कर दिया. नतीज़तन निशाने पर आई नस्ल के इंसान भूख से मरने लगे. उसने रसद-पानी लेने के लिए भीड़ जुटने दी, फिर भीड़ पर बम गिरा दिया. जितने मरे उतने मरे शेष ताउम्र अपाहिज़ हो गए. अस्पताल नष्ट करके वह और तृप्त हुआ. टार्च की रोशनी में, बिन-एनेस्थेशिया, ऑपरेशंस से निकलती घायलों की चीखें उसके कानों में मधुर संगीत का रस घोलती. वहाँ उसने न दवा आने दी न डॉक्टर. वंचित, विकलांग लोग एक बमबारी क्षेत्र से दूसरे तक पैदल भागते, रेंगते हुए, हिंसा से अपंग अपने शरीर को घसीटते हुए मजबूर होते, वह बीच रास्ते में गोलीबारी करा देता और खुश होता. जैसे जैसे दुश्मन मारे जाते वैसे वैसे इंसानी गोश्त की उसकी भूख मिटती भी जाती, जागती भी जाती. यही उसकी पसंदीदा खुराक होती. भूख से दम तोड़ते बच्चे उसकी पसंदीदा डिश में शुमार थे. उसे चालीस के दशक की मानिंद गैस के चेंबर नहीं बनाने पड़े, यह मकाम उसने रसद-पानी-दवा-इलाज़ रोक कर हासिल कर लिया. जंग तलब हाकिम भूतिया हिंदी फिल्मों की हीरोईनों की मानिंद खंडहरों में सफ़ेद साड़ी में गाना गाते भले घूमता न हो, उसे पूरा का पूरा शहर खंडहर में तब्दील कर देने में सुकून मिलता. जमींदोज़ इमारतों के मलबे के मंज़र उसकी चाहतें पूरी कर देते. जितना बर्बाद कर देता उतना खुश होता.

हाँ तो हाज़िरीन, हमारे किस्से के हाकिम की पीठ पर अंकल सैम का हाथ था. अंकल सैम की अपनी अलग किसम की भूख थी जो हथियारों की बिक्री से मिटती. उसकी भूख प्रोफिटियरिंग की थी, उसकी भूख चौधराहट से माल कमाने की थी. जगत-जमाने में चल रही हर जंग उसकी टकसाल में सिक्के ढलने का सबब बनती. मुनाफ़ा भुखमरी से निकलता, विकलांग होते शरीरों से निकलता, दम तोड़ते बच्चों के बदन से निकलता, जान गँवाते बुजुर्गवारों, घायल बीमार जनानियों की कराहों से निकलता. मुनाफ़ा न पाक होता है न नापाक. मुनाफ़ा मुनाफ़ा होता. सरमायादारी और जंग साथ साथ चलते.

हाँ तो हाज़िरीन, जंग तलब हाकिम कहाना चाहते थे अमन के फ़रिश्ते, नाम लिखा बैठे रवांडा, बोस्निया के हाकिमों की कतार में. उन्होंने अपनी कौम का कितना भला किया कौन जाने मगर नस्लकशी के अमिट दाग अपने आप पर भी लगा बैठे, अपने मुल्क पर भी. उनके खिलाफ़ आवाजें तो उठतीं मगर नक्कारखाने में तूती की मानिंद दबकर रह जाती. दबी आवाज़ में ही सही एक नुर्नबर्ग की मांग तो उभर ही रही है. बना तो उसका किस्सा लेकर हम फिर हाज़िर होंगे इसी जगह, इसी समय. अभी चलता हूँ, अलविदा.

कानून और न्याय

महिला अपराधी-1

विनय झैलावत

(पूर्व असिस्टेंट सॉलिसिटर जनरल एवं वरिष्ठ अधिवक्ता)

महिलाओं की गिरफ़्तारी के मामले में उचित प्रक्रिया जरुरी

बॉम्बे उच्च न्यायालय की नागपुर पीठ ने इस बात पर जोर दिया कि आपराधिक मामले में संदिग्ध व्यक्ति भी भारतीय संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत पूर्ण संरक्षण के हकदार हैं। इसमें गरिमा का अधिकार, निष्पक्ष प्रक्रिया और मनमानी गिरफ्तारी के विरुद्ध सुरक्षा शामिल है। यह निर्णय एक महिला से जुड़े मामले से उत्पन्न हुआ, जिसे अंधेरा होने के बाद अनिवार्य प्रक्रियाओं का पालन किए बिना गिरफ्तार किया गया था। इस महिला को उसे वित्तीय कदाचार से संबंधित एक आपराधिक शिकायत के कारण पुलिस ने हिरासत में लिया था।

बॉम्बे उच्च न्यायालय द्वारा हाल ही में अपने इस फैसले से एक बार पुनः महिला अपराधी के अधिकारों को चर्चा का विषय बनाया है। इससे पहले उच्चतम न्यायालय ने भी इस तरह के पुलिस के रवैये को नकारा है। उच्चतम न्यायालय ने भी खड़क सिंह विरूद्ध उत्तर प्रदेश राज्य में भी यह व्यवस्था दी थी। खड़क सिंह को उत्तर प्रदेश पुलिस के नियमों के अंतर्गत सर्वलाईंस में रखा गया था। उसे आशंका थी, कि उत्तर प्रदेश पुलिस उसके घर किसी भी वक्त आ सकती थी। इस पर उच्चतम न्यायालय ने यह ठहराया था कि पुलिस खड़क सिंह के घर तलाशी सूर्यास्त के उपरांत नहीं कर सकती है, क्योंकि यह उसकी निजता एवं मौलिक अधिकारों के खिलाफ है।

इस मामले में याचिकाकर्ता, एक महिला थी जो एक निजी कंपनी चलाती है। वह इस कंपनी की मुख्य कार्यवाहक अधिकारी थी। उसे वित्तीय कदाचार से संबंधित एक आपराधिक शिकायत के कारण पुलिस ने हिरासत में लिया था। याचिकाकर्ता बाबाजी दाते महिला सहकारी बैंक की पूर्व प्रमुख थीं। उनकी गिरफ्तारी शाम 6 बजे के बाद हुई। यह दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 46(4) के विरुद्ध है। यह धारा सूर्यास्त से पहले और बाद में गिरफ्तारी के विशिष्ट नियमों की रूपरेखा प्रस्तुत करती है। जब तक न्यायिक मजिस्ट्रेट की पूर्व स्वीकृति न हो, तब तक निर्धारित समय के बाद गिरफ्तार नहीं किया जा सकता है। असाधारण परिस्थितियों और अप्रत्याशित परिस्थितियों के लिए एक अपवाद भी है। इस महिला पर कुल 180 करोड़ रुपये के ऋण स्वीकृत करने का आरोप था। इस कारण यवतमाल स्थित सहकारी बैंक को भारी नुकसान हुआ।

इस प्रकरण में न्यायालय ने कहा कि हिरासत प्रक्रिया के संचालन में हुई गलती ने उनकी हिरासत को गैरकानूनी बना दिया है। भले ही आरोप कितने भी गंभीर क्यों न हों, लेकिन समय भी संदिग्ध था। साथ ही गिरफ्तार करने वाले अधिकारियों ने एक महिला पुलिस अधिकारी को भी गिरफ्तारी में शामिल नहीं किया था। यह दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 50 और डी.के. बसु बनाम पश्चिम बंगाल राज्य (1997) सहित सर्वोच्च न्यायालय के विभिन्न निर्णयों के अनुसार आवश्यक है। शीला बारसे बनाम महाराष्ट्र राज्य (1983) में भी इस बात पर जोर दिया गया था। इस मामले का मुद्दा सूर्यास्त के बाद, बिना महिला कांस्टेबल के और रिश्तेदारों को सूचित किए बिना की गई गिरफ्तारी की वैधता थी। यह दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 46(4) और 50ए का उल्लंघन है। इस मामले में इस महिला पर आरोप 242 करोड़ रुपए की ऋण धोखाधड़ी का था। इसमें परिवार से जुड़े लोग भी लेन-देन में शामिल थे।

इस गिरफ्तारी पर बॉम्बे हाईकोर्ट की नागपुर पीठ ने दृढ़ता से कहा कि एक संदिग्ध व्यक्ति, भले ही वह आरोपी हो या दोषी, किसी को भी अनुच्छेद 21 के अनुसार जीने और व्यक्तिगत स्वतंत्रता का अधिकार प्राप्त है। न्यायालय ने इस बात पर भी जोर दिया कि निर्दोषता की धारणा केवल एक प्रक्रियात्मक विवरण से कहीं अधिक है। यह राज्य द्वारा संभावित दुरुपयोग के विरुद्ध एक महत्वपूर्ण संवैधानिक सुरक्षा कवच के रूप में कार्य करती है। पीठ ने स्पष्ट शब्दों में गिरफ्तारी की निंदा करते हुए इसे अवैध, मनमाना और वैधानिक तथा संवैधानिक अधिकारों का उल्लंघन बताया। न्यायालय ने कहा कि किसी संदिग्ध व्यक्ति की गरिमा केवल इसलिए नहीं छीनी जा सकती, क्योंकि उसके विरूद्ध जांच चल रही है। प्रक्रियात्मक कानून केवल दिखावे के लिए नहीं है। वे कानून के शासन को बनाए रखने के लिए आवश्यक हैं।

न्यायालय ने डायरेक्टर जनरल ऑफ पुलिस को निर्देश दिया कि वे महिलाओं की गिरफ्तारी के संबंध में दंड प्रक्रिया संहिता की आवश्यकताओं और सर्वोच्च न्यायालय के निर्णयों के पालन को सुदृढ़ करने वाले परिपत्र जारी करें। साथ ही अनुचित तरीके से काम करने वाले अधिकारियों के खिलाफ विभागीय कार्रवाई का आदेश भी दिया। न्यायमूर्ति उर्मिला सचिन जोशी फाल्के ने महाजन की गिरफ्तारी को अवैध घोषित किया। क्योंकि, यह सूर्यास्त के बाद हुई और इसमें कानून में उल्लिखित आवश्यक कानूनी आवश्यकताओं का पालन नहीं किया गया। उच्च न्यायालय ने यह भी कहा कि जांच अधिकारियों ने हिरासत का कारण नहीं बताया और न परिवार को सूचित किया। यह दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 50 ए के विरुद्ध है। साथ ही महिला पुलिस अधिकारी की अनुपस्थिति में गिरफ्तारी हुई है। प्रबीर पुरकायस्थ बनाम राज्य मामले में सर्वोच्च न्यायालय कह चुका है कि यदि अभियुक्त को गिरफ्तारी के कारणों के बारे में सूचित नहीं किया गया हो तो गिरफ्तारी और रिमांड अवैध मानी जाएगी।

उच्च न्यायालय ने इस बात पर जोर दिया कि नागरिकों के मौलिक जीने और स्वतंत्रता के अधिकार की रक्षा करना राज्य और अदालत का दायित्व है। इसे मौजूदा कानूनी प्रक्रियाओं का पालन न करके छीना नहीं जा सकता। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि गिरफ्तारी के दौरान इन प्रक्रियाओं का कोई भी उल्लंघन गिरफ्तारी को अवैध बना सकता है। अदालत ने कहा कि दंड प्रक्रिया संहिता द्वारा निर्धारित दिशा निर्देशों का कड़ाई से पालन किया जाना चाहिए। गिरफ्तारी के दौरान महिलाओं के लिए सुरक्षा उपायों को दोहराते हुए, बॉम्बे कोर्ट ने क्रिश्चियन कम्युनिटी वेलफेयर काउंसिल ऑफ इंडिया बनाम महाराष्ट्र राज्य (1995) के ऐतिहासिक फैसले का भी हवाला दिया। इसमें अदालत ने स्पष्ट रूप से कहा था कि किसी भी महिला को महिला कांस्टेबल की उपस्थिति के बिना हिरासत में या गिरफ्तार नहीं किया जाएगा। यह किसी भी स्थिति में सूर्यास्त के बाद और सूर्योदय से पहले नहीं होगा।

इस फैसले ने महिलाओं के लिए प्रक्रियात्मक सुरक्षा का आधार बनाया गया है। इसे बाद में 2005 के संशोधन के माध्यम से दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 46(4) के तहत संहिताबद्ध किया गया। यह फैसला अनुच्छेद 21 से जुड़े न्यायशास्त्र के समृद्ध ताने-बाने को और मजबूत करता है। साथ ही कानून द्वारा स्थापित प्रक्रिया के अनुसार जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता की सुरक्षा सुनिश्चित करता है। सर्वोच्च न्यायालय ने इस प्रावधान के अर्थ को व्यापक बनाया है। सम्मानपूर्वक जीवन जीने के लिए, मनमानी गिरफ्तारी और हिरासत, कानूनी सहायता का अधिकार और निष्पक्ष प्रक्रिया का अधिकार महत्वपूर्ण है। न्यायालय ने पहले ही स्पष्ट किया है कि गिरफ्तारियां न केवल कानूनी होनी चाहिए। लेकिन साथ ही आवश्यक भी होनी चाहिए। वर्तमान निर्णय इसी मूलभूत सिद्धांत पर आधारित है। यह फैसला पुलिस पर कानून के दायरे में काम करने की जिम्मेदारी डालता है। जांच के दौरान और किसी भी औपचारिक आरोप से पहले भी, यह आवश्यक है।

(शेष अगले कॉलम में)

निव्वल हत्या की तथा कथा नहीं है - 'मंडला मर्डर्स'

फिल्म समीक्षा

आदित्य दुबे

(लेखक वेबसाइट ई-अंतर्भव के प्रबंध संचालक हैं ।)

सिरीज़ की कहानी की शुरुआत उत्तर प्रदेश के एक काल्पनिक गांव 'चरणदासपुर' से होती है, जहाँ कई साल के बाद दोबारा अजीब और डरावनी हत्याएं शुरू हो जाती हैं। इन हत्याओं का रिश्ता एक पुराने गुप्त संगठन 'आयस्त मंडल' से जुड़ता है। इस केस की जांच सीआईडी अफसर रिया थॉमस (वाणी कपूर) करती हैं। मजेदार बात यह है कि रिया का खुद का अतीत भी रहस्यमयी है। रिया के साथ इस केस में जुड़े हैं विक्रम सिंह (वैभव राज गुप्ता), जो एक निलम्बित पुलिस अफसर हैं। इस मामले से उनका पर्सनल रिश्ता भी है। सिरीज जाति, पुरुष प्रधान सोच और व्यवस्था की लापरवाही जैसे मुद्दों को छूती है, लेकिन इन पर बहुत गहराई से बात नहीं कर पाती। इसलिए इनका असर अधूरा रह जाता है।

ने टफ्लिक्स पर हाल ही में रिलीज़ वेबसिरीज़ - 'मंडला मर्डर्स' पारिभाषिक तौर पर ज़रुर एक मर्डर मिस्ट्री है, लेकिन यह एक निव्वल हत्या की गुत्थी सुलझाने की तथाकथा ही नहीं है जैसी आमतौर पर होती हैं। इसमें सिर्फ अपराध नहीं है, बल्कि इसके साथ पुरानी कहानियों से जुड़ी बातें, अंधविश्वास,राजनीति और व्यवस्था की सच्चाइयों को सामने लाने वाली कथाएं भी जुड़ीं है। इसी कोशिश में सिरीज़ की कहानी थोड़ी अलग लगती है, हालांकि, कुछ प्रसंगों में व्याख्या जरूरत से ज्यादा फुटेज लेती नज़र आती है जिससे मूल कहानी का प्रभाव छोड़ धुँधला जाता है ।सिरीज़ की शुरुआत काफी पुरअसर है। पहले कुछ एपीसोड सस्पेंस और माहौल को बनाने में काफी सफल रहते है। गाँव, जंगल, गहन अंधकार और वहाँ के लोगों में छाई चुप्पी, ये सब मिलकर कहानी को और भी रहस्यमयी बनाते हैं। लेकिन धीरे-धीरे कहानी की पकड़ ढीली पड़ने लगती है। कुछ हिस्से ऐसे हैं जो जरूरी नहीं लगते और कहानी को भटकाते हैं।

सिरीज़ की कहानी की शुरुआत उत्तर प्रदेश के एक काल्पनिक गांव 'चरणदासपुर' से होती है, जहाँ कई साल के बाद दोबारा अजीब और डरावनी हत्याएं शुरू हो जाती हैं। इन हत्याओं का रिश्ता एक पुराने गुप्त संगठन 'आयस्त मंडल' से जुड़ता है। इस केस की जांच सीआईडी अफसर रिया थॉमस (वाणी कपूर) करती हैं। मजेदार बात यह है कि रिया का खुद का अतीत भी रहस्यमयी है। रिया के साथ इस केस में जुड़े हैं विक्रम सिंह (वैभव राज गुप्ता), जो एक निलम्बित पुलिस अफसर हैं। इस मामले से उनका पर्सनल रिश्ता भी है। सिरीज जाति, पुरुष प्रधान सोच और व्यवस्था की लापरवाही जैसे मुद्दों को छूती है, लेकिन इन पर बहुत गहराई से बात नहीं कर पाती। इसलिए इनका असर अधूरा रह जाता है।

अभिनय के लिहाज से देखें तो वाणी कपूर ने पहली बार ओटीटी पर काम किया है। सिरीज़ की शुरुआत में उनका अभिनय अच्छा लगता है, शान्त, समझदार और एकदम प्रोफेशनल। एक्शन वाले सीन में भी उनका काम ठीक है। सिरीज में कई ऐसे सीन आते हैं जहाँ उनके चरित्र को दुख, गुस्सा, डर या कोई गहरी भावना दिखानी होती है। दरअसल दर्शकों को भी वो भाव महसूस होना चाहिए इस पैमाने पर वाणी कपूर की एक्टिंग उतनी असरदार नहीं लगती। उनके चेहरे के हावभाव या उनकी आवाज में वो भाव नहीं आता जो उस पल की जरूरत होता है। जैसे अगर उनका चरित्र किसी दर्दनाक घटना को याद कर रहा है या किसी अपने को खोने का दुख जता रहा है, तो उनका एक्सप्रेशन थोड़ा फीका या बनावटी लगता है। 'गुल्लक' से पहचाने जाने वाले वैभव ने इस बार बिल्कुल अलग और गंभीर भूमिका निभाई है। विक्रम सिंह का किरदार ऐसा है जो बाहर से सख्त दिखता है, लेकिन अन्दर ही अन्दर बहुत कुछ झेल रहा है और ये सारे बाल वैभव ने बड़ी सादगी से निभाए हैं। उनकी आँखों में डर, गुस्सा और उलझन सब साफ नजर आता है। यही वजह है कि उनका चरित्र सबसे ज्यादा जुड़ाव पैदा करता है। सुरवीन चावला ने अनन्या भारद्वाज की भूमिका निभाई है, जो एक पॉलिटीशियन हैं उनकी उपस्थिति भी प्रभावित करती है । उनका चरित्र छोटा है, लेकिन ध्यान खींचता है। श्रिया पिलगांवकर की भूमिका ज्यादा बड़ी नहीं है, लेकिन वह कहानी में एक अहम मोड़ लाती हैं। वह ज्यादातर फ्लैशबैक में दिखाई देती हैं, लेकिन उनकी मौजूदगी से कहानी में गहराई आती है। बाकी कलाकारों ने भी अपने किरदार ईमानदारी से निभाए हैं, जिससे सिरीज का माहौल असली लगता है।

सिरीज की कमजोरियों की बात करें न तो कुछ रोमांटिक सीन और कुछ किरदारों की बैक स्टोरी कहानी में जरूरत से ज्यादा लगती है। टाइमलाइन भी कई जगह उलझी हुई है, जिसे समझने में मेहनत लगती है। जब लगता है कि क्लाइमेक्स में सारी बातें साफ हो जाएंगी, तब थोड़ी निराशा होती है । फिर भी सिरीज़ में कुछ ऐसी बातें हैं जो इसे एक बार देखने लायक बनाती हैं। जैसे इसका माहौल, कैमरे का काम और वैभव राज गुप्ता की एक्टिंग। अगर आपको धीमी लेकिन सोचने पर मजबूर करने वाली कहानियां पसंद हैं, तो ये सिरीज आपको जरूर पसंद आ सकती है।

लोक कला, चौक पुरना और उसके विविध रूप

कला

पंकज तिवारी

कला समीक्षक

शास्त्रीय कला निर्मिति हेतु शास्त्रों का ज्ञाता बनने का प्रयास करना पड़ता है जबकि लोक कला भाई, बहन, माँ, बाप के आपसी प्रेम जैसी है जहाँ रिश्तों हेतु प्रमाण देने की आवश्यकता नहीं होती है बल्कि वो खून में ही होता है मतलब लोक कला भी समाज में बसे लोगों के खून में है जो समय और अवस्था के साथ कदमताल मिला कर चलती है, सुंदर-असुंदर से परे होकर, परिणाम के परवाह से इतर। सच्चाई तो ये है कि कृतियाँ सुंदर हैं या असुंदर यह देखने वालों के नेत्रों और दृष्टिकोणों पर निर्भर करता है। लोक कलाकारों में बड़ी अच्छी बात ये होती है कि वो दम्भ से परे होते हैं बिल्कुल ही जमीन से जुड़े हुए, उनके भाव, रंगों के जमीनी होने के जैसे। लोक कला को सीखने हेतु किसी स्कूल और ट्यूशन की आवश्यकता नहीं होती? ये ऐसे ही पीढ़ी-दर-पीढ़ी आगे बढ़ती रही है और बड़े स्तर पर आगे बढ़ी है और सृष्टि के सृजन के साथ से ही चली आ रही है और सब से बड़ी बात ये है कि सभी के जीवन में अहम स्थान भी रखती है बिना इसके जीवन नीरस सा हो जाता है। रीति-रिवाज के अनुसार ही सही हम अपने समाज के कला के साथ जुड़े होते हैं और यही होती है लोक कला। जमीन और दीवार पर अंगुली, बांस की कैनी, रूई, सूखा कपड़ा और ऐसे ही आसानी से प्राप्त हो जाने वाली वस्तुओं के साथ ही चावल, दाल, आंटा, गाय के गोबर जैसे चीजों से आसानी से बन जाने वाले इन चित्रों के भाव बहुत ही सरल भी और गूढ़ भी होते हैं जिसके पीछे प्रथा और वर्षों पुरानी कहानियाँ जुड़ी होती है। चर्चा जब पूरे देश के लोक कलाओं पर होगी तो बात और विस्तार से होगी फिलहाल हम अवधी और उत्तर प्रदेश की कला पर ही चर्चा कर रहे हैं जहाँ एक से बढ़कर एक कला का जिक्र है और कुछ के शुरुआती स्थान, रीति-रिवाज, समय पर संदेह भी हो सकता है कारण एक ही जैसी कला एवं एक ही समय पर अनेक जगहों पर उपस्थित है तो कहीं उस पर पहले लिखा या सहेजा जा चुका है तो कहीं बाद में या फिर नहीं भी सहेजा जा सका है पर सहेजने ना सहेजने से कला के ना होने की बात तो नहीं हो सकती। लोक कला परिवार में पीढ़ी-दर-पीढ़ी अपने आप आगे बढ़ी है। अपने यहाँ के लिए कहा गया है कि 'कोस-कोस पे बदलै पानी, चार कोस पे बानी।' तो क्या कोई अपने नल के पानी को अपना कहने में हिचकता है या कहता है कि ये तो दूसरे प्रदेश का पानी है? नहीं कहता है। मतलब जो रीति-रिवाज हमारे यहाँ है, वो पहले से ही रहा होगा, हमारे समाज और संस्कृति में रहा होगा, गाँव, शहर, जिले और प्रदेश में रहा होगा और देश में भी। हाँ इतना अवश्य रहा होगा कि गाँव से शहर या शहर से प्रदेश तक पहुँचने में उसके रूपों में बहुत परिवर्तन हुआ रहा होगा। रूप भले बदल गया होगा पर परिवार तो वही रहा होगा। एक ही परिवार के दस लोग दस चेहरे वाले होते हैं तो क्या मुखिया से किसी का रिश्ता कम आँका जा सकता है क्या? नहीं। मानना भी नहीं चाहिए। यहाँ हमें इस भ्रम से भी दूर रहना है कि फला कला हमारे यहाँ पहले आई या आपके यहाँ बहुत पीछे। लोक कला परिवार के साथ होती है और परिवार के अलग-अलग सदस्य अलग-अलग जगह पर भी जाएंगे तो कला वहाँ-वहाँ भी जाएगी, कहीं अपने मूल रूप में तो कहीं वर्तमान परिस्थितियों के हिसाब से कुछ परिवर्तित अवस्था में ही सही। ये पहले और बाद में के चक्कर से या अपने-पराए से ऊपर उठकर बात करने में ही लोक कला और हम सभी की भलाई है। बात चौक पुरना का है तो ये भी सत्य है कि ये अपने पूरे देश में फैला है या कह सकते हैं बाहर भी होगा, शत-प्रतिशत होगा ही बस नाम अलग-अलग होने की गुंजाइश है। रंगोली, आपना, अहपन, अल्पना, चौक पुरना ये सभी एक ही कला के बहुधा रंग हैं।

बात चौक पुरना और उसके विधि-विधान की
मचियइ बइठी सासू, बहू के मेहना मारइ।
बहू कहां बसे भैया तोहार, कभंउ नाहीं आयेन।।
जिनि सासू अंगना लिपावऽ, तऽ चउक पुरावऽ।
सासू हम नाहीं बइठब चउकवा, बिरन नाहीं आयेन।।
बहिनी जाइके देखऽ भैया के डगरिया, केतनि दुरियां बाटेन्।
दुअरे घोड़ ढेहनानेन, बदर घहरानेन।
बहिनी भैया त पहुंचे दुअरवां, त छतिया जुड़ानिन
अब सासू अंगना लिपावऽ त चउकऽ पुरावऽ।
सासू अब हम बैठब अंगनवा बिरन मोर आयेन।।
- और दूसरा है कि
गैया के गोबरा मंगायेंव,
त अंगना लिपायेव,
चौक देवाएव।
बहिनी सेहि चौके,
बैठे सतिनरायन बाबा,
ओढ़े पीतांबर
जौ मैं जनती
सतिनरायन बाबा
अंगन मोर अइहैं
बहिनी निहुरि-निहुरि
पंउवा लगतेउ
मगन किछु मंगतेउ

इन दोनों रचनाओं से एक बात तो साफ हो गई कि बिना चौक पुरना के कोई भी शुभ काम नहीं किया जा सकता, शुरुआत ही चौक पुरना से होना है। आइए अब इसके निर्माण प्रक्रिया पर भी बात करें।

चौक पुरना के बनाने में कोई विशेष बात नहीं है बल्कि एकदम आसान है पर बन जाने के बाद उसके रेखा, रंग और भाव पर पूरा का पूरा ग्रन्थ लिखा जा सकता है। विंदु जिसको कि सृष्टि को साकार करने वाला माना जा सकता है, जिसका विस्तार हर जगह देखने को मिलता है, रेखा, गोलाई, स्वास्तिक, त्रिकोण, चतुष्कोण, त्रिषूल, कुंभ आदि जगहों पर भी विंदु का महत्व है। चौक पुरने की प्रथा पूरे भारत में विविध रंगों में विराजमान है पर उत्तर प्रदेश में इसकी खूब धूम है। यहाँ हर एक कार्यक्रम, उत्सव और शुभ अवसरों पर आंटा, हरदी, गोबर, जैसे वस्तुओं से बनाने की प्रथा है। चौक बनाने से पहले जगह पर पानी का छींटा मार कर या कहीं-कहीं पानी में गंगाजल मिला कर जगह को पवित्र करने की प्रथा भी है। उसके बाद गाय के गोबर से लिपाई के बाद गेहूं, जौ या चावल के आंटा से इसे बनाने की प्रथा है।

चौक में प्रयुक्त बिंदु से बहुत विस्तार की बात है जहाँ बिंदु ही ब्रह्माण्ड है वाली बात चरितार्थ होती है। इसके बाद इसी विंदु का सफर स्वास्तिक तक पहुंच जाता है, स्वास्तिक जिसके बारे में ये बात जगजाहिर है कि ये संसार का सबसे शुभ और बढ़िया मांगलिक चिन्ह है, यहाँ चारों रेखाओं को भगवान विष्णु की चार भुजा माना गया है। सीधी और पड़ी रेखा पुरुष, महिला को दर्शाते हैं जिसके बल पर संसार चलायमान है। अलग-अलग ग्रंथों में स्वास्तिक को लेकर अलग-अलग बातें प्रकाश में आती हैं पर सौ बात की एक बात कि चौक पुरना मांगलिक कार्यों हेतु सबसे शुभ है और जिसका प्रयोग अक्सर चौक पुरना में होता है।

स्वास्तिक के चारों तरफ बहुत अधिक संख्या में रेखाओं को खींचने का भी रिवाज है जो सुख-समृद्धि के अधिक विस्तार की परिचायक है। कहीं न कहीं कुंभ का प्रयोग भी जरूरी होता है चौक में। पूर्ण कुंभ मतलब जलमग्न कुंभ, ये परिवार के भरा-पुरा होने की निशानी है, ये सुख-समृद्धि और जिंदगी के पूर्णता की निशानी है। कुंभ में भरा जल जीवन में प्राण की निशानी है। पूरे चौक को जब गहनता से देखा जाता है तो मालूम होता है कि इसमें क्या नहीं है? सबकुछ है यहाँ यथा सूरज, अग्नि, इंद्र, वरुण, सोम, ब्रह्मा, विष्णु, महेश के साथ ही जिंदगी के उतार-चढ़ाव, मनुष्य, स्त्री, धर्म, अर्थ, काम, मोक्ष के साथ ही जिंदगी के चारों आश्रमों का भी जिक्र है। जिंदगी के गूढ़ रहस्यों को उजागर करने में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका है जिसमें यह बताया जाता है कि सूर्य की भांति चमकते हुए दूसरों के जीवन में भी प्रकाश भरना चाहिए और अपने कर्तव्यों को बकायदा निबाहना चाहिए। गृहस्थ आश्रम के बाद आत्मिक शांति हेतु वानप्रस्थ और संन्यास की तरफ को भी बल की बात है।

...और क्या कह रही है जिंदगी

ममता तिवारी
लेखिका साहित्यकार हैं।

विदा लेता सावन.....जाने क्या-क्या ले गया?

बाढ़, सूखा, चक्रवात, भूकंप, भूस्खलन बार-बार हुआ हमने प्रकृति को कोसा ये नहीं देखा हमने पर्यावरण को कितना बिगाड़ा कि एक गाँव हमारी आंखों के सामने बह गया उसका अस्तित्व ही मिट गया। बादल फटना, तरह-तरह की बीमारियाँ चीख के बतता रही है इस सावन में हमने खुद से ऐसे कर्म किये कि हमारा नुकसान हुआ इसे हम प्राकृतिक आपदा नहीं कह सकते। पहलगाम की सुंदर घाटियाँ रक्त रंजित हुई। आपरेशन सिंदूर दो देशों की लड़ाई का गवाह बना। अहमदाबाद लंदन की फ्लाइट में जाने कितने यात्री अपनी जान गंवा बैठे। केदारनाथ के पास हेलीकॉप्टर गिरने से लोगों की मृत्यु हुई उत्तरकाशी के धराली में बादल फटा हजारों की मौत हुई। 2013 में केदारनाथ की आपदा जिसमें 6000 लोगों की मृत्यु हुई थी उससे हमने सबक नहीं लिया। हम पेड़ काटते रहे। होटल बनाते रहे इंतज़ार करते रहे इस साल होने वाले हादसे का।

सावन की हमारे भारत में एक अनुपम महत्ता है। बारिश की रिमझिम, हरियाली, पत्तों का रंग बदलना सारे तीज त्यौहार, खाने में संयम सिखाता, व्रत उपवास। प्रकृति अपना रूप बदलती है। बहनों बेटियों का मायके आना छूट सा गया। इस बरस सावन अपने साथ बहुत कुछ ले गया। प्रकृति ने सयंम खोया कहीं अंधाधुंध बारिश हुई। कहीं पानी की इक बूंद न गिरी। बाढ़, सूखा, चक्रवात, भूकंप, भूस्खलन बार बार हुआ हमने प्रकृति को कोसा ये नहीं देखा हमने पर्यावरण को कितना बिगाड़ा कि एक गाँव हमारी आंखों के सामने बह गया उसका अस्तित्व ही मिट गया। बादल फटना, तरह तरह की बीमारियाँ चीख के बतता रही है इस सावन में हमने खुद से ऐसे कर्म किये कि हमारा नुकसान हुआ इसे हम प्राकृतिक आपदा नहीं कह सकते। पहलगाम की सुंदर घाटियाँ रक्त रंजित हुई। आपरेशन सिंदूर दो देशों की लड़ाई का गवाह बना। अहमदाबाद लंदन की फ्लाइट में जाने कितने यात्री अपनी जान गंवा बैठे। केदारनाथ के पास हेलीकॉप्टर गिरने से लोगों की मृत्यु हुई उत्तरकाशी के धराली में बादल फटा हजारों की मौत हुई। 2013 में केदारनाथ की आपदा जिसमें 6000 लोगों की मृत्यु हुई थी उससे हमने सबक नहीं लिया। हम पेड़ काटते रहे। होटल बनाते रहे इंतज़ार करते रहे इस साल होने वाले हादसे का। प्रयागराज में सड़के घर मंदिर सब डूबे क्योंकि ड्रेनेज सिस्टम, नालियों से पानी का निकास कुछ भी ठीक ना था। यूपी में अयोध्या, बलिया जैसी जगहों पर पानी घुस गया। इस बार राजस्थान में बारिश की बजाय बोतलों के पानी से खेती बचाने का मंज़र देखा। कहीं इतना पानी भरा कि पूरी की पूरी फसल तबाह हो गई सामान्य वर्षा कहीं नहीं। सब तरफ संतुलन बिगड़ा रहा। केदारनाथ में बाढ़ के बाद भी लोग जा रहे। इधर मनसादेवी केमंदिर में धक्का मुक्की। मानों सावन में ही दर्शन करने से भगवान की कृपा होगी। मंदिरों में अव्यवस्था के चलतेभगदड़ मची सरकार की व्यवस्था चरमराई सी रही।

सबसे दुःखद समाचार ये है किएक युग का अंत हुआ 171 सालों हमारे माँ बाप पूर्वजों ने जिस पंजीकृत डाक से चिठ्ठी भेजा करते थे अब वो भरोसेमंद सेवा 1 हमेशा के लिये बंद हो जायेगी अब ना पोस्टकार्ड ना अंर्तदेशीय ना रजिस्ट्री मनी आडंर। राखी पर अभी भी हम तो राखी भेजने की परंपरा पर कायम थे। अब ये स्पीड पोस्ट से मर्ज किया जायेगा। बच्चे अब म्यूजियम में लाल डिब्बा जिसमें चिठ्ठी डाली जाती थी डाकिये की घंटी वाली साइकिल लिफाफे, पोस्टकार्ड, अंर्तदेशीय देखेंगे मानती हूँ तेजी का जमाना है पर ये एक खूबसूरत परंपरा इस सावन के साथ बिदा हो जायेगी मुझे अफ़सोस है। भई हमने तो आशिको को अपने जमाने में चिठ्ठी जो दोस्तों के पते पर मंगाते थे उसका ज़माना गया हॉ भई ई-मेल का ज़माना है पर पूछता तो वही हैं ना और क्या कह रही है ज़िंदगी? चिठ्ठी की याद में इक नज़्म.....

...खत... चिट्ठी ...पत्र... कागज के दिल पर लिखकर

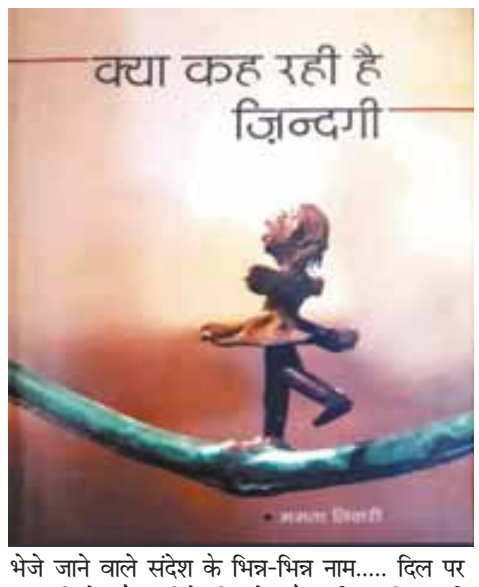

भेजे जाने वाले संदेश के भिन्न-भिन्न नाम..... दिल पर हाथ रखिये और कहिये, कि पोस्टमैन की साइकिल की घंटी लेटर बॉक्स खोलने की उत्सुकता, लिफाफे को सीने से लगाकर आँख मूंद कर सोचना कि क्या लिखा होगा खत में। धत... ई-मेल ने सब गड़बड़ कर दिया कहाँ किताबों में खतों को छुपाकर रखना और अब इनबॉक्स में से पढ़ते ही डिलीट कर देना।... पर, आज भी याद आता है खतों का जमाना... कितने खत ऐसे भी थे डाक में डाले ही नहीं गये पर उनके जवाब हमें मालूम थे।

जो आज तक ना कह पाया
इस पत्र में सब कह गया
छुपाये रखा था जिस समंदर को कुरों में
वो खारा पानी कागज पर बह गया
ये दिल से निकली बातें हैं,
इन्हें तुम सब को न पढ़ाना
बस,
यही तो वो ख़त था
जो डाक में जाने रह गया।

आस

पोस्टमैन की साइकिल की घंटी,
मेरे दिल की धड़कनें बढ़ा देती है।
ख़त हाथ में आते ही,
उनकी यादें भी साथ चली आती है।
एक मदहोश करने वाली, लिफाफे की खुशबू
जेहन पर छा जाती है।
स्याही की लिखावट
उसकी उंगलियों की छुअन याद दिलाती है।
कागज़ का खुरदरा अहसास
दिल को गुदगुदाता है।
पत्र पर लिखा मज़मून
ठंड की गर्म चाय सा गर्माता है।
ऐसे जाने कितने ख़त डाकिया लाता रहा....
और हर दीवाली पर इन्हीं ख़तों का इनाम पाता रहा...
मण्डला, 1985

.....अंतराल.....

अब तो लगता है।
चिट्ठी गुज़रे ज़माने की बात हो गई
और डाकिये के इंतज़ार की सुनहरी घड़ियाँ
समय की भट्टी में खाक हो गई
पर जाने क्यूँ...?
अब भी डाकिये के आने के वक्त पर
दिल मचलता है ।
घंटी की आवाज़ से बच्चों सा उछलता है।
दौड़कर दरवाजे की तरफ फुदकता है
थपथपाते हुये उस नादान को वापस सुला देती हूँ
और खुद को समझाते हुये कहती हूँ कि,
..... दिल तो बच्चा है जी!

उपाध्याय 108 श्री विभंजन सागरजी मुनिराज के सानिध्य में पत्रकार वार्ता संपन्न

स्वस्थ समाज बनाने में पत्रकारों की अहम भूमिका, वे समाज को सकारात्मक दिशा प्रदान कर सकते है : उपाध्याय 108 श्री विभंजन सागरजी मुनिराज

धार। दिगम्बर जैन संत सदन में परम पूज्य गुरुदेव विभंजन सागरजी मुनिराज के सानिध्य में एक पत्रकार वार्ता का आयोजन किया गया । इस गरिमामय पत्रकार वार्ता में शहर के पत्रकारो ने अपनी सहभागिता दी ।

कार्यक्रम का शुभारंभ संघस्थ प्रगति दीदी ने मंगलाचरण कर किया। तत्पश्चात सम्माननीय अतिथि पत्रकार बंधुओं ने आचार्य श्री के चित्र के समक्ष द्वीप प्रज्वलन किया व पूज्य गुरुदेव के पाद प्रक्षालन का लाभ भी प्राप्त किया ।

अतिथियों का स्वागत समाज के पदाधिकारियों द्वारा किया गया। स्वागत भाषण समाज अध्यक्ष श्रेणिक गंगवाल ने दिया । मुनिश्री उपाध्याय 108 श्री विभंजन सागरजी ने जैन धर्म के भगवान महावीर 5 मूल सिद्धांत,अहिंसा,अपरिग्रह ब्रह्मचर्य अचौर्य, पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह धर्म के साथ हमारे जीवन जीने के मूल आधार है। इन सिद्धांतो को अपने जीवन में अमल में लाकर सुखमय जीवन जी सकते है। हम यह अपनाले तो मनुष्य के जीवन में कष्ट नहीं होंगे ।

मुनिश्री ने कहा एक स्वस्थ समाज बनाने में पत्रकारों की अहम भूमिका होती हैं वह समाज को सकारात्मक दिशा प्रदान कर सकते है।

इस पर पत्रकार बंधुओं की और से गुरुदेव को विश्वास दिलाते हुए कहा कि यह हम सभी का परम सौभाग्य हैं कि इस चातुर्मास में आपका सानिध्य मिलना हम सभी धार वासियो का सौभाग्य है हम आपकी वाणी सदविचार जन जन तक पहुंचायेंगे ओर एक स्वस्थ समृद्ध समाज के निर्माण में हम अपना पूरा योगदान देंगे । गुरुदेव ने सभी पत्रकारों को आर्शीवाद दिया । पत्रकार वार्ता में समाज से मुख्य रूप से संजय छाबड़ा अजय ,संजय लुहाड़िया, वीरेंद्र जैन,नरेश काला मौसम झांझरी,सतीश लुहाड़िया, अनुपम जैन रूपेश जैन नरेंद्र काला,नेहा जैन, शिवानी रावका, ममता गंगवाल आदि सदस्यों उपस्थित थे। प्रभार पारस गंगवाल द्वारा व्यक्त किया गया। कार्यक्रम का संचालन मीडिया प्रभारी संजय गंगवाल द्वारा किया गया।

श्री धारनाथ बाबा के छबीने (नगर भ्रमण) की श्री धर्मस्थान रक्षक मंडल द्वारा तैयारियां शुरू

धार। बरसों की परंपरानुसार इस वर्ष भी 18 अगस्त सोमवार को श्री धारनाथ बाबा छबीने के रूप में नगर भ्रमण करेंगे । श्री धर्मस्थान रक्षक मंडल धार ने मंडल अध्यक्ष डॉ शरद विजयवर्गीय के मार्गदर्शन में तैयारियां प्रारंभ करदी गई है। जानकारी देते हुए मंडल सचिव अजय डॉ मनोहर सिंह ठाकुर (एडवोकेट) ने बताया की श्री राजाधिराज धारनाथ बाबा के छबीने का 79वां वर्ष होकर अपने पूरे राजसी ठाठ बाट से ढोल नगाड़े बैंड के साथ राजसी परम्परा के साथ पालकी में सवार हो नगर भ्रमण पर प्रजा का हाल चाल जानने हेतु निकलेंगे ।

श्री धारनाथ बाबा को परंपरानुसार इस वर्ष भी मांझी समाज के युवाओं द्वारा कंधे पर उठा बिना पादुका के नगर भ्रमण कराया जायेगा। समाज के द्वारा अपनी तैयारिया भी प्रारंभ कर दी गई है। मंडल के संरक्षक द्वारका अग्रवाल,उपाध्यक्ष कन्हैयालाल यादव,भगवानदास मालवीय,पूनम फकीरा, शशि श्रीवास्तव,द्वारकाधीश राठौर,महामंत्री ज्ञानेंद्र त्रिपाठी,नवनीत जैन,ईश्वर सिंह ठाकुर, कोषाध्यक्ष बलवीर अरोरा,आशुतोष विजयवर्गीय सहित पदाधिकारी मुन्नालाल राठौड़,अंतिम राठौड़, रंजीत राठौड़,लखन शर्मा,आशु ठाकुर,सहित सभी ने नगर में आयोजन को भव्य बनाने हेतु अपने अपने स्तर पर कार्य प्रारंभ कर दिए है।

मंडल इस वर्ष भी बाबा को समस्त नगर की और से पोशाक भी अर्पित करेगा जिसे पहन बाबा नगर भ्रमण करेंगे। मंडल अपनी परंपरानुसार समस्त धर्मप्रेमी जनता को बाबा का प्रसाद पहुंच सके इस हेतु 101 किलो का प्रसाद भी बनाया जाने हेतु तैयारियां की जा रही है । मंडल पदाधिकारी, सदस्य गण कलेक्टर एव पुलिस अधीक्षक से मुलाकात कर समस्त आयोजन की रूप रेखा से अवगत कराएंगे।

दुर्घटनाओं और ट्रैफिक जाम को रोकने बरेठा घाट में दो जगह चौड़ी होगी टर्निंग

अभी बरेठा घाट 6 से 10 मीटर चौड़ा, इसलिए लग रहा जाम

बैतूल। भोपाल-नागपुर फोरलेन पर बरेठा घाट सेक्शन में मंदिर के पास के दो खतरनाक मोड़ अब चौड़े किए जाएंगे। इसके बाद इन मोड़ों पर वाहन आसानी से मुड़ सकेंगे और यहां पर वाहन पलटने व ट्रैफिक जाम की स्थितियां भी बहुत कम रह जायेगा। दरअसल एनएचएआई ने यहां पर काम करवाने की योजना बनाई है, लेकिन बरेठा घाट में निर्माण का मामला होई कोर्ट में होने के कारण यहां पर संकरा है। इस कारण यहां वाहन चालकों को बरेठा घाट में परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। खासकर बरेठा मंदिर के पास खतरनाक मोड के साथ-साथ उतार-चढ़ाव वाली स्थित है, जिससे बड़े वाहनों को टर्निंग में काफी परेशानी जाती है। कई बार घाट में वाहनों के फंसने या पलटने से घंटो लंबा जाम लग लग जाता है। इसके अलावा 21 किमी सडक़ मेंटेनेंस के अभाव में गड्ढों से पटी पड़ी है। एक-एक फीट गहरे गड्ढे हो चुके हैं। बारिश में तो ये गड्ढे समझ भी नहीं आते। इस कारण वाहन दुर्घटना के भी शिकार हो रहे हैं।

अक्सर लगते है लंबा जाम, चालक होते है परेशान

– बरेठा घाट में ट्रक पलटने या बड़े वाहनों के कारण अक्सर जाम लगते है। वहीं घाट में छोटे-मोटे जाम तो आमबात है। जिसके पीछे एक कारण यह है कि 51 किलोमीटर फोरलेन 30 मीटर चौड़ा बन गया है, लेकिन बरेठा घाट 6 से 10 मीटर चौड़ा ही है। यहां टर्निंग पर सडक़ बमुश्किल 6 मीटर चौड़ी है, इस कारण वाहन फंस जाते हैं और कई बार तो पलट जाते हैं। अधिकांश जाम मंदिर के दोनों ओर की संकरी टर्निंग पर लगते हैं। यहां बड़े वाहनों के टर्न करने के दौरान रिवर्स आने की भी अधिक संभावना रहती है। यदि घाट के मंदिर के समीप की दोनों जगहों पर टर्निंग की चौड़ाई बढ़ाई दी जाये तो काफी हद तक वाहन चालकों को जाम की राहत मिल जायेगी।

घाट सेक्शन में बनाए जाने हैं दो एनिमल अंडरपास

बैतूल से इटारसी के बीच 650 करोड़ से 72 किलोमीटर फोरलेन बनना था। इसमें से 21 किलोमीटर में काम रुका हुआ है। फोरलेन निर्माण से बाघों और अन्य वन्य प्राणियों का आवागमन प्रभावित नहीं हो इसके लिए फोरलेन पर दो जगह 1 किलोमीटर और 400 मीटर लंबे एनिमल अंडरपास बनाने की रिपोर्ट राष्ट्रीय वन्यजीव बोर्ड ने एनएचएआई को दी है। इस रिपोर्ट के अनुसार तवा परियोजना के प्रवेश द्वार के समीप और बरेठा घाट के समीप एनिमल अंडरपास बनाने पड़ेंगे। जिससे कि वन्य प्राणियों का आवागमन इस फोरलेन के बनने प्रभावित नहीं हो। इस रिपोर्ट के बाद 21 किलोमीटर में रुका हुआ काम शुरू होने के आसार बन गए हैं। लेकिन काम शुरू नहीं हुआ है।

काम अधूरा होने से परेशानी

अभी तक जो 51 किलोमीटर फोरलेन बना है उसमें भी इंतजाम अधूरे ही हैं। बताया जा रहा है कि इटारसी-बैतूल खंड में पाढर, शाहपुर और भौंरा बायपास पर अभी तक स्ट्रीट लाइट नहीं लगे हैं, प्रस्तावित सर्विस रोड पक्के नहीं हैं। डिवाइडर के बीच पौधरोपण नहीं हुआ है। नीम पानी में बिजली का इंतजाम नहीं हुआ है, यहां भी सर्विस रोड़ समेत अन्य प्रस्तावित काम अधूरे हैं। कई जगह डिवाइडर और क्रासिंग पर नियमानुसार काम नहीं हुआ है। हाइवे पर इमरजेंसी काल के लिए फोन सुविधा नहीं है। फोरलेन पर जिन जिन जगहों पर विद्युतीकरण, सर्विस रोड समेत अन्य प्रस्तावित कार्य होने थे वे अधूरे हैं। बीच में पौधरोपण नहीं होने से रात में वाहनों की हेडलाइट से दूसरी लाइन के छोटे वाहन चालकों को असुविधा होती है। इस कारण गांव के जोड़ों पर हादसे हो रहे हैं।

इनका कहना है –

मंदिर के आसपास दो जगहों पर जो टर्निंग संकरी हैं, उन्हें टाइगर डेवलपमेंट में जो काम होगा, उसके साथ ही कराने की प्लानिंग है।

– मनीष मीणा, प्रोजेक्ट डायरेक्टर, एनएचएआई

महावीर इंटरनेशनल संकल्प बैतूल की वीरा बहनों ने सेवानिवृत्त सैनिकों को बांधा रक्षासूत्र

बैतूल। रक्षाबंधन के पावन अवसर पर महावीर इंटरनेशनल संकल्प बैतूल की वीरा बहनों ने सैनिक कल्याण कार्यालय में पहुंचकर 75 से अधिक सैनिक भाइयों की कलाई पर रक्षासूत्र बांधते हुए उनके उत्तम स्वास्थ्य और दीर्घायु की कामना की। इस अवसर पर सेवानिवृत्त कप्तान सुमित सिंह (इंडियन नेवी) और सेवानिवृत्त सूबेदार जगदीश साहु ने कार्यालय द्वारा किए जा रहे कार्यों की जानकारी दी। इस अवसर पर चाइना और पाकिस्तान के खिलाफ युद्ध में शामिल सात सैनिक भी उपस्थित रहे। वीरा बहनों ने राखी बांध कर एवं शॉल और श्रीफल भेंटकर इन वीर योद्धाओं का सम्मान किया। जब इन सैनिकों ने युद्ध के अनुभव

अपनी जुबानी सुनाए तो मौजूद सभी बहनों की आंखें आंसुओं से भर आईं। भारतीय सेना की कार्यशैली, अनुशासन, देशभक्ति और वीरता की सभी ने हृदय से सराहना की। वहीं, महावीर इंटरनेशनल संकल्प बैतूल के उद्देश्यों एवं संस्था द्वारा किए जा रहे मानवीय सेवा कार्यों को सुनकर सभी सैनिकों ने प्रशंसा की। उन्होंने भावुक होकर कहा कि इतने वर्षों की सेवा के बाद यह पहला अवसर है जब किसी संस्था की बहनों ने रक्षाबंधन का त्योहार इतने स्नेह और सम्मान के साथ मनाया है।

स्वयं सेवकों ने रक्षा सूत्र बांध कर दिया समरसता का संदेश

बैतूल/मुलताई। रक्षाबंधन के पावन अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने नगर के सेवा बस्ती गांधी वार्ड में पहुंचकर समाज बंधुओ को रक्षा सूत्र बांधकर समरसता का संदेश दिया राष्ट्रीय स्वयंसेवक द्वारा प्रतिवर्ष सेवा बस्ती में रक्षाबंधन पर्व मनाया जाता है जिसमें सभी स्वयंसेवक बंधु और बस्ती के सभी परिवारजन मातृशक्ति मिलकर एक दूसरे को रक्षा सूत्र बांधते हैं। यह पर्व प्रेम त्याग और समर्पण के भाव को यह त्यौहार दर्शाता है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का यह शताब्दी वर्ष है जिसमें पांच परिवर्तन के साथ हम सभी को अपने देश राष्ट्र की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध रहना है पांच परिवर्तन हर घर में हो

1 कुटुंब प्रबोधन 2 पर्यावरण 3 समरसता 4 नागरिक शिष्टाचार 5 स्व का भाव रक्षाबंधन के पर्व पर संतोष शर्मा भागवत आचार्य द्वारा आशीष वचन भी प्राप्त हुए उन्होंने कहा भगवान द्वारा हम सब को बनाया गया , हम सब एक है, हम सब हिंदू है इस धरती पर रहने वाले कोई अछूत नहीं है कोई बड़ा, छोटा नहीं है संत रविदास और वाल्मीकि , भगवान कृष्ण के बारे में भी उन्होंने बताएं उसके बाद सभी स्वयंसेवक भाइयों की कलाई पर सेवा बस्ती की बहनों ने राखी बांधी और सभी ने एक दूसरे को मिठाईयां खिलाकर यह कार्यक्रम मनाया कार्यक्रम में नगर के सभी स्वयंसेवक बंधु उपस्थित रहे।

अस्पताल परिसर में निःशुल्क ई-वाहन सेवा

भोपाल। एम्स भोपाल में मरीजों के लिए ई-वाहन सुविधा से आसान हुआ अस्पताल परिसर में सफर एम्स भोपाल मरीजों की सुविधा को प्राथमिकता देते हुए अस्पताल परिसर में निःशुल्क ई-वाहन सेवा प्रदान कर रहा है। इस सेवा के माध्यम से मरीज और उनके साथ आने वाले परिजन अस्पताल के एक सेवा केंद्र से दूसरे सेवा केंद्र तक आसानी से आ-जा सकते हैं। ई-वाहन के ज़रिए मरीजों को ओपीडी, इमरजेंसी, कैंसर ब्लॉक, आयुष भवन और अन्य चिकित्सा इकाइयों के बीच जाने में मदद मिलती है। यह सेवा अस्पताल के अंदर निर्धारित मार्गों पर नियमित रूप से संचालित होती है। इसमें बैठने की पर्याप्त व्यवस्था होती है, जिससे बुजुर्गों, दिव्यांगजनों, गर्भवती महिलाओं और गंभीर रूप से बीमार मरीजों को विशेष राहत मिलती है। यह सेवा पूरी तरह से पर्यावरण के अनुकूल है, जिसमें शून्य कार्बन उत्सर्जन होता है, और प्रदूषण रहित ई- वाहनों के माध्यम से चलाई जा रही है। इसका उद्देश्य अस्पताल परिसर को स्वच्छ और हरित बनाए रखते हुए मरीजों के लिए सहज और सुगम परिवहन उपलब्ध कराना है। एम्स भोपाल निरंतर ऐसी सेवाएं प्रदान करता रहा है जो आमजन के लिए लाभकारी हों और अस्पताल के अनुभव को बेहतर बनाएं।

वोट चोरी पर राहुल गांधी के खुलासे का प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में पुनः प्रसारण

भोपाल। आज प्रदेश कांग्रेस कार्यालय, भोपाल में राहुल गांधी द्वारा वोट चोरी के मुद्दे पर की गई पत्रकार वार्ता का पत्रकारों के बीच पुनः प्रसारण किया गया।

इस अवसर पर प्रमुख रूप से मीडिया विभाग के अध्यक्ष श्री मुकेश नायक, भोपाल शहर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष प्रवीण सक्सेना, प्रवक्ता श्री रवि सक्सेना, प्रवीण ढोलपुरे, विक्रम चौधरी, फिरोज सिद्दीकी, संतोष परिहार, आनंद जाट, अभिनव बरोलिया, और वरिष्ठ नेता अशोक मारण सहित पार्टी के अनेक कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे।

पुनः प्रसारण के पश्चात मीडिया विभाग के अध्यक्ष श्री मुकेश नायक ने कहा कि राहुल गांधी जी द्वारा उजागर किए गए तथ्य लोकतंत्र पर गहरा आघात हैं। कांग्रेस पार्टी जनता के मताधिकार की रक्षा के लिए हर स्तर पर संघर्ष जारी रखेगी।

उन्होंने कहा कि राहुल गांधी जी ने हाल ही में पत्रकार वार्ता में पूरे देश में हुए चुनावी घोटालों का खुलासा किया, जिसमें फर्जी मतदान, नकली मतदाताओं और दूसरे राज्यों के नाम मतदाता सूची में जोड़ने जैसे गंभीर मामले सामने आए।

'श्री नायक ने बताया कि मध्य प्रदेश में यह फर्जीवाड़ा महाराष्ट्र से भी बड़ा है–'

कई विधानसभा क्षेत्रों में एक ही व्यक्ति के नाम पर अनेक पोलिंग बूथों पर वोटर पंजीकरण।

दूसरे राज्यों के लोगों के नाम मतदाता सूची में जोड़े गए। एक ही मकान में 100 से अधिक मतदाताओं के नाम। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि अपनी विधानसभा में चुनाव से पहले उन्होंने 32,000 फर्जी मतदाताओं की सूची कलेक्टर को सौंपी थी, लेकिन यह सूची निर्वाचन आयोग तक भेजी ही नहीं गई, न ही उसकी जांच हुई।

श्री नायक ने आगे कहा निर्वाचन आयोग द्वारा 80 वर्ष से अधिक उम्र के बुजुर्ग मतदाताओं को घर से ही मतदान करने की सुविधा दी गई थी, लेकिन इसमें भारी पक्षपात और गड़बड़ी हुई। श्री नायक ने आरोप लगाया कि बीजेपी के नेताओं ने अधिकारियों की मिलीभगत से घर-घर जाकर इन बुजुर्गों के वोट अपने पक्ष में डलवा दिए। उन्होंने यह भी बताया कि कई स्थानों पर मतदान केंद्र जानबूझकर बदल दिए गए, ताकि वास्तविक मतदाता मतदान से वंचित रह जाएं और फर्जी मतदाताओं को अवसर मिल सके।

श्री नायक ने कहा कि एक तरफ भारतीय जनता पार्टी आरोप लगाती है कि देश में अल्पसंख्यकों की जनसंख्या बढ़ रही है, लेकिन दूसरी तरफ सच्चाई यह है कि अल्पसंख्यकों के नए मतदाताओं के नाम जानबूझकर मतदाता सूची में जोड़े ही नहीं जाते। इतना ही नहीं, पहले से पंजीकृत अल्पसंख्यक मतदाताओं के नाम भी बड़ी संख्या में काट दिए गए हैं। कई मामलों में उनके पोलिंग बूथ बदल दिए गए, ताकि अल्पसंख्यक समुदाय का मतदान प्रतिशत घटाया जा सके और चुनावी नतीजों को प्रभावित किया जा सके। अंत में श्री नायक ने बताया कि 13 अगस्त को प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष श्री जितु पटवारी द्वारा बुलाई गई पॉलिटिकल अफेयर्स कमेटी की बैठक में प्रदेश प्रभारी श्री हरीश चौधरी और अन्य वरिष्ठ नेता शामिल होंगे। बैठक में पूरे राज्य में पत्रकार वार्ताओं, रैलियों, धरनों और प्रदर्शनों का व्यापक कार्यक्रम तय किया जाएगा, ताकि लोकतंत्र की इस चोरी और बीजेपी के झूठ को जनता के सामने लाया जा सके।

संक्षिप्त समाचार

हर घर तिरंगा अभियान के तहत रंगोली प्रतियोगिता और रैली आयोजित

रायसेन (निप्र)। जिले में चलाए जा रहे ''हर घर तिरंगा'' अभियान के तहत रायसेन स्थित शासकीय आदर्श कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में नगर पालिका परिषद द्वारा रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें 90 छात्राओं ने सहभागिता की। इसके उपरांत तिरंगा रैली भी निकाली गई जिसमें छात्राएं, शिक्षक तथा नगर पालिका परिषद के अधिकारी-कर्मचारी सम्मिलित हुए। उल्लेखनीय है कि प्रदेश के साथ ही जिले में भी 02 अगस्त से हर घर तिरंगा, हर घर स्वच्छता और स्वतंत्रता का उत्सव स्वच्छता के संग अभियान चलाया जा रहा है, जो 15 अगस्त तक चलेगा। इस वर्ष की थीम ष्स्वतंत्रता का उत्सव स्वच्छता के संगष् निर्धारित की गई है। अभियान के तहत प्रत्येक गांव, प्रत्येक निकाय और वार्ड में राष्ट्र भक्ति के वातावरण में तिरंगे पर केन्द्रित गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं।

खाद्य सुरक्षा प्रशासन द्वारा चलित खाद्य प्रयोगशाला के माध्यम से की जा रही खाद्य पदार्थों की जांच

नर्मदापुरम (निप्र)। नर्मदापुरम जिले में खाद्य सुरक्षा प्रशासन नर्मदापुरम द्वारा त्योहारों को दृष्टिगत रखते हुए खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता की जांच की जा रही है। इसी कड़ी में सोहागपुर में चलित खाद्य प्रयोगशाला के माध्यम से विभिन्न चाट, फुल्की और मिष्ठान भंडारों की जांच की गई। चलित खाद्य प्रयोगशाला के माध्यम से नमूनों की मौके पर जांच की गई और साफ-सफाई संबंधी निर्देश दिए गए। मुख्यालय खाद्य सुरक्षा अधिकारी जितेंद्र सिंह राणा द्वारा उक्त चलित खाद्य प्रयोगशाला के साथ कमानी गेट स्थित विभिन्न स्वीट्स सपना स्वीट्स, अंजली स्वीट्स, दुबे स्वीट्स एवं श्री बीकानेर स्वीट्स से मिठाइयों के नमूने लेकर जांच हेतु राज्य खाद्य प्रयोगशाला भेजे गए हैं। नमूनों की जांच रिपोर्ट आने पर अग्रिम वैधानिक कार्यवाही की जाएगी। चलित खाद्य प्रयोगशाला के माध्यम से जनजागरूकता भी फैलाई जा रही है, ताकि लोग खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता के प्रति जागरूक हो सकें।

कलेक्टर श्री जैन ने स्वतंत्रता दिवस तैयारियों का लिया जायजा

हरदा (निप्र)। कलेक्टर श्री सिद्धार्थ जैन ने शुक्रवार को वीरांगना लक्ष्मीबाई मिडिल स्कूल ग्राउण्ड पर आयोजित होने वाले स्वतंत्रता दिवस के जिला स्तरीय समारोह की तैयारियों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान संयुक्त कलेक्टर श्री संजीव नागू, एसडीएम श्री अशोक डेहरिया सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद थे। कलेक्टर श्री जैन ने मुख्य अतिथि द्वारा ध्वजारोहण, मुख्यमंत्री के संदेश के लाइव प्रसारण, मार्च पास्ट, सांस्कृतिक कार्यक्रम और प्रशस्ति पत्र वितरण जैसी गतिविधियों की मिनट-टू-मिनट रूपरेखा की समीक्षा कर आवश्यक निर्देश दिए। उल्लेखनीय है कि इस वर्ष पहली बार राज्य स्तरीय कार्यक्रम से मुख्यमंत्री का संदेश एलईडी स्क्रीन के माध्यम से लाइव प्रसारित किया जाएगा। कलेक्टर श्री जैन ने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि सौंपे गए दायित्वों को पूरी गंभीरता के साथ पूर्ण किया जाए। स्वतंत्रता दिवस की फाइनल रिहर्सल 14 अगस्त को कार्यक्रम स्थल वीरांगना लक्ष्मीबाई मिडिल स्कूल ग्राउण्ड पर आयोजित की जाएगी।

3 आरोपियों को जिला बदर करने के आदेश जारी

हरदा (निप्र)। कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी श्री सिद्धार्थ जैन ने पुलिस अधीक्षक से प्राप्त प्रतिवेदन के आधार पर 3 आरोपियों को जिला बदर करने के आदेश जारी किये है। जारी आदेश में उन्होंने सचिन पिता बाबूलाल केवट निवासी वार्ड क्रमांक 25 लाल बहादुर शास्त्री वार्ड हरदा, रणजीत उर्फ सन्नी पिता अमर सिंह राजपूत निवासी भुन्नास तथा आदित्य उर्फ भूरा राजपूत पिता मानसिंह राजपूत निवासी विकास नगर हरदा को 6-6 माह के लिये जिलाबदर करने के आदेश जारी किये है। जिला बदर की अवधि में ये आरोपीगण हरदा जिले के साथ-साथ पड़ोसी जिलों नर्मदापुरम, देवास, खंडवा, सीहोर और बैतूल जिलों की सीमा में भी प्रवेश नहीं कर सकेंगे।

हस्तशिल्प वस्तुओं की प्रदर्शनी

विदिशा (निप्र)। विदिशा जिले में सम्प्रेक्षण गृह की बालिकाओं द्वारा हस्तनिर्मित राखी एवं अन्य हस्तशिल्प वस्तुओं का स्टाल के माध्यम से प्रदर्शन व विक्रय किया जा रहा है। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा संचालित बालिका सम्प्रेक्षण गृह में जिला कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती विनीता कांसवा के निर्देशन में किशोर न्याय बोर्ड परिसर में हस्तनिर्मित राखी व अन्य वस्तुओं का विक्रय हेतु स्टॉल गया है। प्रधान मजिस्ट्रेट श्रीमती शिवांगी श्रीवास्तव द्वारा बालिकाओं के प्रयास की सराहना की गयी।

आयुक्त नगरीय प्रशासन श्री संकेत भोंडवे ने बैतूल में की योजनाओं की समीक्षा

बैतूल (निप्र)। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के आयुक्त श्री संकेत भोंडवे ने गुरुवार को बैतूल प्रवास के दौरान सर्किट हाउस में नगरीय प्रशासन अंतर्गत संचालित समस्त योजनाओं की निकायवार समीक्षा बैठक की। बैठक में कलेक्टर श्री नरेंद्र कुमार सूर्यवंशी , परियोजना अधिकारी जिला शहरी विकास अभिकरण सतीश मटसेनिया एवं जिले के समस्त मुख्य नगर पालिका अधिकारी सहित जिले के समस्त मुख्य नगर पालिका अधिकारी उपस्थित रहे।

आयुक्त श्री संकेत भोंडवे ने प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के अंतर्गत पीएम आवास माह को सफल बनाने के लिए कलेक्टर बैतूल को अधिक से अधिक पट्टे वितरण किए जाने हेतु निर्देश दिए गए जिससे गरीब लोगों के अधिक से अधिकआवास बन सके और भारत सरकार की मंशा को जन हित में पूर्ण किया जा सके। साथ ही ईडब्ल्यूएस, एलआईजी, एमआईजी, एएचपीप्रोजेक्ट को प्रोत्साहित करने के बारे में विस्तृत रूप से सभी निकाय के मुख्य नगरपालिका अधिकारियों को निर्देश दिए गए। इंटरेस्ट सब्सिडी योजना के अंतर्गत अधिकतम 180000 रुपये की सब्सिडी देकर अधिक से अधिक हितग्रहियों को प्रोत्साहित करने के निर्देश दिए गए। आईएसबीटी बस स्टैंड की समीक्षा के अंतर्गत प्रपोजल संचालनालय नगरी प्रशासन एवं विकास भोपाल भेजने के निर्देश दिए गए जिससे इसका संचालन जल्द से जल्द प्रारंभ किया सके एवं बैतूल शहर को एक बड़ी सौगात मिल सके। साथ ही जिससे बैतूलवासियों को नागपुर, छिंदवाड़ा एवं पांडुर्ना अच्छी बस कनेक्टिविटी मिल सके। ई चार्जिंग व्हीकल स्टेशन बनाने की समीक्षा की गई जिससे पर्यावरण को और अधिक सुरक्षित एवं मानव अनुकूल बनाने में मदद मिल सके।

अधिक से अधिक राजस्व की वसूली के लिए निकाय स्तर पर विभिन्न माध्यम पैदा करने के निर्देश दिए गए जिससे कि निकायों की आर्थिक स्थिति सुदृढ़ हो सके। जलकर एवं स्वच्छता कर में व्यावहारिक वृद्धि के निर्देश दिए जिससे निकाय आत्म आत्मनिर्भर बन सके। सभी निकायों के कर्मचारियों की फेस रीडिंग अटेंडेंस को सुनिश्चित किए जाने के निर्देश दिए गए जिससे फर्जी कर्मचारियों की छंटनी की जा सके और नगरपालिका का पैसा बच सके, जिसे नगरहित में उपयोग लाया जा सके। स्ट्रीट लाइट के बिल को कम करने के लिए एलईडी पैटर्न को विकसित करने के निर्देश दिए। अमृत 2.0 योजना की पूर्णता के बारे में निर्देश दिए गए ,समय अवधि में योजनाओं को पूर्ण करें और उनका कार्य पूर्णता प्रमाण पत्र संचालनालय भेजें। इसी तरह मुख्यमन्त्री शहरी अधोसंरचना योजना की पूर्णता के लिए भी निर्देश दिए गए, पीएम स्वनिधि से समृद्धि में हण्ड्रेड परसेंट टारगेट को पूरा करने के दिए गए। सभी मुख्य नगरपालिका अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि स्वच्छता अभियान के अंतर्गत सभी नगरवासियों को सिंगल यूज़ प्लास्टिक का उपयोग न करने एवं पालीथीन पर पूर्णतः प्रतिबंध लगाने के निर्देश दिए गए। कचरा पृथक् पृथक् लेने पर बल दिया गया, यदि इस सम्बन्ध में किसी के द्वारा उल्लंघन किया जाता है तो उन हितग्राहियों पर जुर्माने की कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। जनहित की योजनाओं के अंतर्गत सामाजिक न्याय विभाग एवं श्रम विभाग की समस्त योजनाओं की समीक्षा की गई ।सभी निकायों की इस कार्य में अच्छी प्रगति के लिए प्रशंसा की गई। साथ ही है । साथ ही आयुक्त महोदय द्वारा कहा गया कि सभी पेंशन प्रकरणों में संबल और कर्मकार मंडल की योजनाओं में समय पर हितग्राहियों को लाभ दें। किसी प्रकार का कोई विलंब न हो सभी मुख्य नगर पालिका अधिकारी सुनिश्चित करें। विधायक निधि एवं सांसद निधि के कार्यों की समीक्षा की गई जिसमें समय पर कार्य पूर्ण करने पर निकायों को धन्यवाद ज्ञापित किया गया और जिन निकायों के कार्य पिछड़े हुए हैं उन्हें समय पर पूरा करने के निर्देश दिए गए। साथ ही साथ सभी निकायों में ई ऑफिस के क्रियान्वयन के लिए निर्देश दिए गए और जिला स्तर पर कलेक्टर के द्वारा ई- ऑफिस के संचालन को लेकर प्रदेश मे प्रथम स्थान होने पर कलेक्टर की सराहना की गई। साथ ही परियोजना अधिकारी कार्यालय मैं ई ऑफिस के संचालन को लेकर तारीफ की गई। और कहा गया कि सभी शेष निकायों में भी ई ऑफिस का संचालन जल्द प्रारंभ करें, क्योंकि इससे शासकीय कार्य में निष्पक्षता एवं पारदर्शिता आती है जिससे जनसन्तोष पनपता है।

स्वतंत्रता दिवस की तैयारियों के संबंध में कलेक्टर-एसपी ने बैठक कर दिए आवश्यक दिशा निर्देश

सीहोर (निप्र)। कलेक्टर श्री बालागुरू के. तथा एसपी श्री दीपक कुमार शुक्ला ने स्वतंत्रता दिवस पर गरिमामय आयोजन के संबंध में बैठक आयोजित कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिला स्तरीय स्वतंत्रता दिवस समारोह का आयोजन पूरे हर्षोल्लास, गरिमा और जन सहभागिता के साथ हो। विशेष रूप से युवा वर्ग में देशभक्ति की भावना जागृत करने के उद्देश्य से सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन भी किया जाये। उन्होंने सभी अधिकारियों को निर्धारित समय पर सभी कार्यक्रम संपन्न कराने के निर्देश दिए। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर मुख्य समारोह में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का प्रदेश की जनता के नाम संदेश का लाइव प्रसारण पूरा होने के बाद जिला स्तरीय कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अपने संबोधन में जिले में संचालित फ्लैगशिप योजनाओं, विकास कार्यक्रमों, जिले में आए निवेश, कृषि एवं सिंचाई के क्षेत्र में हुए विकास और अन्य उल्लेखनीय गतिविधियों के बारे में भी नागरिकों को जानकारी देंगे। उन्होंने कहा कि समारोह में लोकतंत्र सेनानियों, दिव्यांगजनों, वरिष्ठ नागरिकों और महिलाओं के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं। बैठक में जिला पंचायत सीईओ डॉ नेहा जैन, अपर कलेक्टर श्री वृंदावन सिंह, संयुक्त कलेक्टर सुश्री वंदना राजपूत, एसडीएम श्री तन्मय वर्मा, डिप्टी कलेक्टर श्री सुधीर कुशवाह सहित सभी जिला अधिकारी उपस्थित थे।

जिला, जनपद और ग्राम स्तर पर होंगे कार्यक्रम

इस वर्ष 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर जिला, जिला जनपद और ग्राम पंचायत स्तरीय मुख्यालयों पर कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। समय सारणी अनुसार कार्यक्रम प्रातः 9:00 बजे प्रारंभ होगा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि द्वारा ध्वजारोहण पश्चात राष्ट्रगान का गायन किया जाएगा एवं परेड की सलामी ली जाएगी। जिला स्तरीय समारोह में भोपाल से मुख्यमंत्री के संदेश का सीधा प्रसारण किया जाएगा। इसके बाद 05 मिनिट का संक्षिप्त लिखित बधाई संदेश का वाचन किया जायेगा। कार्यक्रमों में पौधरोपण भी किया जाएगा तथा जिला मुख्यालय पर स्वतंत्रता दौड़ का आयोजन किया जाएगा। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर जिले की सभी जनपद मुख्यालयों पर जनपद अध्यक्षों द्वारा ध्वजारोहण किया जाएगा तथा समारोह में सामूहिक राष्ट्रगान का गायन किया जाएगा। ऐसी नगर पालिका, नगर परिषद जिनका मुख्यालय ब्लाक मुख्यालय पर नहीं है उनमें नगर पालिका, नगर परिषद अध्यक्ष द्वारा ध्वजारोहण किया जाएगा। पंचायत मुख्यालयों पर सरपंचों द्वारा ध्वजारोहण किया जाएगा। सभी शासकीय कार्यालयों और शिक्षण संस्थानों में पिछले वर्ष अनुसार प्रात 8:00 बजे या उसके पहले ध्वजारोहण एवं राष्ट्रगान के कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। सभी शिक्षण संस्थाओं में प्रातः काल प्रभात फेरी का आयोजन किया जाएगा।

दुर्घटनाओं को रोकने और यातायात को सुगम बनाने के लिए उठाएं प्रभावी कदम : कलेक्टर

सीहोर (निप्र)। कलेक्टर श्री बालागुरू के. की अध्यक्षता में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने संबंधित अधिकारियों से जिले में सड़क दुर्घटनाओं को रोकने तथा यातायात को सुगम बनाने के संबंध में विस्तार से चर्चा की और आवश्यक दिशा निर्देश दिए। बैठक में कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने निर्देश दिए कि वाहनों की ओवर स्पीडिंग रोकने के लिए हाईवे के टोल नाको के पास स्पीड राडार गन द्वारा वाहनों पर कार्यवाही की जाए। इसके साथ ही रोड़ निर्माण एजेंसी जिले की सभी सड़कों का सर्वे करें और यह सुनिश्चित करें कि सभी सड़कों पर संकेतक लगे हों और पुल एवं पुलिया क्षतिग्रस्त स्थिती में न हो। उन्होंने निर्देश दिए कि जिले के सभी जलमग्नीय पुल एवं पुलियों पर वर्षा ऋतु के दौरान बैरिकेडिंग की जाए और संकेतक लगाए जाएं। इसके साथ ही निगरानी के लिए कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि सीहोर नगर में अतिक्रमण वाले स्थानो पर अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही की जाए ताकि यातायात संचालन में बाधा उत्पन्न न हो। कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने निर्देश दिए कि वाहन चालको के लिए नेत्र परीक्षण शिविर आयोजित किए जायें। उन्होंने कहा कि यातायात निमयों के बारे में नागरिकों को जागरूक किया जाए ताकि वे इन नियमों को समझते हुए इनका कढ़ाई से पालन कर सकें। उन्होंने निर्देश दिए कि लापरवाही से वाहन चलाने वाले वाहन चालकों के लाइसेंस निलंबित करने की कार्रवाई की जाए। बैठक में कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने निर्देश दिए कि सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए निरंतर वाहनों की चेकिंग की जाएं और चालानी कार्रवाई की जाए। इसके साथ ही वाहन चलाते समय हेलमेट लगाने के लिए लोगों को प्रेरित किया जाएं और हेलमेट न लगाने पर चालानी कार्रवाई की जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि पशुओं के रोड़ पर होने से वाहन दुर्घटनाओं को दृष्टिगत रखते पशुओं को सड़क से हटाकर गौशालाओं में छोड़ा जाए।

जिले में कौशल विकास और रोजगार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से बैठक आयोजित

सीहोर (निप्र)। जिले में कौशल और रोजगार के बीच मौजूदा अंतर को पहचानने, उसका समाधान ढूंढने और ग्रामीण युवाओं को रोजगार और स्वरोजगार के अवसर प्रदान करने हेतु विविध हितधारकों को एक मंच पर लाने के उद्देश्य से जिला पंचायत सीईओ डॉ नेहा जैन की अध्यक्षता में जिला पंचायत सभाकक्ष में मिशन उद्यम आरंभ अन्तर्गत उद्यम एवं रोजगार संबंधी बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिला पंचायत सीईओ डॉ नेहा द्वारा अनेक औद्योगिक प्रतिनिधियों, सरकारी हितधारक, एनजीओ एवं बैंक के प्रतिनिधियों तथा अधिकारियों से कौशल विकास और रोजगार संबंधी अनेक विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में जिले में मौजूदा कौशल अंतर की पहचान, सरकारी प्रशिक्षण संस्थानों (जैसे आईटीआई, आरएसईटीआई) की क्षमता को रोजगार की मांग से जोड़ने की रणनीतियों तथा जिले में रोजगार के लिए संयुक्त रणनीति बनाने संबंधी अनेक बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में सभी हितधारकों ने मिलकर यह संकल्प लिया कि वे युवा कौशल विकास एवं स्थानीय उद्योगों के बीच साझेदारी को मजबूत कर रोजगार तथा उद्यमिता के रास्ते खोलने में सक्रिय भूमिका निभाएँगे।

जिले में हर घर तिरंगा, हर घर स्वच्छता, स्वतंत्रता का उत्सव, स्वच्छता के संग अभियान प्रारंभ

बैतूल (निप्र)। भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय एवं जल शक्ति मंत्रालय के संयुक्त तत्वावधान में 79वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर जिले में 8 अगस्त से ÷हर घर तिरंगा, हर घर स्वच्छता, स्वतंत्रता का उत्सव, स्वच्छता के संग÷ विषय पर आधारित विशेष अभियान प्रारंभ किया गया है। अभियान के तहत शुक्रवार को जिला पंचायत परिसर में साफ-सफाई की गई। आयोजित कार्यक्रम के दौरान सभी अधिकारी कर्मचारियों ने पर्यावरण संरक्षण की शपथ भी ली। यह अभियान आगामी 15 अगस्त 2025 तक चलाया जाएगा। उल्लेखनीय है कि जिले में ÷हर घर तिरंगा÷अभियान को तीन चरणों में आयोजित किया जा रहा है। पहला चरण 2 से 8 अगस्त तक आयोजित हुआ,

दूसरा 9 से 12 अगस्त तक तथा तीसरा चरण 13 से 15 अगस्त 2025 तक संचालित होगा। प्रशासन द्वारा सभी नागरिकों से आह्वान किया गया है कि वे अपने घरों में तिरंगा फहराकर इस अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाएं एवं राष्ट्रप्रेम की भावना को और सशक्त करें। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री अक्षत जैन ने कहा कि यह अभियान देशवासियों में सामूहिक उत्सव एवं नागरिक कर्तव्य की भावना को प्रोत्साहित करने के लिए प्रारंभ किया गया। उन्होंने बताया कि 8 अगस्त से प्रारंभ होकर 15 अगस्त तक चलने वाले अभियान का उद्देश्य स्वच्छता एवं जल सुरक्षा को स्वतंत्रता की भावना से जोड़ते हुए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में स्वच्छ और सुजल भारत की परिकल्पना को साकार करना है। अभियान के अंतर्गत जल जीवन मिशन के तहत ग्रामों व ग्राम पंचायतों में विभिन्न जन-संवेदनशील गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। स्कूलों में विद्यार्थियों द्वारा रैली, रंगोली, पेंटिंग, एवं झांकी के माध्यम से स्वच्छता और राष्ट्र प्रेम का संदेश दिया जाएगा। साथ ही समस्त शासकीय भवनों के आसपास विशेष स्वच्छता अभियान संचालित किए जाएंगे।उन्होंने निर्देशित किया कि सभी संबंधित संस्थाएं एवं ग्राम पंचायतें दैनिक गतिविधियों की योजना, प्रचार-प्रसार सोशल मीडिया, बैनर, पोस्टर आदि एवं प्रलेखन फोटो/वीडियो पर विशेष ध्यान दें, ताकि इस अभियान को अधिकतम जनभागीदारी के साथ सफल बनाया जा सके।

कलेक्टर-एसपी ने स्वतंत्रता दिवस तैयारियों का लिया जायजा, पहली बार एलईडी पर लाइव होगा मुख्यमंत्री संदेश

बैतूल (निप्र)। कलेक्टर श्री नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी और पुलिस अधीक्षक श्री निश्चल झारिया ने शुक्रवार को पुलिस ग्राउंड में आयोजित होने वाले स्वतंत्रता दिवस के जिला स्तरीय समारोह की तैयारियों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री अक्षत जैन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्रीमती कमला जोशी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। अधिकारियों ने मुख्य अतिथि द्वारा ध्वजारोहण, मुख्यमंत्री के संदेश के लाइव प्रसारण, मार्च पास्ट, सांस्कृतिक कार्यक्रम और प्रशस्ति पत्र वितरण जैसी गतिविधियों की मिनट-टू-मिनट रूपरेखा की समीक्षा कर आवश्यक निर्देश दिए। गौरतलब है कि इस वर्ष पहली बार राज्य स्तरीय कार्यक्रम से मुख्यमंत्री का संदेश एलईडी स्क्रीन के माध्यम से लाइव प्रसारित किया जाएगा। कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने निर्देशित किया कि सौंपे गए दायित्वों को पूरी गंभीरता के साथ पूर्ण किया जाएं। स्वतंत्रता दिवस की फाइनल रिहर्सल 14 अगस्त को कार्यक्रम स्थल पुलिस ग्राउंड में की जाएगी।

कलेक्टर ने सोहागपुर तहसील के उपार्जन केन्द्रों का किया सघन निरीक्षण

नर्मदापुरम (निप्र)। खरीदी गई कुल मूंग के स्वीकृति पत्रक को शीघ्र जारी कर किसानों को मूंग उपार्जन के भुगतान की कार्रवाई को तेज किया जाए। उपार्जन के दौरान गुणवत्ता मापदंडों का रखें विशेष ध्यान। उक्त निर्देश कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना ने गुरुवार को सोहागपुर तहसील अंतर्गत मूंग उपार्जन केंद्रों के औचक निरीक्षण के दौरान उपस्थित अधिकारियों को दिए। कलेक्टर ने सोहागपुर अंतर्गत कृषि उपज मंडी में स्थित सीडब्ल्यूसी उपार्जन केंद्र, नर्मदा वेयरहाउस, नन्हू महाराज लॉजिस्टिक्स, विशाल वेयरहाउस आदि मूंग उपार्जन केंद्रों का निरीक्षण किया। कलेक्टर सुश्री मीना ने उपार्जन केंद्रों का सघन निरीक्षण कर उपार्जन प्रक्रिया, भुगतान एवं गुणवत्ता की गहन समीक्षा की। उन्होंने प्रत्येक केंद्र पर मूंग के सैंपल की जांच की तथा केंद्रों पर किसानों से संवाद भी किया। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने स्पष्ट रूप से निर्देश दिए की जिन केंद्रों पर उपार्जन के पश्चात

किसानों को खरीदे गए स्कंद का शीघ्र भुगतान सुनिश्चित करें : कलेक्टर सोनिया मीना

किसानों को भुगतान किए जाने की कार्यवाही में विलंब हो रहा है उन केंद्रों पर उपार्जन के विरुद्ध भुगतान प्रक्रिया में गति लाई जाए। उन्होंने निर्देश दिए की उपखंड स्तरीय समिति एवं सहकारी समितियां यह सुनिश्चित करें कि समर्थन मूल्य पर खरीदी जा रही मूंग शासन द्वारा निर्धारित मापदंडों एवं एफएक्यू क्वालिटी की ही हो। उन्होंने विभिन्न उपार्जन केंद्र पर खरीदी के लिए रखे हुए मूंग के ढेर की भी जांच की। कलेक्टर ने स्पष्ट निर्देश दिए की किसी भी स्थिति में नॉन एफएक्यू मूंग की खरीदी ना की जाए। उन्होंने कहा कि सर्वेयर्स एवं समिति प्रबंधक सुनिश्चित करें कि गुणवत्ता मापदंड अनुरूप ग्रेडिंग की जाए साथ ही चुनी एवं कचरा होने पर पंखा एवं छन्ना लगवा कर ही खरीदी की जाए। उन्होंने कहा कि उपार्जन प्रक्रिया के पश्चात डबल्यूएचआर, स्वीकृति पत्रक, ईपीओ की कार्यवाही शीघ्र ही सुनिश्चित की जाए। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने निर्देश दिए की उपार्जन प्रक्रिया के पश्चात कुल उपार्जित स्कंध एवं किसानों को किए गए भुगतान में किसी भी प्रकार का अंतर न रखा जाए। निरीक्षण के दौरान नर्मदा वेयरहाउस स्थित उपार्जन केंद्र पर कलेक्टर द्वारा उपार्जित किए गए मूंग की जांच के दौरान स्कंद अमानक पाया गया। उक्त संबंध में कलेक्टर ने तत्काल एसडीएम सोहागपुर सुश्री प्रियंका भल्लावी एवं जिला स्तरीय उपार्जन समिति के सदस्यों को निर्देश दिए की अमानक पाए गए स्कंद की पूरी रैक की जांच कर उसका पंचनामा तैयार कर नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

सीएम ने भुजरिया की दी बधाई

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने स्नेह एवं समरसता के पर्व भुजरिया (कजरिया) पर प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हमारी लोक संस्कृति की अनमोल धरोहर, यह पर्व सभी के जीवन में सुख, समृद्धि और खुशहाली प्रदान करे, यही प्रार्थना है।

मुख्यमंत्री ने स्व. परसाई को श्रद्धांजलि अर्पित की

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रदेश के गौरव, हिन्दी के प्रसिद्ध व्यंग्यकार स्व. हरिशंकर परसाई की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि देश, समाज सहित समसामयिक विषयों पर उनके व्यंग्यबाण उस सत्य से सामना कराते हैं। उनकी कृतियां साहित्य ही नहीं, बल्कि देश की अमूल्य धरोहर हैं।

कंटेनर की टक्कर से मां की मौत, बेटा गंभीर

सिवनी में नेशनल हाईवे- 44 पर बाइक को टक्कर मारी

सिवनी (नप्र)। सिवनी में बंजारी घाटी के पास नेशनल हाईवे 44 पर रविवार शाम एक कंटेनर ने बाइक सवार मां-बेटे को टक्कर मार दी। हादसे में मां की मौत हो गई, जबकि बेटे की हालत गंभीर है।

छपारा थाना पुलिस के अनुसार, मृतका की पहचान 60 वर्षीय चंपा बाई सराठे के रूप में हुई। चंपा बाई और उनका 28 वर्षीय बेटा छोटू सराठे बाइक से लखनादौन से भोमा गांव जा रहे थे, तभी बंजारी घाटी के पास पीछे से आ रहे एक कंटेनर ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी।

टक्कर इतनी भीषण थी कि चंपा बाई सराठे की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि बाइक चला रहे छोटू सराठे गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद ड्राइवर ट्रक छोड़ कर भाग गया। प्रत्यक्ष दर्शियों ने तुरंत पुलिस और राष्ट्रीय राजमार्ग अधिकारियों को सूचना दी।

सूचना मिलने के बाद एंबुलेंस मौके पर पहुंची। मृत महिला व घायल युवक को लखनादौन सिविल अस्पताल ले जाया गया। छपारा थाना प्रभारी खेमेंद्र जेतवार ने बताया कि पुलिस मामले की जांच कर रही है, ताकि दुर्घटना के सही कारणों का पता लगाया जा सके। फिलहाल, ट्रक चालक की तलाश जारी है।

रीवा में खदान के पानी में डूबे दो मासूम

घर से नहाने निकले थे, बदहाल रास्ते से नहीं पहुंच सकी एम्बुलेंस

रीवा (नप्र)। रीवा के डभौरा थाना क्षेत्र के ग्राम पातिन में शनिवार को दर्दनाक हादसा हो गया। घूमन गांव में खदान के गड्ढे में डूबने से दो बच्चों की मौत हो गई। ग्रामीणों को आज (रविवार) सुबह करीब 8 बजे खदान में उतराते हुए दोनों के शव दिखे, जिन्हें बाहर निकाला गया। ग्रामीणों ने तत्काल 108 एम्बुलेंस को सूचना दी, लेकिन बदहाल सड़क और रास्ता न होने के कारण आपातकालीन सेवा मौके पर नहीं पहुंच सकी। बच्चों की पहचान शिव अवतार (10) पिता कमलेश पाल और सुनील (12) पिता देशराज पाल, निवासी पाल परिवार, के रूप में हुई।

सूचना पर डभौरा थाना पुलिस कठिन रास्तों से होते हुए घटनास्थल पहुंची और शवों को डभौरा अस्पताल भेजा। पुलिस के मुताबिक, शनिवार के दिन दोपहर में दोनों बच्चे खदान के भरे हुए पानी में नहाने गए थे, इसी दौरान डूबने से उनकी मौत हो गई। परिजन उन्हें तलाश कर रहे थे, तभी ग्रामीणों को पानी में शव उतराते मिले।

स्कूलों में मनाया जा रहा है 'हर घर तिरंगा, हर घर स्वच्छता' अभियान

भोपाल (नप्र)। प्रदेश के स्कूलों में देश प्रेम, एकता, देशभक्ति की भावना और राष्ट्रीय ध्वज के बारे में जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से 15 अगस्त तक 'हर घर तिरंगा, हर घर स्वच्छता' अभियान मनाया जा रहा है। इस संबंध में लोक शिक्षण संचालनालय ने जिला शिक्षा अधिकारियों को निर्देश भी जारी किये हैं।

यह अभियान प्रदेश के स्कूलों में 3 चरणों में संपन्न हो रहा है। पहला चरण 2 से 8 अगस्त तक संपन्न हो चुका है। दूसरा चरण 9 अगस्त से शुरू होकर 12 अगस्त तक चलेगा। अभियान का तीसरा चरण 13 अगस्त से 15 अगस्त तक होगा। लोक शिक्षण संचालनालय ने दिये गये निर्देशों में कहा है कि जिलों में स्कूलों के प्राचार्य और शिक्षकों के नेतृत्व में तिरंगे के संबंध में जागरूकता कार्यक्रम चलाया जाये।

13 अगस्त से नया सिस्टम, एमपी में होगी तेज बारिश

अभी ट्रर्फ-चक्रवात की एक्टिविटी, भोपाल,हरदा, नर्मदापुरम-बैतूल में भारी बारिश का अलर्ट

भोपाल (नप्र)। बंगाल की खाड़ी में लो प्रेशर एरिया (निम्न दाब क्षेत्र) एक्टिव होने से 13 अगस्त से फिर मध्यप्रदेश में तेज बारिश का दौर शुरू होगा। इससे पहले भी प्रदेश के कई जिले तरबतर होंगे। रविवार को हरदा, नर्मदापुरम और बैतूल में भारी बारिश की चेतावनी दी गई है। टर्फ और साइक्लोनिक सर्कुलेशन एक्टिविटी होने से ऐसा होगा। रविवार को भी भोपाल में बारिश हुई।मौसम वैज्ञानिक अरुण शर्मा ने बताया कि अगले 5 दिन तक कई जिलों में भारी बारिश होगी। 13-14 अगस्त से बारिश की एक्टिविटी तेज होगी। यानी, अगस्त के दूसरे पखवाड़े में प्रदेश में भारी बारिश का दौर बना रहेगा।

कई जिलों में बारिश का दौर- इससे पहले शनिवार को प्रदेश के कई जिलों में बारिश का दौर बना था। भोपाल में दोपहर बाद बादल छा गए और हल्की बारिश हुई।

एमपी में अब तक 28.8 इंच बारिश- मौसम विभाग के अनुसार, प्रदेश में अब तक 28.8 इंच बारिश हो चुकी है, जो कुल बारिश का 78 प्रतिशत है। जून-जुलाई में स्ट्रॉन्ग सिस्टम की वजह से अब तक 34 प्रतिशत बारिश ज्यादा हो चुकी है। इसमें भी पूर्वी हिस्सा जैसे- जबलपुर, रीवा, सागर और शहडोल संभाग ठीक है।

इंदौर और उज्जैन संभाग की स्थिति ठीक नहीं है। इंदौर संभाग के 8 में से 5 जिले ऐसे हैं, जहां 13 इंच से कम पानी गिरा है। सिर्फ अलीराजपुर और झाबुआ में ही 20 इंच से ज्यादा पानी गिरा है। दूसरी ओर, ग्वालियर में सबसे ज्यादा 35 इंच बारिश हो चुकी है। यहां कुल बारिश का कोटा पूरा हो चुका है। जबलपुर और भोपाल की तस्वीर भी बेहतर है।

जनजातीय संग्रहालय में नृत्य गायन एवं वादन प्रस्तुति

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश जनजातीय संग्रहालय में नृत्य, गायन एवं वादन पर केंद्रित गतिविधि 'संभावना' का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें 10 अगस्त को अग्नेश केरकेट्टा एवं साथी, भोपाल द्वारा उरांव जनजाति नृत्य सरहुल एवं उमाशंकर नामदेव एवं साथी, दमोह द्वारा राई नृत्य की प्रस्तुति दी गई। अग्नेश केरकेट्टा एवं साथी, भोपाल द्वारा उरांव जनजाति नृत्य सरहुल की प्रस्तुति दी गई। मध्यप्रदेश के जनजातियों में उराँव जनजाति रायगढ़ जिले की जशपुर तहसील के आसपास निवास करती हैं। उराँव जनजातियों का सर्वाधिक प्रसिद्ध नृत्य है सरहुल। उराँव जनजाति शाल सरई वृक्ष में अपने ग्राम देवता का निवास मानती हैं, इसलिए वर्ष में एक बार चैत्र मास की पूर्णिमा को शाल वृक्ष की पूजा करते हैं और शाल वृक्ष के आसपास नृत्य करते हैं। शाल वृक्ष पर सफेद कपड़े का झण्डा फहराया जाता है।

सरहुल एक समूह नृत्य है इसमें युवक-युवतियां और प्रौढ़ उरांव शामिल होते हैं। नृत्य में पद संचलन वाद्य तालों पर नहीं बल्कि गीतों की लय और तोड़ पर होता है। नृत्य धीमी गति के साथ प्रारंभ होता है और अत्यन्त तीव्र गति के चरम पर समापन। इस नृत्य में पुरूष नर्तक एक विशेष प्रकार का साफा बाँधते हैं तथा महिलाएँ अपने जूड़े में बगुला पंख की सफेद कलंगी लगाती हैं। नर्तकों के वस्त्र प्रायः सफेद होते हैं। सरहुल नृत्य के प्रमुख वाद्य मांदर, झाँझ और नगाड़ा है। कहीं-कहीं चौमुखा चकोल भी बजाते हैं।

उमाशंकर नामदेव एवं साथी, दमोह द्वारा राई नृत्य की प्रस्तुति दी गई। बुन्देलखण्ड अंचल की अपनी जातीय परम्परा मूलतः शौर्य और श्रृंगार परक है। यह अकारण नहीं है कि बुन्देलखण्ड के प्रख्यात लोकनृत्य राई में एक ओर तीव्र शारीरिक चपलता, बेग, अंग, मुद्राएं और समूहन के लयात्मक विन्यास है, वहीं दूसरी ओर नृत्य के लास्य का समावेश और लोक कविता के रूप में उद्याम श्रृंगार परक अर्थों की नियोजना। इसमें ऊर्जा, शक्ति और लालित्य एकमेक है। इस नृत्य को बुन्देलखण्ड में मंचीय नृत्य की स्थिति मात्र में सीमित नहीं किया गया है। बल्कि सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों में बच्चे के जन्म के समय और विवाह के अवसर पर राई नृत्य का आयोजन प्रतिष्ठा मूलक माना जाता है। अनेक बार किसी अभीप्सित कार्य की पूर्ति होने या मनौती होने पर भी राई नृत्य के आयोजन किये जाते हैं। राई एक जीवन्त कलात्मक हिस्सेदारी की तरह ही है। जीवन का अटूट हिस्सा जिसमें आनंद की स्वच्छंद अभिव्यक्ति मनुष्य की जीवनी शक्ति जैसा प्रकट होता है।

मध्यप्रदेश जनजातीय संग्रहालय परिसर में प्रत्येक रविवार दोपहर 2 बजे से आयोजित होने वाली गतिविधि में मध्यप्रदेश के पांच लोकांचलों एवं सात प्रमुख जनजातियों की बहुविध कला परंपराओं की प्रस्तुति के साथ ही देश के अन्य राज्यों के कलारूपों को देखने समझने का अवसर भी जनसामान्य को प्राप्त होगा।

वन्यजीव रेस्क्यू सेंटर के लिए सुप्रीम कोर्ट की परमिशन अनिवार्य

जबलपुर-उज्जैन में बनना प्रस्तावित है, सीएम ने की थी घोषणा

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश के जबलपुर और उज्जैन में प्रस्तावित जू और रेस्क्यू सेंटर अब तभी खोले जा सकेंगे जब सुप्रीम कोर्ट से अनुमति मिल जाएगी। इसकी वजह यह है कि वन विभाग इन सेंटरों को वन क्षेत्र में स्थापित करने की योजना बना रहा है। चूंकि वन क्षेत्र में किसी भी प्रकार का पक्का निर्माण सुप्रीम कोर्ट की अनुमति के बिना नहीं किया जा सकता, इसलिए रेस्क्यू सेंटर खोलने से पहले कोर्ट की मंजूरी जरूरी होगी। हालांकि, अगर यह केंद्र राजस्व भूमि पर खोले जाते हैं तो सुप्रीम कोर्ट की अनुमति की आवश्यकता नहीं होगी।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने लगभग छह महीने पहले जबलपुर और उज्जैन में जू और रेस्क्यू सेंटर खोलने की घोषणा की थी। इसके बाद वन विभाग की टीम ने गुजरात के जामनगर स्थित अंबानी ग्रुप के जू और रेस्क्यू सेंटर का निरीक्षण किया था। स्वयं मुख्यमंत्री डॉ. यादव भी इस केंद्र का दौरा कर चुके हैं।

उज्जैन के लिए डीपीआर तैयार, जबलपुर में प्रक्रिया जारी- वन विभाग ने उज्जैन में जू सह रेस्क्यू सेंटर स्थापित करने के लिए डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार कर ली है। जबलपुर के लिए डीपीआर अभी तैयार की जानी बाकी है।

उज्जैन के प्रस्ताव को केंद्र सरकार के चिड़ियाघर प्राधिकरण को भेजा गया है, जहां से सैद्धांतिक मंजूरी प्राप्त हो चुकी है।

वन विभाग के अधिकारियों के अनुसार, जू सह रेस्क्यू सेंटर में कई पक्के निर्माण कार्य होते हैं, इसलिए इसे वानिकी गतिविधि के रूप में मान्यता दिलाने के लिए सुप्रीम कोर्ट से अनुमति आवश्यक है।

इसी क्रम में उज्जैन के मामले में सुप्रीम कोर्ट में आवेदन करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। आवेदन में यह बताया जाएगा कि वन्य प्राणियों के संरक्षण के लिए जू सह रेस्क्यू सेंटर बनाना वन्यजीव हितैषी और वानिकी गतिविधि के तहत आता है। इसके बाद जबलपुर के लिए भी इसी प्रकार की प्रक्रिया अपनाई जाएगी।

सुप्रीम कोर्ट की रोक के कारण जरूरी है अनुमति- गौरतलब है कि सुप्रीम कोर्ट ने वन क्षेत्रों में किसी भी प्रकार के पक्के निर्माण पर रोक लगा रखी है। इस कारण बिना कोर्ट की अनुमति के कोई भी निर्माण कार्य नहीं किया जा सकता। अगर यही रेस्क्यू सेंटर राजस्व भूमि पर बनाए जाएं, तो सुप्रीम कोर्ट की अनुमति की आवश्यकता नहीं होती।

सरकारी स्कूल में बच्चे से पैर दबवाते दिखीं टीचर

बोलीं- क्लास के गड्ढे से मुड़ा पैर, बच्चे ने सहारा दिया, वीडियो आया सामने

भोपाल (नप्र)। बच्चों के सभ्य व्यक्तित्व का निर्माण हो, वे पढ़-लिखकर अपना भविष्य बेहतर बना सकें, इसी उम्मीद में मां-बाप उन्हें स्कूल भेजते हैं। लेकिन राजधानी भोपाल के एक सरकारी स्कूल से सामने आई तस्वीर इस भरोसे को चोट पहुंचाती है। यहां एक महिला टीचर बच्चे से पैर दबवाते नजर आ रही हैं। यह पूरी घटना कैमरे में कैद हो गई। गुरुवार की इस घटना का वीडियो शनिवार शाम सामने आया।

टीटी नगर में जहां इस साल से शुरू हुए सांदीपनी स्कूल में बच्चों को स्मार्ट क्लासेस के जरिए अंग्रेजी, गणित समेत अन्य विषय रोचक तरीके से पढ़ाए जा रहे हैं। वहीं, राजधानी में कुछ स्कूल ऐसे भी हैं, जहां न बच्चों के लिए बाथरूम हैं और न कक्षाओं में बेंच। आधा दर्जन स्कूल जर्जर होने के कारण बंद पड़े हैं।

वीडियो महात्मा गांधी स्कूल का

बच्चे से पैर दबवाने का वीडियो गांधीनगर स्थित शासकीय महात्मा गांधी उ.मा.वि. का है। लंच के बाद स्कूल की ज्यादातर कक्षाओं में बच्चे शांत होकर पढ़ाई कर रहे थे, लेकिन कक्षा 4 में शोर था। यह स्कूल की एकमात्र कक्षा है, जहां बच्चे जमीन पर बैठते हैं। सामने कुर्सी पर बैठी महिला टीचर ने एक पैर दूसरी कुर्सी पर रखा था और उसी कक्षा का एक बच्चा पैर की मसाज कर रहा था। अन्य शिक्षकों के मुताबिक, यह कोई नई बात नहीं है।

टीचर बोलीं- गेट पर गड्ढे में पैर मुड़ गया था

महिला टीचर ने सफाई दी कि क्लास में प्रवेश करते समय गेट पर टूटी टाइल्स से बने गड्ढे में उनका पैर मुड़ गया। बच्चों ने उन्हें संभालकर कुर्सी पर बैठाया और एक बच्चा प्रेमभाव से पैर दबाकर दर्द कम करने की कोशिश कर रहा था।

जर्जर भवन और बदहाल सुविधाएं

स्कूल का आधा भवन पूरी तरह जर्जर है। बाकी हिस्से में बारिश के दौरान पानी टपकता है, पंखे खराब हैं, और शौचालयों की हालत इतनी खराब है कि उनका उपयोग संभव नहीं। गेट जाम, पानी नहीं, चारों तरफ ऊंची घास और सांप का खतरा, इन वजहों से बच्चियां खुले में शौच को मजबूर हैं।

कही-सुनी

साय मंत्रिमंडल में विस्तार के फिलहाल आसार नहीं

रवि भोई

(लेखक पत्रिका समवेत सृजन के प्रबंध संपादक और स्वतंत्र पत्रकार हैं।)

कुछ दिनों पहले तक विष्णुदेव साय के मंत्रिमंडल में विस्तार की बड़ी चर्चा थी। मुख्यमंत्री श्री साय अपनी दिल्ली यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह से मिले तो इस चर्चा को और बल मिला। मुख्यमंत्री की दिल्ली यात्रा से वापसी के साथ ही मामला फिर ठंडे बस्ते में चला गया। अभी छत्तीसगढ़ के राज्यपाल रमेन डेका देश से बाहर है। फिर सामने 15 अगस्त भी आ गया। वैसे भी कहा जा रहा है कि राष्ट्रीय अध्यक्ष की नियुक्ति के पहले मंत्रिमंडल का विस्तार नहीं होने वाला है। छत्तीसगढ़ में फिलहाल मंत्री के दो पद खाली हैं। छत्तीसगढ़ के अलावा मध्यप्रदेश और कुछ अन्य भाजपा शासित राज्यों में भी मंत्रिमंडल का विस्तार पेंडिग है। कहा जा रहा है कि छत्तीसगढ़ में मंत्रिमंडल में अब किसी पुराने नेता को स्थान मिल पाने की संभावना कम है। नए लोगों को ही मौका दिया जाएगा। राज्य दो मंत्री पद के अलावा विधानसभा उपाध्यक्ष का पद भी खाली है।

बड़े लोगों की विदेश यात्रा

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल, वित्तमंत्री,नेता प्रतिपक्ष और कुछ विधायक इन दिनों अमेरिका की यात्रा पर हैं। वित्त मंत्री ओपी चौधरी के साथ वित्त सचिव मुकेश बंसल भी अमेरिका गए हैं। कहा जा रहा है कि वित्त मंत्री और वित्त सचिव छत्तीसगढ़ के लिए धन की व्यवस्था के लिए अमेरिका गए हैं। अब आने के बाद ही पता चलेगा कि वित्त मंत्री और वित्त सचिव क्या तीर मार कर आए हैं। राजनेता बनने से पहले ओपी चौधरी 2005 बैच के आईएएस थे और उनके वित्त सचिव मुकेश बंसल भी 2005 बैच के आईएएस हैं। दोनों एक-दो दिनों के भीतर रायपुर लौटने वाले हैं। कहते हैं राज्यपाल रमेन डेका पारिवारिक यात्रा पर अमेरिका गए हैं। नेता प्रतिपक्ष डॉ चरणदास महंत और कांग्रेस विधायक अनिला भेड़िया तथा संदीप साहू भी अमेरिका गए हैं। कहते हैं कांग्रेस के विधायक एक एनजीओ के आमंत्रण पर बोस्टन गए हैं। अब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप टैरिफ के जरिए भारत पर जितना लगाम कसने की कोशिश कर लें, भारतीयों को अमेरिका की यात्रा भाता ही है। चर्चा है कि पिछले दिनों राज्य के एक सचिव एक हफ्ते की यूरोप यात्रा से लौटे हैं। एक आदिवासी जिले के कलेक्टर रहते राष्ट्रीय स्तर पर चर्चा पर आए यह अफसर अपनी यूरोप यात्रा को काफी गोपनीय रखा। लौटने के बाद ही लोगों को उनकी यात्रा की भनक लगी।

कलेक्टर पर मंत्री की कृपा

कहते हैं एक जिले के कलेक्टर पर राज्य के एक मंत्री की जबर्दस्त कृपा बरस रही है। चर्चा है कि सरकार ने कलेक्टर को बदलने का मन बना लिया था, लेकिन मंत्री जी ने ऐसी पैरवी की कि कलेक्टर साहब यथावत रह गए। मंत्री जी ने जिले के प्रभारी मंत्री के सामने भी कलेक्टर की तारीफ़ की। बताते हैं कलेक्टर साहब ने मंत्री के समर्थकों के लिए उनकी योग्यता और क्षमता के अनुरूप डीएमएफ फंड का रास्ता खोल लिया है। इससे कार्यकर्ता खुश, तो फिर मंत्री भी खुश। कहते हैं कलेक्टर साहब ने मंत्री जी के घोर विरोधी कांग्रेस नेता को भी आईना दिखाने का काम किया। इससे भी कलेक्टर साहब मंत्री जी के चहेते बन गए हैं। वैसे तो जिले में भाजपा के नेता कई गुटों में बटे हैं, पर बेमन ही सही, पॉवर के साथ सभी चल रहे हैं।

पुलिस अफसर के खिलाफ व्यापारी लामबंद

चर्चा है कि एक पुलिस अफसर के खिलाफ प्रदेश के व्यापारी लामबंद हो गए हैं। बताते हैं कि दोहरे प्रभार वाले पुलिस अफसर की व्यापारियों ने बड़े दरबार में शिकायत भी की है। बताते हैं कि इस पुलिस अफसर की पोस्टिंग भाजपा के एक बड़े नेता की सिफारिश पर हुई है। कहा जाता है कि पुलिस अफसर का व्यापारियों से रोजाना सरोकार नहीं हैं, पर जब चाहे तब उनकी कान ऐंठ दी जाती है। इससे दुखी व्यापारी शिकायत के लिए ऊपर तक पहुँच गए। खबर है कि पुलिस अफसर ने पहले अपनी सख्त छवि बनाई, अब उसकी आड़ में लोगों को डराने लगे हैं। अब देखते हैं शिकायत के बाद क्या नतीजा निकलता है।

कलेक्टर की निगाह में चढ़े डॉक्टर

चर्चा है कि एक जिले के कलेक्टर साहब की नजर में वहां के डाक्टर चढ़ गए। बताते हैं कलेक्टर साहब को जिला मुख्यालय के प्रमुख स्थानों पर सीसीटीवी कैमरे लगवाने थे, सो उन्होंने जिला मुख्यालय में नर्सिंग होम चलाने वाले डॉक्टरों को दफ्तर बुलवा भेजा और फरमान जारी कर दिया सीसीटीवी कैमरे लगाने के लिए दो-दो लाख देने का। कहते हैं कलेक्टर साहब के फरमान से हतप्रभ डाक्टर जिले के एक बड़े भाजपा नेता के पास गुहार लगाने पहुँच गए। खबर है कि भाजपा के नेता से मामला कुछ सुलझा, पर कैमरे के लिए कलेक्टर साहब डाक्टरों की जेब से 50-50 हजार निकलवा ही लिए।

चला ससुर का पव्वा

कहते हैं एक अफसर की सरकार ने उसके ससुर के दबाव में कई आरोपों से दोषमुक्त कर दिया। अब आईएएस अवार्ड करने में हाथ-पांव फूलने लगे हैं। खबर है कि इस अफसर के कारण उनके साथ वाले भी लटक गए हैं। इस अफसर को आईएएस अवार्ड करना सरकार की मजबूरी बन गई है,लेकिन छीछालेदर के भय से फाइल को उधर से इधर दौड़ाया जा रहा है। इस अफसर नाम वरिष्ठता सूची में सबसे ऊपर है, उन्हें प्रमोशन मिलेगा तो दूसरों का नंबर लगेगा। चर्चा है कि अफसर के चाचा ससुर जनप्रतिनिधि हैं और भाजपा से जुड़े हुए हैं। चाचा ससुर के पव्वा से अफसर पर लगा कालिख धूल गया। अब देखते हैं आगे का नैया कैसे पार करते

चंपावत से क्यों हटा राजस्व ?

विष्णुदेव साय की सरकार ने आईएएस अविनाश चंपावत से राजस्व और पुनर्वास विभाग क्यों हटा लिया चर्चा का विषय है ? कहते हैं चंपावत का मंत्री से भी ट्यूनिंग ठीक थी और विभाग में भी कोई विवाद सामने नहीं आया था। साय सरकार ने भुवनेश यादव की जगह अविनाश चंपावत को राजस्व सचिव बनाया था। सरकार ने अब अविनाश चंपावत से राजस्व विभाग लेकर रीना बाबा साहेब कंगाले को दे दिया है। साय सरकार में रीना कंगाले तीसरे राजस्व सचिव होंगी। रीना कंगाले खाद्य विभाग के साथ राजस्व देखेंगी। अविनाश चंपावत के पास अब सामान्य प्रशासन विभाग ही रहेगा।